22 फरवरी, 2025
फाल्गुन, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 10, अंक 125

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

मैंने ही गुरुजी शिबू सोरेन को पहली बार मुख्यमंत्री बनाया: बंधु तिर्की

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

न्यूज रील्स

नयी दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ के वीडियो हटाने के निर्देश

नयी दिल्ली। नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गयी थी। मामले में अब तक जांच रिपोर्ट नहीं आयी है, लेकिन रेलवे ने एक फरमान जरूर जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को नोटिस जारी कर 288 वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने 17 फरवरी को यह नोटिस भेजा था और एक्स को 36 घंटे में घटना से संबंधित सभी वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया था। मंत्रालय के नोटिस में कहा गया कि यह नैतिकता के साथ एक्स के कंटेंट पॉलिसी के भी खिलाफ है। इस तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने से कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। अभी ट्रेनों में भारी भीड़ है, इसे देखते हुए रेलवे का ऑपरेशन भी प्रभावित हो सकता है।

भारत-पाकिस्तान के बीच फ्लैग मीटिंग, 4 साल में पहली बार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में एलओसी (नियंत्रण रेखा) पर तनाव के बीच भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच शुक्रवार को फ्लैग मीटिंग हुई। यह मीटिंग पुंछ सेक्टर के चाका दा बाग (एलओसी ट्रेड सेंटर) में आयोजित की गयी, जिसमें दोनों सेनाओं के ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारी शामिल हुए। बैठक 75 मिनट तक चली। पिछले चार सालों में दोनों देशों के बीच इस तरह की पहली मीटिंग है। आखिरी फ्लैग मीटिंग 2021 में हुई थी। सूत्रों ने कहा कि बैठक में दोनों पक्षों के बीच बॉर्डर पर शांति बनाये रखने और सीजफायर पर सहमति बनी। पिछले कई हफ्तों से एलओसी पर तनाव बना हुआ है।

विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से

सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए सीएम और अन्य, भाजपा-आजसू ने बनायी दूरी

- 20 दिनों के औपबंधिक कार्यदिवस पर चर्चा हुई
- सीपी सिंह को मिला था न्योता, नहीं पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। इससे पहले शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने सर्वदलीय बैठक बुलायी। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत अन्य दलों के नेता शामिल हुए। भाजपा और आजसू ने इस बैठक से दूरी बनाये रखी। दोनों दलों का कोई प्रतिनिधि बैठक में शामिल नहीं हुआ। हालांकि अध्यक्ष ने भाजपा विधायक सीपी सिंह को बैठक के लिए न्योता भेजा था।

20 दिनों के कार्यक्रम पर हुई चर्चा: बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ने दलीय नेताओं और प्रतिनिधियों से आगामी सत्र के निमित्त सुझाव मांगे। बजट सत्र के कुल 20 दिनों के औपबंधिक कार्यदिवस के संबंध में चर्चा हुई। आय-व्ययक पर सामान्य वाद-विवाद के लिए पूर्व से निर्धारित एक दिन की चर्चा को बढ़ाकर दो दिन किया गया। अनुदान मांगों के लिए पूर्व निर्धारित 11 दिन की चर्चा को घटाकर एक दिन किया गया। इसकी संपुष्टि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में की जायेगी। बजट सत्र के सुचारु संचालन के लिए अध्यक्ष ने सभी दलों से पर्याप्त सहयोग की अपेक्षा की।

सत्र सकारात्मक रूप से चलेगा: हेमंत

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बैठक के बाद मीडिया से कहा कि बजट सत्र पूरी मजबूती से चलेगा। सदस्यों से उम्मीद है कि वे अपने-अपने क्षेत्र की बातों को सदन में रखेंगे। सकारात्मक तरीके से सभी मिल कर सदन को सुचारु रूप से चलायेंगे।

बैठक में थे मौजूद

सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कांग्रेस के प्रदीप यादव, राजद के सुरेश पासवान, जदयू के सस्यू राय, लोजपा के जनार्दन पासवान, जेएलकेएम के जयराम कुमार महतो के अलावा विधानसभा के प्रभारी सचिव माणिक लाल हेंब्रम और संयुक्त सचिव मधुकर भारद्वाज उपस्थित थे।

आदिवासी युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्ल्डबिइंग के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी स्टीव लेवेंथल ने की मुलाकात

स्टीव ने झारखंड में आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाने के लिए संस्था के कार्यों से कराया अवगत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से शुक्रवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में अंतरराष्ट्रीय संस्था वर्ल्डबिइंग के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी स्टीव लेवेंथल (यूएसए) ने मुलाकात की। उन्होंने वर्ल्डबिइंग इंडिया फाउंडेशन की ओर से आरोहण कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी युवाओं को सशक्त और मजबूत बनाने के साथ उनके कल्याण की दिशा में किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने इस कार्यक्रम के जरिये आश्रम आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों और विद्यार्थियों में आये सकारात्मक बदलावों को भी मुख्यमंत्री के साथ साझा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने संस्था द्वारा राज्य के आदिवासी समाज के उत्थान और विकास के लिए किये जा रहे कार्यों को विस्तार से जाना और उसकी सराहना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी मौजूद थे।

युवाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाने की जरूरत: वर्ल्डबिइंग इंडिया फाउंडेशन की झारखंड प्रभारी सुनीता मुंडा ने इस संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी देने के क्रम में कहा कि यहां के आदिवासी युवाओं में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है। विपरीत परिस्थितियों से भी वे लड़ने की पूरी क्षमता रखते हैं। लेकिन मानसिक रूप से उन्हें थोड़ा मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में यह संस्था अपने आरोहण कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी युवाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने भी कहा कि आदिवासी युवा मानसिक रूप से कैसे मजबूत हों, इसमें सरकार आपके द्वारा किये गये कार्यों का गहराई से आकलन कर आगे बढ़ेगी। शिक्षा की मुख्य प्रणाली से जोड़ने की जरूरत:

फाउंडेशन के प्रतिनिधि ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह संस्था आरोहण के जरिये बिहार की शिक्षा व्यवस्था के साथ जुड़कर काम कर रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में भी आरोहण को शिक्षा की मुख्य प्रणाली में कैसे शामिल किया जाये, इसके लिए सरकार गंभीरता से विचार करेगी। इस दिशा में झारखंड के शिक्षकों एवं अधिकारियों की टीम को बिहार में आपके द्वारा किये गये कार्यों को देखने के लिए भेजा जायेगा।

सकारात्मक सहयोग से राज्य मजबूत और सशक्त होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड एक आदिवासी बाहुल्य राज्य है। इस राज्य की आदिवासी युवा पीढ़ी को आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सहित अन्य सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने की दिशा में हमारी सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसमें विभिन्न संस्थाओं का सहयोग काफी कारगर साबित हो सकता है। सरकार सभी के सकारात्मक सहयोग से इस राज्य को मजबूत और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जैक पेपर लीक के तार देवघर और महाराष्ट्र से जुड़े

कोडरमा के मरकच्चो से दो गिरफ्तार

संजीव/ मो जावेद

कोडरमा/ मरकच्चो (आजाद सिपाही)। जैक की 10वीं बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक का मामला लगातार उलझता जा रहा है। मामले के तार देवघर से लेकर महाराष्ट्र तक जुड़े होने के सबूत मिल रहे हैं। इधर कोडरमा के मरकच्चो से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक निजी स्कूल का संचालक है।

पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद इसकी जांच के आदेश दिये गये हैं। कोडरमा उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि ट्रेजरी से पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने डीडीसी की अध्यक्षता में जांच टीम गठित की है। जांच टीम के काम शुरू करने के 12 घंटे के भीतर ही दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निगरानी रखने के निर्देश दिये हैं। पेपर लीक को लेकर मरकच्चो थाना में मामला दर्ज किया गया है। जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें प्रशांत साव (पिता प्रकाश साव) और आशीष साव (पिता भीम साव) शामिल हैं। प्रशांत जामू में एक प्राइवेट स्कूल और कोचिंग सेंटर चलाता है।

एक हजार लोग जुड़े थे ग्रुप में

पेपर एक व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से साढ़े तीन सौ रुपये में बेचे गये थे। इस ग्रुप का एडमिन प्रिंस ही है। जैक बोर्ड एग्जामिनेशन ग्रुप के नाम से यह व्हाट्सएप ग्रुप हाल में बनाया गया था। इस ग्रुप से जुड़ने के लिए छात्रों को लिंक भेजे गये थे। इस ग्रुप में एक हजार से ज्यादा लोग जुड़े थे। ग्रुप से जुड़ने के बाद प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के बदले क्यूआर कोड से 350 रुपये मांगे गए थे। प्रश्नपत्र के पीडीएफ को अनलॉक करने के लिए पासवर्ड बनाया गया था। जिन लोगों ने रुपये का भुगतान किया, उन्हें पासवर्ड उपलब्ध कराया गया था।

महाराष्ट्र और देवघर से भी तार जुड़े होने के सबूत

पेपर लीक मामले में कई कोचिंग संचालकों के भी जुड़े होने की बात सामने आ रही है। पूछताछ में महाराष्ट्र और देवघर के साथ गिरिडीह से भी इसके तार जुड़े होने के सबूत मिल रहे हैं। पुलिस की अलग-अलग टीम को इन स्थानों पर भेजा गया है।

प्रिंस राणा ने दिया था पेपर

प्रशांत ने पुलिस को बताया कि उसे मरकच्चो निवासी प्रिंस राणा नामक छात्र ने पेपर दिया था। प्रिंस मूक-बधिर है। वह खुद इस बार परीक्षा में शामिल होने वाला था। प्रिंस अपने पिता इंद्रदेव विश्वकर्मा और मां आरती देवी के साथ इलाज के लिए बंगलुरु गया है। बताया जा रहा है कि बंगलुरु से वापस आने वाली ट्रेन छूट जाने की वजह से वह परीक्षा में शामिल नहीं हो पाया। पुलिस ने जब प्रिंस के घर पर दबिश दी, तो वहां उसकी दादी और छोटा भाई गौतम मिला।

लीडरशिप पर विवेकानंद का मंत्र लेकर आगे बढ़ना है : नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप कॉनक्लेव में हुए शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (एसओयूएल) कॉनक्लेव के पहले एडिशन का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी देश के निर्माण के लिए वहां के व्यक्ति यानी नागरिकों का विकास जरूरी है। किसी भी ऊंचाई को प्राप्त करना है, तो आरंभ जन से ही शुरू होती है। हर क्षेत्र में बेहतरीन नेतृत्व का विकास बहुत जरूरी है। यह समय की मांग है। इसलिए एसओयूएल की स्थापना 'विकसित भारत' की विकास यात्रा में एक बहुत महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी भारत को गुलामी से बाहर निकालकर बदलाव लाना चाहते थे। उनका विश्वास था कि अगर 100 लीडर उनके पास हों, तो वह भारत को आजादी ही नहीं, बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं। इसी मंत्र को लेकर हम सबको आगे बढ़ना है।

एसओयूएल में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी शामिल हुए हैं। उनके आने पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भूटान के राजा का आज जन्मदिन होना और हमारे यहां ये अवसर होना। ये अपने आप में सुखद संयोग हैं। भूटान के पीएम को यहां भेजने में बहुत बड़ा रोल है। इसके लिए मैं उनका भी हृदय से धन्यवाद करता हूं। मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय 21वीं सदी के 'विकसित भारत' के लिए दिन-रात काम कर रहा है। ऐसे 140 करोड़ देश में हर सेक्टर में, हर कार्यक्षेत्र में, जीवन के हर आधार में हमें उत्तम से उत्तम नेतृत्व की आवश्यकता है। मोदी ने नवाचार बढ़ाने वाले संसाधनों, भारत के एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने समेत अन्य बातों की चर्चा की।

भारत मंडपम में चल रहा एसओयूएल दो दिन का है। इस कांक्लेव में राजनीति, खेल, कला, मीडिया, आध्यात्मिक दुनिया, आदि से जुड़ लोग अपने-अपने अनुभवों को साझा करेंगे।

अपहृत कोयला व्यवसायी 12 घंटे बाद घायल मिला

आशिक अली घायलवस्था में नदी किनारे बेहोश थे

पुलिस ने बचरा अस्पताल पहुंचाया, बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने रांची रेफर किया

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। पिपरवार थाना क्षेत्र के न्यू मंगरदाहा गांव निवासी कोयला कारोबारी आशिक अली को गुरुवार रात आठ बजे नकाबपोश हथियारबंद अपराधियों ने घर से जबरन अगवा कर ले गये। विरोध करने पर पुत्र एवं पिता को धमकाया। घटना की खबर पूरे पिपरवार, खलारी, कोयलांचल में फैल गयी। सूचना मिलते ही टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में पिपरवार थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद खलारी मैकलुस्कीगंज और टंडवा के पुलिस द्वारा आस पास के इलाकों में सघन छापेमारी और सर्च अभियान चलाया। रात में ही पिपरवार पुलिस शक के आधार पर कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। चारों तरफ पुलिस की दबिश और घेराबंदी के कारण आशिक अली को 12 घंटे बीत जाने के बाद घर से एक किलोमीटर दूर जोबिया दामोदर नदी में घायल अवस्था में छोड़कर अपहर्ता चले गये। सुबह शौच के लिए गये स्थानीय लोगों ने आशिक को घायल हालत में देखा तो पुलि को जानकारी दी। उन्हें स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों की मदद से बचरा अस्पताल पहुंचाया। वहां से बेहतर इलाज के लिए डाक्टरों ने रांची रेफर कर दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बयान पर मचा बवाल, भाजपा ने राहुल को घेरा, कहा

राहुल गांधी भारत विरोधी ताकत का हिस्सा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को लेकर देश में राजनीति तेज हो गयी है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी को हराने के लिए भारत विरोधी ताकतों का सहारा लिया। इस काम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भूमिका रही है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शुक्रवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाये। वहीं, कांग्रेस ने ट्रंप के बयान की निंदा की है और भाजपा पर पलटवार किया है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा यह अभियान चला रही है कि यूएसएआइडी ने नरेंद्र मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर खर्च किया।

क्या कहा था डोनाल्ड ट्रंप ने: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका से मिलने वाले फंड (यूएसएआइडी) का इस्तेमाल भारत की चुनावी प्रक्रिया में दखल देने के लिए किया जा रहा था। ट्रंप ने यूएसएआइडी फंडिंग को रद्द करने के अपनी सरकार के फैसले का जिक्र करते हुए कहा था कि बाइडेन प्रशासन द्वारा भारत को मतदान बढ़ाने के लिए लगभग 182 करोड़ रुपये (21.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर) देना सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि क्या वे किसी और को जिताने की कोशिश कर रहे थे।

भाजपा प्रवक्ता ने क्या कहा: भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले कई पत्रकारों और संगठनों ने भी कहा था कि विदेशी शक्तियां भारत की चुनावी प्रक्रिया में दखल देती हैं। इनका लक्ष्य होता है कि प्रधानमंत्री मोदी को हटाना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हाथ भारत के दुश्मनों के साथ है। राहुल गांधी पीएम मोदी से नफरत करते-करते भारत से भी नफरत करने लगे हैं। राहुल गांधी भारत विरोधी ताकत का हिस्सा बन गये हैं और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं।

कांग्रेस बोली, ट्रंप के दावे बेतुके

कांग्रेस ने ट्रंप के दावे को बेतुका करार दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यूएसएआइडी इन दिनों काफी चर्चा में है। इसकी स्थापना तीन नवंबर, 1961 को हुई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किये जा रहे दावे कहने के लिए तो बेतुके हैं। फिर भी भारत सरकार को जल्द-से-जल्द एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए, जिसमें पिछले दशकों के दौरान भारत के सरकारी और गैर-सरकारी दोनों संस्थानों को यूएसएआइडी की फंडिंग का ब्योरा हो। उन्होंने कहा कि पहले वाशिंगटन में झूठ बोला गया। फिर भाजपा की झूठी सेना ने झूठ को बढ़ाया। गोदी मीडिया पर बहस के लिए झूठ बनाया गया। झूठ अब पूरी तरह से उजागर हो गया है। क्या झूठ बोलने वाले माफी मांगेंगे? दूसरी ओर भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए कांग्रेस ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी यूएसएआइडी की ब्रांड एंबेसडर हुआ करती थी। जब वह ब्रांड एंबेसडर थीं और सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करती थीं, तो क्या यूएसएआइडी उन विरोध प्रदर्शनों के पीछे शामिल था? सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाया। इस अभियान के बाद वर्ष 2014 में कांग्रेस केंद्र की सत्ता से बाहर हो गयी। क्या इस पैसे के दम पर भाजपा केंद्र की सत्ता पर काबिज हुई। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा यह अभियान चला रही है कि यूएसएआइडी ने नरेंद्र मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए 21 करोड़ डॉलर खर्च किया। केंद्र में भाजपा की सरकार होने के बाद भी विदेशी फंडिंग आना देश के लिए शर्म की बात है।

सर्राफा

सोना (बिक्री)	80,200 रु./10 ग्राम
चांदी	1,00,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 22 फरवरी, 2025
www.azadsipahi.in

मैंने ही गुरुजी शिबू सोरेन को पहली बार मुख्यमंत्री बनाया: बंधु तिर्की

- जब गुरुजी को जरूरत थी, उनके किसी भी विधायक ने साथ नहीं दिया
- संथाल से कोई भी विधायक सीट छोड़ देता, तो गुरुजी मुख्यमंत्री बने रहते
- गुरुजी जब तमाड़ उपचुनाव हारे, तो ठीकरा मेरे ऊपर फोड़ा गया
- एक साजिश के तहत सोरेन परिवार में मेरे प्रति जहर घोला गया

आजाद सिपाही विशेष

बंधु तिर्की का शुरुआती जीवन बहुत ही संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए होटल में ग्लास धोने से लेकर घर-घर जाकर ट्यूशन तक पढ़ाया। ट्यूशन पढ़ाने के क्रम में उन्होंने बंधु कोचिंग क्लास की भी शुरुआत की। बंधु कोचिंग क्लास शहर में फेमस हो गया। बंधु तिर्की मास्टर बंधु के नाम से प्रसिद्ध हो गये। उसके बाद उन्होंने बैंक में नौकरी भी की। जो बैंक 30 लाख के नुकसान में चल रहा था, उसे एक करोड़ से अधिक का फायदा करवाया। उसके बाद उन पर लालू प्रसाद यादव की नजर पड़ी और वह राजनीति में आये। आजाद सिपाही के पॉडकास्ट राकेश सिंह शो में बंधु तिर्की ने अपने जीवन के कई घटनाक्रमों को उजागर किया। कैसे उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा, पढ़ाई-लिखाई से लेकर राजनीति के अखाड़े तक में उन्होंने कैसे सफलता हासिल की। कैसे उनके साथ राजनीति में साजिश की गयी। लेग पुलिंग हुई और कैसे आज भी वह मजबूती के साथ लोगों के बीच में बने हुए हैं, यह साझा किया झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष, तीन बार के विधायक और दो बार के मंत्री ने। बंधु तिर्की एक बार नहीं, दो बार मंत्री रहे। एक बार जब 2005 में शिबू सोरेन की नौ दिनों की सरकार बनी थी, तब और दूसरी बार मधु कोड़ा सरकार में। जब शिबू सोरेन की सरकार थी, तब उन्होंने सुबह मंत्रिपद की शपथ ली, दिन में गुलदस्ता मिला और शाम को इस्तीफा हो गया। यह बात झारखंड में कुछ गिने-चुने ही लोगों को पता है। इस पॉडकास्ट में बंधु तिर्की ने कई राज पर से पर्दा उठाया। बंधु तिर्की का दावा है कि उन्होंने ही शिबू सोरेन को पहली बार मुख्यमंत्री बनवाया था। पूरा समीकरण उन्होंने ही सेट किया था। उन्होंने रिसॉर्ट पॉलिटिक्स की भी चर्चा की। कैसे एयरपोर्ट पर जाकर भाजपा के चार्टर्ड प्लेन को रुकवाया, उस पर भी कहा। कैसे उन्होंने अडिग जोबा मांझी को गुरुजी के पक्ष में मनाया, कैसे भानु प्रताप शाही के साथ रात 12 बजे विधानसभा की बाउंड्री तड़पी, रात भर बाथरूम में रहने के बाद सुबह हाउस में उपस्थिति दी और मधु कोड़ा की सरकार बनी, उसके बारे में विस्तार से बताया। **प्रस्तुत है आजाद सिपाही के स्पेशल पॉडकास्ट राकेश सिंह शो विद बंधु तिर्की के कुछ अंश।**

मेरे चलते ही शिबू सोरेन पहली बार मुख्यमंत्री बने: बंधु

2005 की बात है। मैं चुनाव जीता। हंग असेंबली हो गयी। उस दौरान शिबू सोरेन को मुख्यमंत्री बनना था। उधर भाजपा भी एक्टिव थी। अर्जुन मुंडा भी समीकरण बना रहे थे। यहां मैं एक एक बात कहना चाहता हूं कि पहली बार अगर शिबू सोरेन मुख्यमंत्री बने, तो सिर्फ और सिर्फ मेरे चलते बने। बंधु तिर्की ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया है, यह बात नयी पीढ़ी को जाननी चाहिए। वह उस वक्त नौ दिन के लिए मुख्यमंत्री बने थे। मेरे पास अजित सिंह से लेकर प्रियरंजन दासमुंशी से लेकर सभी नेता आये थे। जिस दिन मेरा चुनाव परिणाम आया, उस दिन अर्जुन मुंडा ने मुझे गृह मंत्री का पद ऑफर किया था। उन्होंने कहा था कि आप मेरे साथ आ जाइये। आपको पॉलिटिक्स में और भी बहुत मौके मिलेंगे। आप शिबू सोरेन के साथ मत जाइये। मेरे पास कई बड़े मुस्लिम नेता भी आये थे और कहा था कि गृह मंत्रालय मिल रहा है, आप चले जाइये। संघ वाले मुस्लिम नेताओं को पकड़ कर मेरे पास लाये थे, लेकिन मैं भाजपा में नहीं गया। उसके बाद हम लोगों ने शिबू सोरेन को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवा दी। गुरुजी को शपथ दिलवाने और मुख्यमंत्री बनवाने में मेरी बहुत बड़ी भूमिका रही। आज सुनील महतो हमारे बीच में नहीं हैं। जब मैं चुनाव जीता था, तब सुनील महतो ने मुझे पहली बार गुरुजी से मिलवाया था। वैसे मैं कहना चाहूंगा कि साल 2000 में डोमिसाइल आंदोलन जब चल रहा था, उसमे मैं जेल गया था। उस दौरान शिबू सोरेन मुझसे मिलने जेल में आये थे। खैर, जब शिबू सोरेन मुख्यमंत्री बने, तो मेरी भूमिका तो रही ही, भानु प्रताप शाही का भी बड़ा योगदान रहा है। हमारे चलते ही पहली बार शिबू सोरेन की नौ दिनों की सरकार बनी थी। शिबू सोरेन मुझे बहुत मानते थे। उस दौरान कमलेश सिंह को हॉस्पिटल में एडमिट होना पड़ा। उन्हें मनाने राजनाथ सिंह को आना पड़ा।

सुबह मंत्री, दिन में गुलदस्ता मिला, शाम को इस्तीफा हो गया

इस राज्य में यह किसी को जानकारी नहीं होगी कि मैंने उस दौरान मंत्रिपद की शपथ भी ली थी। मैं झारखंड का संसदीय मंत्री भी रह चुका हूं। पीडब्ल्यूडी मंत्री भी रहा हूं, रोड मंत्री रहा हूं। और जिस दिन मैंने पीडब्ल्यूडी मंत्री के रूप में ज्वाइनिंग की, मुझे सुबह-सुबह गुलदस्ता मिलना शुरू हो गया, लेकिन शाम होते-होते गुरुजी शिबू सोरेन का इस्तीफा हो गया। मैं सदन फेस नहीं कर पाया, चूंकि सदन चला ही नहीं। उसके बाद हम सभी एमएलए और शिबू सोरेन सारे लोग दिल्ली जाने लगे। एक पूनम नाम की कोई वकील हुआ करती थीं। उन्होंने केस कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट भी इनवॉल्व हुआ। कहा गया कि बहुमत नहीं है। फिर शिबू सोरेन को इस्तीफा देना पड़ा।

बंधु पहुंचे एयरपोर्ट प्लेन रुकवाने, उधर सुदेश विधायकों को लेकर फुर्र

उसके बाद झारखंड में खरीद-बिक्री का खेल शुरू हो गया। भाजपा वालों ने एनोस एक्का के घर के बगल में हेलीकॉप्टर भेजा, गांव वालों को लगा कि बाप रे कितना बड़ा आदमी आ गया। उसके बाद भाजपा वालों ने एनोस एक्का को हेलीकॉप्टर से लिफ्ट कर लिया। मुझे भी गृह मंत्री पद का ऑफर दिया गया था, लेकिन मैं नहीं गया, क्योंकि मेरी मानसिकता वैसी नहीं है। भाजपा से मेल नहीं खाती। ऐसा है कि मधु कोड़ा भी हमारी तरफ आ जाता। समझिये आ ही गया था। हरिनारायण राय भी आ जाते। हमें बहुमत भी मिल जाता, लेकिन गुरुजी इतना शरीफ आदमी हैं कि उन्होंने लेन-देन से मना कर दिया। वह नहीं चाहते थे कि लेन-देन से वह सरकार बनायें। जिसे भी मैं उनके सामने समर्थन दिलवाने के लिए ले जाता, वह सिर्फ पूछते कि कैसे हो, क्या हाल है। यही सब पूछते। वह कोई लेन-देन की कोई बात नहीं करते। अगर वह लेन-देन की बात करते न, तब उनकी नौ दिनों वाली सरकार नहीं जाती।

रिसॉर्ट पॉलिटिक्स तो भाजपा ने ही शुरू की

उसके बाद भाजपा द्वारा विधायकों को जयपुर ले जाने का कार्यक्रम शुरू हुआ। रिसॉर्ट पॉलिटिक्स का यहीं से जन्म हुआ। उस दौरान जितने भी टॉप लीडर भाजपा के थे, चाहे वह अहलूवालिया रहे हों, जेटली रहे हों, रवि शंकर प्रसाद रहे हों, दो-दो चार्टर्ड लेकर आये थे विधायकों को ले जाने के लिए। मैं और स्टीफन मरांडी मंत्री थे। मुझे पता चला, तो मैं एयरपोर्ट चला गया। उस समय मेरी दबंगई चलती थी। उसके बाद एयरपोर्ट में घुसकर मैंने जहाज को रोक दिया। उसके बाद सभी लोग बाहर आये। हंगामा शुरू हो गया। इधर हंगामा हो रहा था, उधर सुदेश महतो विधायकों को रोड से सिल्ली की तरफ से कोलकाता ले भागे। प्लेन से रवि शंकर प्रसाद निकल कर बोले कि माय प्रिविलेज ये वो। यही अनुराग गुप्ता उस वक्त रांची के एसपी हुआ करते थे। वह उन लोगों को बहुत मदद किया करते थे। समय-समय की बात है। जहाज खाली था। कोई विधायक नहीं था। पहले ही सुदेश महतो उन्हें लेकर चले गये थे। अंत में रात नौ बजे गुरुजी को इस्तीफा देना पड़ा। उसी दिन मैं मंत्री बना था। फूल-गुलदस्ता सब मिला था, सब बेकार हो गया।

बचा हुआ विभाग मुझे मिला, शिक्षा, खेल और कला संस्कृति

जब मधु कोड़ा की सरकार बनी, तो विभाग बांटने में दो लोग थे। मैं खुद और भानु प्रताप शाही। स्टीफन मरांडी तो आना ही नहीं चाह रहे थे। वह बिजली मंत्री का पद मांग रहे थे और मधु कोड़ा उन्हें यह विभाग देना नहीं चाह रहे थे। उसके बाद हम लोगों ने उन्हें वित्त मंत्री बनाया। मैं और भानु दोनों लोग बहुत समझाये। बंधु तिर्की का कहना है कि वह उस सरकार में मंत्री नहीं बनना चाह रहे थे, लेकिन उन्हें लालू यादव ने समझाया कि अरे आप बुद्धू हैं क्या। आपको मंत्री बनना है। आपने इतनी मेहनत की है सरकार बनाने में। शिक्षा विभाग कोई लेना नहीं चाह रहा था। वही बचा हुआ विभाग मुझे मिला, शिक्षा, खेल और कला संस्कृति। उस समय शिक्षा मंत्रालय, मानव संसाधन विभाग हुआ करता था।

खेल शुरू हुआ कि कैसे अर्जुन मुंडा की सरकार गिरायी जाये

उसके बाद अर्जुन मुंडा की सरकार बनी। सुदेश महतो बने गृह मंत्री। अब खेल शुरू हुआ कि कैसे अर्जुन मुंडा को हटाया जाये। इस बीच मधु कोड़ा और अर्जुन मुंडा में किसी सड़क को लेकर विवाद शुरू हुआ। इसे लेकर मधु कोड़ा और अर्जुन मुंडा में खटपट शुरू हो गयी। इस दौरान मुधु कोड़ा से मैं मिलता रहता था। कभी उनके घर जाता। कभी रात को चुपचाप स्कूटर में बिठा कर बनहोरा अपने घर पर लाता। समझाता। उस समय नूर बेगम कांग्रेस की प्रभारी हुआ करती थीं। बहुत मुश्किल से मधु कोड़ा को समझा-बुझा कर मैंने तैयार किया। मधु कोड़ा की बात एनोस एक्का, हरिनारायण राय और कमलेश सिंह भी सुना करते थे। अब एक ईंट अगर खिसक रही है, तो सब ही खिसकेगी। उसके बाद इन लोगों को लेकर हम लोग दिल्ली पहुंच गये। उसके बाद दिल्ली से हम लोग कोच्चि चले गये। दिल्ली में मैंने एनोस एक्का और मधु कोड़ा को लालू यादव से मिलवाया। तो मैंने लालू यादव से कहा कि ये मधु कोड़ा हैं सर। तो उन्होंने कहा कि कौन घोड़ा। फिर मैंने एनोस एक्का को उनसे मिलवाया। तो लालू यादव ने शुरू में देखते ही कह दिया कि इ ठीक आदमी ना बा हो। सावधान रहे के बा। इधर झारखंड में भी समीकरण बन रहा था। इस बीच में भानु प्रताप शाही का एक केस था। अगर भानु प्रताप शाही हाउस में जाते, तो उनकी गिरफ्तारी निश्चित थी। गुरुजी के विश्वसनीय बगान हुआ करते थे। मधु कोड़ा को हमने उनसे मिलवाया। ये सब गुरुजी को पसंद नहीं करता था। आप जोबा मांझी से पूछियेगा। गुरुजी की सरकार जोबा मांझी और मेरे चलते बनी थी। जोबा मांझी समर्थन नहीं देना चाहती थीं। इसलिए कि उनका मानना था कि उनके पति की हत्या इन्ही लोगों ने करवा दी। मुश्किल से मनाया गया। पहली बार अगर शिबू सोरेन मुख्यमंत्री बने थे, तो वह बंधु तिर्की और जोबा मांझी के चलते बने थे। इसे लोगों को जानना चाहिए। इसी समर्थन का नतीजा है कि आज जोबा मांझी को इतना कुछ हासिल हुआ है।

रात 12 बजे विधानसभा की बाउंड्री फांद घुस गये अंदर और सुबह मार दिया धप्पा

अब मधु कोड़ा वाले एपिसोड में वापस आते हैं। इधर बाकी विधायक कोच्चि से बेंगलुरु आये। उसके बाद उन्हें बस से बहुमत सिद्ध करने के लिए आना था। इधर मैं भानु प्रताप शाही को कोलकाता ले गया। वहीं एक होटल में मैंने उन्हें रुकवाया। उसके बाद शाम को तीन-चार बजे हमलोग टैक्सी लिये। फिर रात को खूंटी होते हुए हेसाल गांव पहुंचे। मेरी मामी के घर। उसके बाद रात 12 बजे विधानसभा की बाउंड्री में जकड़े तार को पार कर, बाउंड्री से कूदकर एंटर करते हैं। रात को इसलिए चले गये कि जैसे ही सुबह विधानसभा शुरू होगी, हम लोग घुस जायेंगे। रात भर हमलोग विधानसभा के बाथरूम में बंद रहे। सुबह जैसे ही नौ बजा दौड़ कर सामने चले गये। हम लोग नहाये भी नहीं थे, बस बालों को पानी से भिंगोया था। अब अंदर में भानु प्रताप शाही को गिरफ्तार तो नहीं किया जा सकता था। मधु कोड़ा की सरकार भी बन गयी।

....और भानु प्रताप शाही स्वास्थ मंत्री बन गये

मैं एक और बात बताना चाहूंगा राकेश जी कि भानु प्रताप शाही विधायकी जीते थे। लेकिन उनके ऊपर एक केस चल रहा था। वह मंत्री पद की शपथ नहीं ले सकते थे। उसके बाद तय हुआ कि आप पहले केस में बेल ले लीजिये, उसके बाद शपथ ले लीजिये। लेकिन भानु प्रताप शाही ने कहा कि अभी मेरी जगह पर मेरे पिताजी को मंत्री बना दीजिये। उसके बाद भानु प्रताप शाही के पिता हेमेंद्र प्रताप देहाती को बिना विधायक मंत्री बनाया गया। मधु कोड़ा और गुरुजी की सहमति से वह मंत्री बने। उसके बाद जब छह महीने के बाद भानु प्रताप को बेल मिली, तो उनके पिता ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और भानु प्रताप शाही स्वास्थ्य मंत्री बने।

गुरुजी के लिए उनका कोई भी विश्वस्त विधायक, जो उन्हें पूजता था, जरूरत पड़ी तो किसी ने साथ नहीं दिया

अब एक दौर आया, जब लोग गुरुजी के कान भरने लगे। लोगों ने कहा कि गुरुजी आपका विधायक इतना ज्यादा है, एक ही आदमी है वह भी निर्दलीय, इतने दिनों तक कैसे मुख्यमंत्री रहेगा। कैसे चलेगा। वैसे गुरुजी का भी कहना ठीक ही था कि कैसे एक ही आदमी निर्दलीय कैसे इतने दिनों तक मुख्यमंत्री रहेगा। 14-15 महीना चला लिये। अब गुरुजी को सत्ता हस्तांतरण कर देना चाहिए। बहुत इधर-उधर होना शुरू हुआ। कांग्रेस पार्टी के समर्थन से सरकार चल रही थी। नूर बेगम प्रभारी हुआ करती थीं। तय हुआ कि गुरुजी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी जाये। गुरुजी ने शपथ ली। उस वक्त गुरुजी विधायक नहीं थे। अब छह महीने में अंदर उन्हें कहीं से चुनाव जीत कर आना था। तीन महीना बीता, चार महीना बीत गया। कोई भी गुरुजी शिबू सोरेन के विश्वसनीय, करीबी, उनके इलाके के विधायक या जो गुरुजी को भगवान मानते थे, किसी विधायक ने भी उनके लिए सीट नहीं खाली की। चाहे वह जामा हो, नाला हो, जामताड़ा हो, बरहेट हो, वह चाहे संथाल की कोई भी सीट हो, जहां से गुरुजी निश्चित चुनाव जीतते। लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ। लेकिन पौलूस सोरेन इस्तीफा देने के लिए तैयार हुए। उस दौरान अहमद पटेल का मुझे फोन आया। चूंकि गुरुजी मुझे अपने बेटे की तरह मानते थे, तो अहमद पटेल ने मुझे कहा कि गुरुजी से पूछो कि वह चुनाव कहां से लड़ेंगे। इस बीच रमेश सिंह मुंडा की हत्या हो चुकी थी। उपचुनाव होना था। ठीक छह महीना बीतने ही वाला था, तो मैंने ही गुरुजी से पूछ लिया कि गुरुजी आप तमाड़ से चुनाव लड़ेंगे। कैसा रहेगा। ठीक रहेगा। गुरुजी साफ दिल के आदमी थे। बोले कि ठीक है मैं तमाड़ से ही चुनाव लड़ूंगा। गुरुजी वहां से चुनाव लड़े और हार गये। और गुरुजी की हार का ठीकरा एक साजिश के तहत मेरे माथे फूटा। यहां एक बात मैं बता दूं कि उनके मुख्यमंत्रित्वकाल में मैंने कभी भी कोई फेवर नहीं लिया। लेकिन जब शिबू सोरेन हारे, तो सारा ठीकरा मेरे माथे फोड़ दिया गया। इसके चलते हेमंत सोरेन में भी मेरे प्रति कटुता आयी होगी। उनके घर-परिवार में भी मेरे प्रति कटुता आयी होगी। लेकिन यहां किसी ने भी यह समझने की कोशिश नहीं की कि गुरुजी को कहीं न कहीं से चुनाव लड़ना ही था। संथाल परगना से अगर उनका कोई भी विधायक इस्तीफा दे देता, तो गुरुजी आसानी से जीत जाते। लेकिन किसी ने भी सीट नहीं छोड़ी। फिर तमाड़ सीट से लड़ना पड़ा और गुरुजी हार गये। उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। उनकी हार का कोपभाजन मुझे बनना पड़ा। यह किसी को नहीं पता है कि कुछ लोगों ने मेरे खिलाफ सोरेन परिवार में जहर उगला है। लेकिन उन्हें इस दिन को याद करना चाहिए कि जब गुरुजी नौ दिनों के लिए मुख्यमंत्री बने थे, तो मुझे सुनील महतो हेमंत सोरेन की माता रूपी सोरेन जी के पास ले गये थे। फिर उन्होंने कहा कि गुरुजी को मुख्यमंत्री बनना है। फिर उसके बाद गुरुजी मुख्यमंत्री बने थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
198000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.6 °C	15.6 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.48 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.17 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 22 फरवरी, 2025
www.azadsipahi.in

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त प्रभारी के राजू पांच दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे

झारखंड से लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन के तहत नेताओं को आगे बढ़ायेंगे : के राजू

आगामी एक वर्ष तक जय संविधान कैंपेन चलेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त प्रभारी के राजू शुक्रवार को पांच दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे। रांची पहुंचने पर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, कांग्रेस भवन, रांची में स्वागत और अभिनंदन समारोह का आयोजन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में किया गया। अभिनंदन समारोह में कांग्रेस के मंत्री, सांसद, विधायक, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष कई अन्य पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं ने फूल-माला देकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के राजू ने कहा कि मैं पार्टी को चलाने नहीं सेवा करने आया हूं, मैं कार्यकर्ता के प्रति जवाबदेह रहूंगा। कोई भी कार्यकर्ता मुझसे मिलकर सवाल कर सकता है। उन्होंने पार्टी संगठन की मजबूती के लिए पांच बहुमूल्य सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि पार्टी के निचले स्तर के कार्यकर्ताओं को भी मजबूत करना एवं उनका अधिकार देना

आवश्यक है। पार्टी के निर्णयों में भी कार्यकर्ताओं की भावनाओं को सम्मिलित करना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही देश के संविधान की रक्षा कर सकती है और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को उनका अधिकार दिला सकती है। उन्होंने कहा कि आगामी एक वर्ष तक हम जय संविधान कैंपेन चलायेंगे। हम झारखंड के लोगों को सरकार की ओर से अच्छा शासन देंगे ताकि सभी को उनका अधिकार मिल सके और संगठन के माध्यम से सभी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने का काम करेंगे। हम झारखंड से लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन के तहत नेताओं को आगे बढ़ाने का भी काम करेंगे।

पार्टी एवं सरकार दोनों को मार्गदर्शन मिलेगा : प्रदेश अध्यक्ष

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि के राजू प्रभारी झारखंड कांग्रेस के झारखंड आने से पार्टी एवं सरकार दोनों को मार्गदर्शन मिलेगा, एक ओर उनका प्रशासनिक अनुभव और दूसरी ओर लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी के विभिन्न पदों पर कार्य करने का अनुभव से पार्टी नयी ऊर्जा और गति मिलेगी। हमें संगठन को मजबूत करना है और चुनाव के दौरान जनता से किये वादों को भी पूरा करना है। स्वागत समारोह का संचालन मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी और धन्यवाद ज्ञापन महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह ने किया।

सभा को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस के सचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष के सलाहकार प्रणव झा, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कच्छप, दीपिका पांडेय सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, सुरेश बैठा, अंबा प्रसाद, सुबोधकांत सहाय, डॉ रामेश्वर उरांव, डॉ प्रदीप बलमुचू, राजेश ठाकुर, बंधु तिर्की, बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख, योगेंद्र साव, शहजादा अनवर, केएन त्रिपाठी, अभिलाष साहु, रविंद्र सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, संजय लाल पासवान, शमशेर आलम, केदार पासवान, कुमार राजा, राकेश किरण महतो, नेली नाथन, विनय उरांव, मंजूर अंसारी सहित अन्य शामिल थे।

आज चाइबासा में प. सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम की बैठक में भाग लेंगे

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि झारखंड प्रभारी के राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहित कई प्रमुख नेता 22 फरवरी को चाइबासा में प. सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम के जिला अध्यक्षों/कार्यकारी अध्यक्षों, प्रखंड अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों की बैठक में भाग लेंगे। इसके बाद चाइबासा कांग्रेस भवन में ही प्रमुख कांग्रेसजनों से मुलाकात करेंगे।

झारखंड की जनता का चौकीदार बनकर खड़ा होना होगा : सुदेश

आजसू पार्टी की मधुबन, गिरिडीह में महत्वपूर्ण बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची / गिरिडीह। आजसू पार्टी ने झारखंड की राजनीति को नयी दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। शुक्रवार को आयोजित बैठक मधुबन, गिरिडीह में हुई। इस बैठक में धनबाद, गिरिडीह, कोडरमा, हजारीबाग और चतरा जिले के पार्टी के वरीय नेताओं ने झारखंड की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति, संगठन के विस्तार, आगामी चुनावी तैयारियों और जनसंपर्क अभियान पर गहन चर्चा की। बतौर मुख्य अतिथि पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि पार्टी को झारखंड की जनता का चौकीदार बनकर खड़ा होना होगा और झारखंडी जनमानस के नेतृत्व को अपना२ लक्ष्य बनाना होगा। एक मजबूत विपक्ष के रूप में स्थापित होने के लिए यह जरूरी है कि पार्टी के कार्यकर्ता सरकार की घोषणाओं का मूल्यांकन करें और देखें कि वे जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी हो रही हैं। जवाबदेह और जिम्मेदार कार्यकर्ता ही पार्टी को प्रतिष्ठित कर सकते हैं, इसलिए कार्यकर्ताओं को राजनीतिक रूप से परिपक्व होना आवश्यक है। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने की। वहीं मांडू विधायक तिवारी महतो, गोमिया के पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, दीपक महतो समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी सभा को संबोधित किया।

युवा संवाद कार्यक्रम की शुरुआत की जायेगी

बैठक में यह तय किया गया कि पार्टी झारखंड की जनता के हक और अधिकार की लड़ाई को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए काम करेगी। संगठन के विस्तार के लिए उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र के सभी जिलों में कार्यकर्ताओं को मजबूत किया जायेगा। इसके अलावा, आगामी नगर निकाय चुनावों को देखते हुए नगर क्षेत्रों में भी संगठन के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया। युवाओं को पार्टी से जोड़ने के लिए युवा संवाद कार्यक्रम की शुरूआत की जायेगी, जिसके तहत सुदेश महतो स्वयं हर जिले और प्रखंड में जाकर युवाओं से संवाद स्थापित करेंगे। इस अवसर पर पार्टी के महासचिव यशोदा देवी, महासचिव विजय साहू, सुधा देवी, बबीता कुमारी, टिकैत महतो, गुड्डू यादव, सचिन महतो, दिलीप दांगी, मंटू महतो, परमेश्वर महतो, शिवलाल दांगी सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

झारखंड के मंत्रियों को बंगला आवंटित किया गया

सुदिव्य कुमार सोनू को एक नंबर, दो नंबर में रहेंगी शिल्पी नेहा तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के 11 मंत्रियों के लिए धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी में तैयार बंगलों का आवंटन कर दिया गया है। इन बंगलों का निर्माण लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। स्मार्ट सिटी के एक ही कैंपस में बनाये गये इन बंगलों में रहने वाले मंत्रियों के लिए तमाम आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। हर एक बंग्ले का क्षेत्रफल 16,321 वर्ग फीट है, जबकि बिल्टअप एरिया लगभग 8,000 वर्ग फीट है। इन बंगलों को दो हिस्सों में बांटा गया है, इनमें पहला हिस्सा रेजिडेंशियल ब्लॉक है और दूसरा

हिस्सा एनेक्स ब्लॉक है। एनेक्स ब्लॉक का निर्माण मंत्रियों के कामकाज की जरूरतों के हिसाब से किया गया है। बंगला नंबर 1: नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च शिक्षा, पर्यटन एवं कला संस्कृति मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, बंगला नंबर 2: कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, बंगला नंबर 3: वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, बंगला नंबर 4: स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, खाद्य सार्वजनिक एवं उपभोक्ता मंत्री इरफान अंसारी, बंगला नंबर 5: पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद, बंगला नंबर 6: जल संसाधन विभाग, अल्प संख्यक विभाग मंत्री हफीजुल हसन, बंगला नंबर 7: कल्याण मंत्री चमरा लिंडा, बंगला नंबर 8: राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार, परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ, बंगला नंबर 9: ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, बंगला नंबर 10: स्कूली, शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मंत्री रामदास सोरेन, बंगला नंबर 11: श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण, उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव को आवंटित किया गया है।

भाजपा रांची जिला ग्रामीण का केंद्रीय बजट पर परिचर्चा कार्यक्रम

तीसरी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश बनेगा भारत : डॉ प्रदीप वर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। भाजपा रांची जिला ग्रामीण ने सिल्ली स्थित धर्मशाला में बजट पर परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया। अध्यक्षता ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉक्टर प्रदीप वर्मा उपस्थित थे। डॉक्टर प्रदीप वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो वित्तीय वर्ष 2025 - 26 का बजट पेश किया है वह बजट देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक पटेल पर जबरदस्त उछाल देने वाला बजट है। यह बजट भारतवासियों के एवं पीएम मोदी के लक्ष्य जो विश्व की तीसरी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश बनने पर इस सपने को

साकार करता है। भारत सोने की चिड़िया बने इसके लिए केंद्रीय बजट में कृषि क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना की घोषणा की गयी है। इस योजना के अंतर्गत 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। इनमें 100 निम्न उत्पादन वाले जिलों को शामिल किया जायेगा। अरहर, उड़द और मसूर पर विशेष ध्यान देते हुए दालों में आत्मनिर्भरता मिशन शुरू किया जायेगा। संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रभुदयाल बड़ाइक एवं धन्यवाद ज्ञापन मंडल अध्यक्ष अंबुज रजक ने किया। मौके पर भगीरथ महतो, मनोज साव, अजित साहू, विनय साव, राजेश अग्रवाल, गणेश साहू, नरोत्तम गोराई, पिंटू साव, प्रवीण गुप्ता, भागवत सोनार, प्रमोद अग्रवाल, शायन त्रिपाठी, वीणा देवी, स्नेहलता देवी, अमिता कुमारी समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष रोजी-रोजगार में लाभकारी वातावरण रहेगा, भागीदारों में व्याप्त मनमुटाव का निराकरण होगा।

वृष कारोबार में उन्नति होने की संभावना, नवीन कार्य की योजना सफल होगी।

मिथुन कहीं से शुभ फल प्राप्त होगा, आर्थिक पक्ष सुदृढ़ बनेगा, मित्रों से सहायता मिलेगी व किसी विशेष इच्छा पूरी होगी।

कर्क शत्रु प्रबल होकर हावी होंगे,खर्च पर नियंत्रण रखें अन्यथा कर्ज लेने की नौबत आ सकती है।

सिंह राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी, पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी, यात्रा में धन लाभ का योग बन रहा है।

कन्या प्रयास व उत्साह से सभी कार्य पूरे होंगे, मेहमानों का आगमन होगा व आप उनकी आवभगत में व्यस्त रहेंगे।

तुला सम्पति सम्बन्धी मामलों का निपटारा आपके पक्ष में होगा,कहीं से शुभ समाचार मिलेगा।

वृश्चिक नये-नये लोगों से सम्पर्क बनेगा, यश, कीर्ति व मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी, वाणिज्य-व्यवसाय में लाभ होगी।

धनु आमदनी के स्रोत बढ़ेंगे,नौकर-चाकर, वाहन व भौतिक ऐश्वर्य के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर अकस्मात धन लाभ होने की संभावना, आशानुसार कार्यों में सफलता मिलेगी।

कुंभ सरकारी नौकरी करने वालों के पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी,गृह-भूमि-वाहन का सुख।

मीन लम्बित कार्य निपटाने में व्यस्तता रहेगी, नौकरी में पदोन्नति के अवसर भी मिल सकता है ।

गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव की जमानत याचिका खारिज

कोर्ट के आदेश पर हजारीबाग एसपी कोर्ट में हुए उपस्थित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हजारीबाग के गिद्दी थाने में दर्ज आर्म्स एक्ट मामले में कुख्यात गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव पर आर्म्स एक्ट में दर्ज केस में दायर जमानत याचिका की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के आलोक में हजारीबाग एसपी कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में अनुसंधानकर्ता (इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर) की गवाही करा ली गयी है। गवाही के लिए कई तिथियों में उनकी उपस्थिति नहीं होने के संबंध में उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रार्थी की ओर से जमानत याचिका वापस लेने का आग्रह कोर्ट से किया गया, कोर्ट ने वापस लेने की अनुमति देते हुए याचिका खारिज कर दी।

दरअसल, मामले में कोर्ट के आदेश के आलोक में सब डिविजनल पुलिस ऑफिसर (एसडीपीओ) हजारीबाग की ओर से जवाब दाखिल किया गया था, जिस पर कोर्ट ने जवाब खारिज करते हुए कहा था कि हजारीबाग एसपी को मामले में शपथ पत्र दाखिल करना था एवं बताना था कि गवाही देने नहीं आने वाले अनुसंधानकर्ता के खिलाफ क्या एक्शन लिया गया है। बता दें कि मामले में सिर्फ अनुसंधानकर्ता की ही गवाही बची थी। नवंबर 2024 से उनकी गवाही नहीं हो पा रही है, जिससे ट्रायल पूरी नहीं हो सका है। पूर्व की सुनवाई में हाइकोर्ट ने हजारीबाग एसपी से स्पष्टीकरण मांगा था कि 2 माह से अधिक समय बीतने के बाद भी अनुसंधानकर्ता गवाही की तिथि में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। ऐसे में अनुसंधानकर्ता पर क्या कार्रवाई की गयी है।

इस पर हजारीबाग एसपी की ओर से स्पष्टीकरण देते हुए कोर्ट को बताया गया था कि तबीयत खराब रहने के कारण अनुसंधानकर्ता गवाही देने नहीं जा सके थे, अगली तिथि में वे गवाही देने जायेंगे। उल्लेखनीय है कि, इस मामले अमन श्रीवास्तव सहित करीब 8 आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट में गिद्दी थाना में कांड संख्या 9/ 2021 दर्ज की गयी थी।

चेन्नई में मीडिया एंड एंटरटेनमेंट बिजनेस कॉनक्लेव में झारखंड हुआ शामिल

फिल्मकारों को झारखंड में फिल्म की शूटिंग के लिए किया आमंत्रित

कॉनक्लेव में झारखंड, महाराष्ट्र और गुजरात पार्टनर स्टेट की भूमिका में

फिक्की की ओर से किया जा रहा आयोजन, कॉनक्लेव में दक्षिण भारत के सुपर स्टार कमल हसन भी रहे मौजूद

आजाद सिपाही संवाददाता

चेन्नई/रांची। फिक्की (एफआइसीसीआइ) द्वारा 21 और 22 फरवरी को चेन्नई में आयोजित मीडिया एंड एंटरटेनमेंट बिजनेस कॉनक्लेव में झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड ने भी भाग लिया है। इस कॉनक्लेव में झारखंड, महाराष्ट्र और गुजरात पार्टनर स्टेट की भूमिका में हैं । कॉनक्लेव का उद्घाटन तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा किया गया। इस अवसर पर साउथ के प्रसिद्ध फिल्मकलाकार कमल हसन, तृषा कृष्णन सहित दक्षिण भारत के कई फिल्मकार और कलाकारों ने भाग लिया।

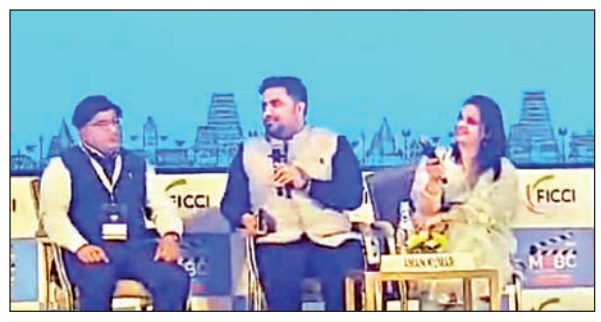

झारखंड में फिल्म बनाने के लिए सरकार दे रही है अनुदान

श्री कुशवाहा ने बताया कि मीडिया एंड एंटरटेनमेंट बिजनेस कॉनक्लेव में उपस्थित फिल्मकारों को जेएफडीसीएल द्वारा फिल्मकारों को दिये जाने वाले अनुदान के संबंध में जानकारी दी गयी। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार, झारखंड में फिल्म को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्पित है। झारखंड में फिल्म के बनाने के लिए सरकार अनुदान भी दे रही है। झारखंड में फिल्म और फिल्मकारों एवं कलाकारों को बढ़ावा देने के लिए झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड की स्थापना की गयी है।

कॉनक्लेव में झारखंड की ओर से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक बीरू कुशवाहा और जेएफडीसीएल के सहायक कंपनी सचिव अमन कुमार ने भाग लिया। बीरू कुशवाहा ने बताया कि नॉलेज सीरीज सेशन के दौरान उपस्थित सभी फिल्मकारों को झारखंड में फिल्म की शूटिंग के लिए आमंत्रित किया गया। बताया गया कि झारखंड में फिल्म की शूटिंग करने का काफी अनुकूल माहौल है। झारखंड की खूबसूरत वादियां और कई मनमोहक पर्यटक स्थल हैं जो फिल्म की शूटिंग के लिए बेहतरीन हैं। इस दौरान झारखंड के पर्यटक स्थल, कला संस्कृति, माइंस सहित झारखंड की विशेषताओं पर आधारित एक वीडियो डाक्यूमेंट्री भी दिखायी गयी।

जेपीएससी-वन की टॉपर रही शालिनी ने केरल में की आत्महत्या

मां की बेड पर मिली लाश, भाई ने फांसी लगायी

भाई मनीष विजय केरल में कस्टम विभाग में अतिरिक्त आयुक्त के पद पर कार्यरत थे

आजाद सिपाही संवाददाता

केरल/रांची। जेपीएससी-01 की टॉपर रही शालिनी विजय, उनकी मां शकुंतला और भाई मनीष विजय ने आत्महत्या कर ली है। यह घटना केरल की है। मनीष विजय केरल के कक्कनाड में कस्टम विभाग में अतिरिक्त आयुक्त के पद पर कार्यरत थे। शालिनी विजय जेपीएससी-वन की टॉपर रही थीं और लंबे समय तक झारखंड में डिप्टी कलेक्टर रैंक में काम कर रही थीं। दो साल पहले वह छुट्टी पर गयीं थीं, उसके बाद ड्यूटी पर वापस नहीं लौटी। शालिनी विजय केरल की रहने वाली थीं।

मिली रिपोर्ट के मुताबिक शालिनी विजय अपने भाई मनीष, जो केंद्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त थे और मां केरल के एनार्कुलम के कक्कनाड स्थित सरकारी आवास में मृत पाये गये। शालिनी विजय और उनके भाई मनीष का शव घर में ही फांसी पर लटकी मिला। जबकि उनकी मां शकुंतला का शव बिस्तर पर मिला है। पुलिस के मुताबिक तीनों ने कई दिन पहले ही आत्महत्या कर ली थी। मनीष विजय ने करीब एक सप्ताह पहले छुट्टी ली थी। छुट्टी खत्म होने के बाद भी जब वह कार्यालय नहीं पहुंचे, तो उनके साथ काम करने वाले लोग उनके घर पहुंचे। जब उनके सहयोगी घर पहुंचे, तो पाया कि घर से दुर्गंध आ रही है। तब घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जब दरवाजा तोड़ करके देखा, तो पाया कि शालिनी विजय और मनीष की लाश फांसी के फंदे से लटका हुई है, जबकि मां शकुंतला का शव बिस्तर पर पड़ा हुआ था। तीनों ने कई दिन पहले ही आत्महत्या कर ली थी। इस कारण शवों से दुर्गंध आने लगा था। मनीष विजय के सहयोगियों ने पुलिस को बताया है कि उनकी मां पहले से यहीं रहती थीं। करीब दो साल पहले उनकी बहन भी यहीं रहने आ गयी थीं। पुलिस इस बात की तहकीकात कर रही है कि आखिर किन वजहों से सभी ने आत्महत्या की।

लैंड स्कैम: अमित कुमार अग्रवाल की जमानत अर्जी पर हाइकोर्ट में सुनवाई

रांची (आजाद सिपाही)। सेना के कब्जे वाली 4।55 एकड़ जमीन की अवैध खरीद बिक्री मामले में अमित कुमार अग्रवाल की जमानत याचिका की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में हुई। मामले में प्रार्थी की ओर से बहस जारी रही। अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी। प्रार्थी की ओर से सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा एवं हाइकोर्ट के अधिवक्ता रोहित रंजन सिंह ने पैरवी की। पूर्व में पीएमएलए कोर्ट ने अमित अग्रवाल की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। जिसके बाद उनकी ओर से जमानत के लिए हाइकोर्ट में अर्जी दाखिल की गयी है। मामले में इडी द्वारा अमित कुमार अग्रवाल के खिलाफ इसीआइआर 1/2023 दर्ज किया है। इसमें अमित कुमार अग्रवाल , छवि रंजन सहित 10 आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। जमीन खरीद-बिक्री मामले को लेकर बरियातू थाना में अमित अग्रवाल, छवि रंजन पूर्व डीसी रांची आदि के खिलाफ कांड संख्या 141 /2022 दर्ज किया गया है।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 22 फरवरी, 2025
www.azadsipahi.in
04

पोस्ते की फसल पूर्णतः नष्ट करें : मुख्य सचिव

पोस्ते की खेती पर रोकथाम के लिए दो माह पहले दिये निर्देश पर हुई कार्रवाई की समीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा है कि पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान का सकारात्मक परिणाम दिख रहा है, लेकिन पोस्ते की फसल की सौ फीसदी विनष्टीकरण सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियान से जुड़े अधिकारी आपसी समन्वय को और मजबूत और कारगर करें। जितने कांड दर्ज हुए हैं, उससे कम गिरफ्तारी को इंगित करते हुए उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा गिरफ्तारी और उन्हें सजा दिलाने पर फोकस करें। उन्होंने विनष्टीकरण की प्रक्रिया में जरूरी संसाधनों का वास्तविक आकलन करने पर बल देते हुए कहा कि जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। कुछ जगहों पर अभी भी पोस्ते की फसल लगी

होने की सूचना पर उन्होंने पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान को 15 मार्च तक जारी रखने का निर्देश दिया। वह शुक्रवार को पोस्ते की खेती के खिलाफ दो माह पहले अपनी अध्यक्षता में हुई बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा कर रही थीं।

19 हजार एकड़ से अधिक भूमि पर पोस्ते की फसल की गयी नष्ट : समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोस्ते की खेती के खिलाफ अभियान के दौरान कुल 19,086 एकड़ में लगी फसल को नष्ट किया गया है। जो पिछले कुछ वर्षों से चार गुणा अधिक है। सबसे अधिक खूंटी में 10,520 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल को नष्ट किया गया है। दूसरे स्थान पर रांची जिला है, जहां 4624 एकड़ में लगी पोस्ते की फसल नष्ट की गयी है। सबसे कम पलामू में 396 एकड़ में लगे पोस्ते के पौधे को नष्ट किया गया है। बताया गया कि कुछ जगहों पर अभी भी पोस्ते की फसल को नष्ट करना बाकी है, जहां स्पेशल ड्राइव चलाकर कार्रवाई चल रही है। गौरतलब है कि पोस्ते की खेती से झारखंड के कुल आठ जिले चतरा, खूंटी, लातेहार, रांची, पलामू,चाइबासा, सरायकेला और हजारीबाग प्रभावित हैं।

जन-जागरूकता पर दिया बल: इस दौरान मुख्य सचिव ने एक बार फिर पोस्ते की खेती के खिलाफ जनजागरूकता पर बल दिया। उन्होंने पोस्ते की खेती को हतोत्साहित करने के लिए लोगों को फसल के अन्य विकल्पों से जोड़ने को जरूरी बताया। कहा, कुछ जगहों पर वैकल्पिक खेती से जोड़े गये लोगों द्वारा उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ते की खेती का भौतिक सत्यापन के साथ सेटेलाइट की सहायता से भी प्रभावित क्षेत्र को चिह्नित करने का निर्देश दिया।

समीक्षा के दौरान गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना डाडेल, कृषि सचिव अबु बकर सिद्दिकी, पंचायती राज विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे समेत संबंधित प्रमंडलों के आइजी, संबंधित जिलों के एसपी और डीसी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

243 कांड किये गये दर्ज, 190 की हुई गिरफ्तारी

समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोस्ते की फसल के विनष्टीकरण के दौरान कुल 283 कांड और 958 सनहा दर्ज किये गये हैं। इस संदर्भ में कुल 190 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान पुलिस प्रमुख अनुराग गुप्ता ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे वन विभाग द्वारा पोस्ते की खेती को लेकर की गयी कार्रवाई की रिपोर्ट को आधार बना कर संबंधित लोगों पर एफआइआर दर्ज करें। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले में वन विभाग कानूनन सिर्फ अतिक्रमण का मामला दर्ज करता है, जो पोस्ते की खेती की गंभीरता को देखते हुए कमतर कार्रवाई होती है।

पीएमएलए कोर्ट से आइएएस पूजा सिंघल को बड़ी राहत

विभाग नहीं देने की मांग वाली इडी की याचिका खारिज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल को पीएमएलए कोर्ट से बड़ी राहत मिल गयी है। कोर्ट ने पूजा सिंघल की पोस्टिंग को लेकर इडी की याचिका को खारिज कर दी है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि कोर्ट ने जो शर्तें लगायी थीं, वे पहले ही काफी हैं और कोर्ट को और शर्तें जोड़ने की जरूरत महसूस नहीं हो रही है। किसी अधिकारी की तैनाती करना राज्य सरकार का अधिकार क्षेत्र है और अदालत इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। इडी की याचिका में जो कुछ भी कहा गया है वह केवल एक आशंका और अनुमान है। लेकिन यह कहने के लिए कोई सामग्री नहीं है कि उसने मुकदमे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए

कुछ भी किया है। इस टिप्पणी के साथ इडी की याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दी है। पूजा सिंघल को 7 दिसंबर को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा किया गया है। हालांकि वह अब भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभियुक्त हैं। लेकिन कानूनी प्रावधानों के अनुसार, जेल से बाहर रहने के दौरान उनका सस्पेंशन खत्म किया जा चुका है। फिलहाल सरकार ने पूजा सिंघल को आइटी सचिव बनाया है।

महाकुंभ के भव्य आयोजन में भारतीय रेल का कार्य अभिनंदनीय : योगी आदित्यनाथ

भारतीय रेल श्रद्धालुओं के हर कदम पर उनके साथ, महाकुंभ को अविस्मरणीय बना रही

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में महाकुंभ को लेकर भारतीय रेलवे के प्रयासों को सराहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल ने प्रयागराज जिले के सभी 9 रेलवे स्टेशनों का सौंदर्यीकरण किया। उनका विस्तार कर उसमें होल्डिंग एरिया बनाये। 3000 से भी अधिक स्पेशल ट्रेनें चलायीं। भारतीय रेल का कार्य बहुत अभिनंदनीय है। बेहतर कोआर्डिनेशन के माध्यम से रेल मंत्री स्वयं कोआर्डिनेशन के साथ जुड़े थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष हों, महाप्रबंधक या डीआरएम स्तर अधिकारी, सभी ने पूरी तत्परता के साथ इस पूरे आयोजन में सहभागिता निभाई है। भारतीय रेल ने महाकुंभ में जितनी मेला स्पेशल ट्रेनें चलाने की आवश्यकता पड़ी, रेलवे ने उतनी ट्रेनें चलायीं। श्रद्धालुओं को प्रयागराज से उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रेलवे ने पूरा सहयोग किया है। ऐसे सहयोग की वजह से ही महाकुंभ जैसा आयोजन इतनी भव्यता और दिव्यता के साथ आगे बढ़ पाया और उसको हम इस रूप में आगे बढ़ाने का काम कर पाये।

बता दें कि भारतीय रेल ने वृहद तैयारियों के साथ भव्य दिव्य और डिजिटल महाकुंभ में सहभागिता निभाई है। 13,500 से अधिक ट्रेनों जिसमें 3500 से अधिक विशेष गाड़ियां शामिल हैं, 13,000 कर्मयोगियों और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली के साथ प्रयागराज क्षेत्र में यात्रियों की सेवा में तत्पर रहा है। 1186 सीसीटीवी, डेढ़ लाख यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया, 24 घंटे की मॉनिटरिंग और कुशल क्राउड मैनेजमेंट से पूरी व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुदृढ़ किया गया है। 48 डिजिटल टिकटिंग, बहुभाषी उद्घोषणाएं और सुविधाजनक सेवाएं रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। भारतीय रेल, श्रद्धालुओं के हर कदम पर उनके साथ, महाकुंभ को अविस्मरणीय बना रही है।

सीएमपीडीआइ और सीआइपीइटी के बीच समझौता

सीएसआर के तहत 68 लाख रुपये की निधि स्वीकृत की गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआइ (मुख्यालय), रांची के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत सीआइपीइटी के माध्यम से झारखंड के 80 वंचित/बेरोजगार/अर्द्ध-बेरोजगार युवकों को मशीन ऑपरेटर (छह माह का पाठ्यक्रम) का कौशल विकास प्रशिक्षण देने के लिए सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआइ) एवं सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआइपीइटी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किया गया। सीएमपीडीआइ के महाप्रबंधक (एचआरडी/सीएसआर) आरके महापात्रा और सीआइपीइटी:सीएसटीएस के

संयुक्त निदेशक/प्रमुख प्रवीण बी बछव के बीच इस समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। इस अवसर पर सीएमपीडीआइ की ओर से सीएसआर टीम और सीआइपीइटी की ओर से अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

इस समझौता ज्ञापन के तहत सीआइपीइटी, हेहल में झारखंड के 40 लाभुकों को मशीन ऑपरेटर-प्लास्टिक प्रोसेसिंग (एमओ-पीपी) और 40 लाभुकों को मशीन ऑपरेटर-इंजेक्शन मोल्डिंग (एमओ-आइएम) टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण दिया जायेगा। नेशनल स्कील क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप पाठ्यक्रम छह महीने की अवधि का होगा जिसमें भोजन और आवास भी शामिल होगा। उक्त कोर्स नेशनल स्कील क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) से जुड़ा है और नेशनल स्कील्स क्वालिफिकेशन कमिटी (एनएसक्यूसी)-नेशनल स्कील डेवलपमेंट एजेंसी (एनएसडीए), कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार से स्वीकृत है। सीएमपीडीआइ ने इस परियोजना के निमित्त सीएसआर के तहत 68 लाख रुपये की निधि स्वीकृत की है। कौशल विकास कार्यक्रम युवाओं के कौशल को उन्नत करने और औद्योगिक अनुभव और विशेषज्ञता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है जिसके परिणामस्वरूप प्लास्टिक इंजीनियरिंग क्षेत्र में नौकरियां सुरक्षित होती हैं।

एसबीयू में विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में शुक्रवार को युवाओं में भावनात्मक और व्यावहारिक मुद्दों पर विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता और उनके मनोवैज्ञानिक विकास को बढ़ावा देने के लिए था। इस अवसर पर प्रसिद्ध क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ भूमिका सच्चर मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित हुईं।

डॉ भूमिका सच्चर ने उपस्थित श्रोताओं के समक्ष तनाव, अवसाद, सोशल मीडिया के प्रभाव और युवाओं की मानसिक चुनौतियों पर चर्चा की और उनके समाधान बताये। इसके बाद छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों ने इंटरएक्टिव सत्र में भाग लिया,

जहां उन्होंने डॉ सच्चर से मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कई सवाल पूछे।

एसबीयू के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं कुलपति प्रो सी जगनाथन की उपस्थिति में विशेषज्ञ वार्ता कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर डॉ वी सामंता, डॉ आलोक कुमार, डॉ आरके सिंह, अंजली मिश्रा एवं विवि के अन्यान्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे। विधि विभाग की प्रभारी कोमल गुप्ता ने स्वागत एवं राजीव रंजन ने धन्यवाद भाषण दिया। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

डोरंडा कॉलेज में विश्व मातृभाषा दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डोरंडा कॉलेज नागपुरी भाषा विभाग में विश्व मातृभाषा दिवस मनाया गया। जिसमें जनजाति एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नागपुरी भाषा विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रो कंचन मुंडा ने की एवं विद्यार्थियों को अपने संबोधन में मातृभाषा की महत्ता को बताते हुए अपने मातृभाषा में शिक्षा को लेकर जोर देते हुए मातृभाषा में अधिक से अधिक शोध कार्य करने पर भी बल दिया। कार्यक्रम में नागपुरी विभाग से प्रो भादी प्रकाश उरांव, खोरठा विभाग से डॉ अरविंद कुमार, मुंडारी विभाग से प्रो अमिया सोरेन, पंचपरनिया विभाग से प्रो विद्यासागर यादव, प्रो अंशुल गुप्ता ने भी संबोधित किया।

भाषाई विविधता का उत्सव मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वाइबीएन विश्वविद्यालय के एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) विंग्स ने 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक कौशल किशोर के नेतृत्व में आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाषाई विविधता का उत्सव मनाया गया और इसमें कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और साहित्यिक कार्यक्रम शामिल थीं, जिनका उद्देश्य मातृभाषाओं के महत्व को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के दौरान, विश्वविद्यालय के अध्यक्ष रामजी यादव ने एक संदेश दिया, जिसमें उन्होंने मातृभाषाओं के संरक्षण और प्रोत्साहन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी संस्कृतियों और पहचानों का

सम्मान और मूल्यवान समझा जाना चाहिए। विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। इससे कार्यक्रम में भाषाई विविधता के उत्सव में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

यह कार्यक्रम बहुत ही जीवंत और महत्वपूर्ण था, जिसने भाषाई विरासत के महत्व और इसे संरक्षित करने में शिक्षा की भूमिका को उजागर किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष छात्र कल्याण डॉ आरती गुप्ता, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजनी कुमार सिंह, कृषि विभागाध्यक्ष डॉ आभा नूतन कुजूर, हिंदी विभागाध्यक्ष संजय कुमार, पुण्य देव प्रसाद, रिजवाना परवीन आदि उपस्थित थे।

साईं नाथ विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल महोत्सव

छात्र-छात्राओं ने अद्भुत खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। साईं नाथ विश्वविद्यालय, रांची में दो दिवसीय अंतर विभागीय वार्षिक खेल महोत्सव का भव्य आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ एसपी अग्रवाल ने ध्वाजारोहण के साथ किया। जिसमें विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत 100 मीटर से 1500 मीटर दौड़, शॅट पुट, डिस्कस थ्रो और टग ऑफ वॉर प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं, जिनमें छात्र-छात्राओं ने अद्भुत खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के दौरान छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया ओर

अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

कुलपति प्रो डॉ एसपी अग्रवाल ने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और सभी प्रतिभागियों को भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो डॉ एसपी अग्रवाल ने कहा कि यह खेल महोत्सव केवल प्रतियोगिताओं का मंच नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, परिश्रम, टीम वर्क और आत्मविश्वास के गुणों को विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। आप सभी ने अत्यंत जोश और समर्पण के साथ भाग लिया। आप सभी ने खेल भावना, समर्पण और अनुशासन का जो परिचय दिया है, वह सराहनीय है। हमारें विश्वविद्यालय के 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया है। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं न केवल शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, बल्कि खेलों में भी नयी ऊंचाइयों को छू रहे हैं। कुलपति ने खेल महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों, आयोजकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को हृदय से बधाई दी। सभी विजेता को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और जो इस बार विजेता नहीं बन सके, उनसे कहा कि हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण प्रयास होता है, परिश्रम और समर्पण से आप भविष्य में अवश्य सफलता प्राप्त करेंगे। विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राज्य सेवा के अफसर विपिन उरांव के एक वेतन वृद्धि पर रोक

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विपिन उरांव पर विकास योजनाओं में लापरवाही बरतने, इंदिरा आवास योजना के मासिक योजना रिपोर्ट देने में लापरवाही बरतने और बैंक खातों को बंद करने में देरी करने का आरोप लगा है। इन आरोपों के कारण उनकी असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि पर रोक का दंड अधिरोपित किया गया है। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है, जिसमें विपिन उरांव के खिलाफ की गयी कार्रवाई की जानकारी दी गयी है। अधिसूचना में कहा गया है कि विपिन उरांव को प्रखंड विकास पदाधिकारी पोटका पूर्वी सिंहभूम में पदस्थापन के अवधि में कई आरोप लगे हैं। पूर्वी सिंहभूम के डीसी ने विपिन उरांव के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की थी, जिसकी जांच के बाद उन्हें दंडित किया गया है। डीसी की अनुशंसा के आधार पर कार्मिक विभाग ने विपिन उरांव के खिलाफ कार्रवाई की है।

बुद्धा नर्सिंग कॉलेज में लैंप लाइटिंग एंड ओथ टेकिंग सेरेमनी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जैनेंद्र ग्रुप ऑफ कॉलेज के बुद्धा नर्सिंग कॉलेज बिजुलिया रांची में शुक्रवार को चौथा लैंप लाइटिंग एंड ओथ टेकिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि डॉ प्रभात कुमार सिविल सर्जन रांची शामिल हुए। वहीं डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि आज के दिन फ्लोरेंस नाइटिंगेल को याद किया जाता है। मानवीय संवेदना और मानव सेवा की प्रतिमूर्ति है। सामाजिक स्वास्थ्य का दायित्व हम सभी लोगों पर है। स्वास्थ्य के बहुत सारे आयाम हैं, इसमें वातावरण को भी स्वस्थ रखने की जरूरत है। वहीं जैनेंद्र ग्रुप ऑफ कॉलेज के मैनेजिंग डायरेक्टर जैनेंद्र कुमार ने कहा कि बुद्धा नर्सिंग कॉलेज का नाम ही भगवान बुद्ध के

बताये मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। इसमें उनके दया, प्रेम, करुणा, मैत्री और सद्भावना का संदेश देता है। हमारे कॉलेज के स्वास्थ्य से जुड़े बच्चे इसे आत्मसात कर मानव सेवा के लिए प्रेरित होते हैं। इससे पहले डॉ प्रभात कुमार सिविल सर्जन रांची. सीएचसी रातू से डॉ. सुजीत कश्यप मेडिकल इंचार्ज, कॉलेज के प्रबंध निदेशक जैनेंद्र कुमार एवं निदेशक प्रियांशु कुमार ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से की गयी। वहीं 2024-2028 के प्रवेशित बीएससी, नर्सिंग के छात्र-छात्राओं को कॉलेज के प्राचार्य ज्योति तिर्की ने शपथ ग्रहण कराया। नर्सिंग के छात्र-छात्राओं का परिचय, रैंप वाक का भी आयोजन किया गया। जिसमें मिस्टर फ्रेशर साहिल अंसारी, और मिस फ्रेशर खुशनुमा परवीन चुने गये। इस मौके पर हेल्थ पॉइंट हॉस्पिटल के डॉ एम आलोक, एकेडमिक हेड आशीष कुमार, प्रबंधक हिमांशु सिंह, निकिता कुजूर, हिना परवेज, पुजा कुमारी अन्य भी उपस्थित रहे।

चार दिनों से लापता विवाहिता की लाश कुआं से बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

ससुराल वालों पर दहेज के लिए मार डालने का आरोप लगाया

मृतका की मां ने थाने में दिया आवेदन, मामला दर्ज

बड़कागांव। बड़कागांव थाना अंतर्गत नयाटांड़ पंचायत के ग्राम विश्रामपुर की रहने वाली 18 वर्षीय विवाहित महिला की लाश को चार दिनों के बाद पुलिस ने कुएं से बरामद की है। इधर, कुछ दिन पूर्व महिला के ससुराल वालों ने महिला की गुमशुदगी को लेकर थाना में आवेदन दिया था। वहीं मृतका की मां सोनिया देवी पति कैलाश महतो के द्वारा भी 18 फरवरी को बड़कागांव थाने में आवेदन दिया जिसमें मेरी बेटी को दहेज को लेकर प्रताड़ित करने एवं जान से मार देने की आशंका जाहिर की थी।

मेरी बेटी सविता कुमारी बेटी की शादी 13 मार्च 2024 को मेजर कुमार पिता ईश्वर दयाल महतो साकिन होरलंगबागी बड़कागांव के साथ की थी। शादी के बाद मेरी बेटी एक महीने तक ससुराल में ठीक-ठाक रही। उसके बाद मेरे घर के बगल में रहने वाले अनिल प्रजापति पिता फागु प्रजापति ग्राम विश्रामपुर निवासी मेरी बेटी सविता कुमारी को शादी के नीयत से बहलाव फुसलाकर कर उसके ससुराल से लेकर भागाकर ले गया और लड़की से शादी कर लिया। शादी के बाद लड़का सात लाख रुपये और एक अपाची मोटरसाइकिल की मांग करने लगा और इस बीच हमलोगों का संबंध मेरी बेटी से टूट गया था। इसलिए हम लोग दहेज मांगने की तरफ ध्यान नहीं दिये। 16 फरवरी को हम लोग आखिरी बार अपनी बेटी को देखे थे। उसके बाद से मेरी बेटी अपने ससुराल से गायब है। मुझे आशंका है कि मेरी बेटी सविता कुमारी को उसके ससुराल वाले अनिल प्रजापति, सुनील प्रजापति एवं मनीषा कुमारी तीनों पिता फागु प्रजापति, फागू प्रजापति पिता स्वर्गीय धरम प्रजापति, बलिया देवी पति फागू प्रजापति सभी ग्राम विश्रामपुर निवासी एवं आरती कुमारी पति सिकंदर प्रजापति, सिकंदर प्रजापति पिता लखन प्रजापति, सीताराम राणा पिता हेंदलाल राणा सभी मिलकर मेरी बेटी सविता कुमारी को दहेज को लेकर जान से मार कर शव को छुपा देने की आशंका है। इधर मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक से पूछे जाने पर कहा कि मृतिका की मां सोनिया देवी के द्वारा थाने में आवेदन दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

लापता युवक का शव कुएं से बरामद, पुलिस जांच में जुटी

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। थाना क्षेत्र के चुटीयारो निवासी 18 वर्षीय उपेंद्र राणा का शव शुक्रवार देर शाम जेजे कॉलेज के पीछे स्थित सामंतो कुआं से बरामद हुआ है। इसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

ज्ञात हो कि उक्त युवक बीते 18 फरवरी से लापता था। उसके परिजनों ने 19 फरवरी को कोडरमा थाना में मामले को लेकर सनहा दर्ज किया था। शुक्रवार को उक्त कुंए से लापता युवक का चप्पल बरामद होने की सूचना पाकर थाना प्रभारी अरविंद कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे। उसके बाद गोताखोर व ग्रामीणों की मदद से कुएं में तलाशी की गयी। देर शाम कुएं से युवक के शव को बरामद कर लिया गया। अब यह मामला हत्या है या फिर आत्महत्या, पुलिस इसकी जांच में जुटी है।

भारतीय रेल

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

सं.: 2024/आरएस(ई)/टीएम/1 नई दिल्ली, दिनांक : 20.02.2025

शुद्धिपत्र संख्या 2

विषय : 23 अदद 'मल्टी परपज टैम्पर (एम पी टी)' के डिज़ाइन, निर्माण, आपूर्ति, परीक्षण और कमीशनिंग, भारतीय रेलवे कर्मचारियों के प्रशिक्षण और 3 साल की वारंटी एएमसी के साथ, के लिए दिनांक **17.03.2025** को बंद होने वाली ई–खुली वैश्विक निविदा सं. **2024–TM–1A**

विषय निविदा के कुछ नियम और शर्तों को संशोधित और IREPS वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखें।

निदेशक, रेल भंडार (एफ)
(रेलवे बोर्ड)

585/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जल संकट गहराया, जनता है परेशान : जय नाथ पांडेय

रांची (आजाद सिपाही)। सामाजिक कार्यकर्ता जय नाथ पांडेय ने कहा कि झारखंड में जल संकट गहराता जा रहा है, लेकिन सरकार की लापरवाही से जनता परेशान है। जल मिशन योजना के तहत राज्य में पानी की स्थिति चिंताजनक है, लेकिन सरकार को इस समस्या का समाधान करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिख रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अभी भी 5 से 10 किलोमीटर तक पानी ढोकर अपने घरों में लाती हैं। यह स्थिति और भी बदतर हो सकती है अगर सरकार पहले से तैयारी नहीं करती। पांडेय ने कहा कि जल संरक्षण बहुत जरूरी है और अगर हम इसे महत्व नहीं देंगे तो जीवन भी नहीं बचा पायेंगे। उन्होंने आग्रह किया कि झारखंड के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिमान लोगों को जल संरक्षण के लिए आवाज उठानी चाहिए। सरकार को भी इस समस्या का समाधान करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई–निविदा सूचना विद्युत (सामान्य) विभाग के लिए खुली निविदाएँ

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:

1. **ई. निविदा संख्या: ईएल/36/खुली/2024–25**
कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि: (अ) पतरातू: पतरातू में 02 न. और एडीईएन/बरकाकाना के अंतर्गत रांची रोड और भुरकुंडा स्टेशन पर प्रत्येक में 1 नं. गहरे ट्यूबवेल के प्रावधान (ब) एईएन /I/गोमो के अंतर्गत पारसनाथ और तेतुलमारी स्टेशन कॉलोनी में जल आपूर्ति में सुधार के लिए गहरे ट्यूबवेल, जल स्टेजिंग प्लेटफार्म, पीवीसी टैंक इत्यादि के प्रावधान (स) धनबाद मंडल के गुझंडी में स्टाफ क्वार्टर के नवीनीकरण से संबंधित वैद्युतिक कार्य । (कार्य समापन अवधि: नौ माह)। **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि:** रु. 29,28,316.02 **विड सिक्युरिटी:** रु.58,600.00

2. **ई. निविदा संख्या: ईएल/37/खुली/2024–25**
कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि: सिंगरौली रेलवे स्टेशन पर त्वरित जल प्रणाली से संबंधित वैद्युतिक कार्य। (कार्य समापन अवधि: नौ माह) **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि:** रु.29,34,331.39 **विड सिक्युरिटी:** रु.58,700.00

3. **ई. निविदा संख्या: ईएल/38/खुली/2024–25**
कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि: धनबाद मंडल के अंतर्गत धनबाद, गोमो एवं कोडरमा में लिफ्ट, एस्केलेटर, सबस्टेशन, 30% - 70% प्रकाश व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटिंग के लिए डेटा मॉनिटरिंग और प्रबंधन (IR NIYANTRAC) के लिए क्लाउड आधारित केंद्रीकृत वेब–पोर्टल के साथ वेब आधारित स्वचालन (निगरानी और नियंत्रण) प्रणाली का प्रावधान (कार्य समापन अवधि: नौ माह) **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि:** रु. 3,46,65,148.54 **विड सिक्युरिटी:** रु.3,23,300.00

3. **ई. निविदा संख्या: ईएल/39/खुली /2024–25**
कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि: तीन वर्ष के लिए धनबाद रेलवे स्टेशन के पीएफ नंबर–8 पर स्थापित 01 नंबर (ओमेगा मेक) 13 यात्री लिफ्ट का निवारक और व्यापक वार्षिक रखरखाव (AMC) (कार्य समापन अवधि: छतीस माह)। **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि:** रु.4,67,907.48 **विड सिक्युरिटी:** रु.9,400.00

ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय: ई निविदा बंद होने की तिथि दिनांक 18.03.2025 को 11:00 बजे। ई निविदा खुलने की तिथि दिनांक 18.03.2025 को 11.30 बजे के बाद। **वेबसाइट का विवरण:** **www.ireps.gov.in** ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत)/पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/02153/डीएवएन/ईजीईएन/टी/24-25/72

रांची विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ उमेश नंद तिवारी ने कहा कि मातृभाषा को बचाने के लिए हमें अपनी संस्कृति को बचाना होगा।

उन्होंने कहा कि जिस समाज के मातृभाषा का विकास नहीं हुआ, वह समाज और क्षेत्र विपुल संसाधनों के बावजूद भी कभी विकास नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी भाषा को चैलेंज के रूप में लेना होगा, क्योंकि जिस समाज की अपनी मातृभाषा और अपनी संस्कृति नहीं होती है उस समाज की अपनी कोई पहचान नहीं होती है। इस अवसर पर खड़िया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ बंधु भगत, मुंडारी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनय मुंडा सहित कई विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किये। संचालन प्राध्यापक डॉ वीरेंद्र कुमार सोय ने किया। मौके पर जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा केंद्र के छात्रों एवं शोधार्थियों ने गीत प्रस्तुत किया।

जैक अध्यक्ष नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा दें : भाजयुमो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में हो रही माध्यमिक बोर्ड परीक्षा की विज्ञान, संस्कृत और हिंदी के पेपर लीक के विरोध में शुक्रवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा रांची महानगर अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह के नेतृत्व में राज्य सरकार का पुतला फूंका। जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने सरकार के विरोध में नारेबाजी की। मौके पर शशांक राज ने कहा जबसे राज्य में गठबंधन की सरकार बनी है सभी परीक्षाओं का पेपर लीक हो रहा है। लगातार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का काम इस सरकार में किया जा रहा है । जिसको की बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

युवा मोर्चा राज्य के युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी है। मौके पर रोमित नारायण सिंह ने कहा कि राज्य की सभी परीक्षाओं का पेपर लीक हो जाता है। राज्य में युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। हम सभी युवाओं के साथ खड़े हैं। नैतिकता के आधार पर जैक अध्यक्ष को इस्तीफा दे देना चाहिए। इस कार्यक्रम में मुख्यरूप से सुरेश शर्मा, राहुल चौधरी, ओम प्रकाश, धर्मेंद्र शुक्ला, उज्जवल मिश्रा, रोहित सिंह, शुभम कुमार, राहुल कुमार, रंजीत नाथ सहित बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

आठ वर्ष से अधिक पुराने भारी वाहनों के लिए अब हर साल फिटनेस लेना जरूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

आठ वर्ष तक यात्री और भारी माल वाहक वाहनों के लिए दो वर्ष का मिलेगा फिटनेस

रांची। केंद्रीय मोटरयान अधिनियम के तहत 21वें संशोधन के अनुसार रजिस्ट्रीकृत स्वचालित परीक्षण स्टेशनों की मान्यता विनियम और नियंत्रण स्वचालित उपकरणों के माध्यम से वाहनों के फिटनेस परीक्षण की प्रक्रिया निर्धारित की गयी है। इसी आलोक में परिवहन विभाग झारखंड ने वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र को लेकर नये नियम तय किये हैं। इसके तहत परिवहन वाहनों के संबंध में फिटनेस प्रमाण पत्र के नवीकरण में संशोधन किया गया है। आठ वर्ष तक वाहनों के लिए 2 वर्ष और आठ वर्षों से अधिक पुराने वाहनों के लिए एक वर्ष रखा गया है। परंतु इसमें यह शर्त है कि भारी माल वाहक, भारी यात्री वाहन और हल्के मोटर वाहन प्रवर्ग के वाहन की फिटनेस एक अक्टूबर 2024 से नियम 175 के अधीन निबंधित स्वचालित परीक्षण स्टेशन के माध्यम से ही अनिवार्य रूप से की जायेगी। वहीं जहां रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण की अधिकारिता में नियम के तहत रजिस्ट्रीकृत स्वचालित परीक्षण स्टेशन परिचालित है वहां वाहन की फिटनेस केंद्रीय मोटर यान पांचवा संशोधन नियम 2025 के प्रारंभ से प्रभावी होने पर केवल ऐसे स्ववचालित परीक्षण स्टेशन के माध्यम से की जायेगी। इस संबंध में अधिसूचना जारी की गयी है। बाकी प्रावधान पूर्ववत रखे गये हैं।

पेपर लीक की सीबीआइ जांच करायी जाये: जदयू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा कि हेमंत सरकार में पेपर लीक परंपरा बन गयी है। पेपर लीक गिरोह के माफिया निडर हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने दूसरी बार हेमंत सरकार को प्रचंड बहुमत से चुना लेकिन सरकार एक भी परीक्षा का सफल आयोजन नहीं करा सकी। इंटरनेट बंद किये गये, परीक्षा केंद्रों की निगरानी बढ़ायी गयी, बावजूद हर बार चूक हो रही। राज्य के छात्रों का भविष्य अंधकार में है। उन्होंने कहा कि हिंदी और विज्ञान परीक्षा के पेपर लीक हुए, दो दिन पूर्व प्रश्न पत्र सोशल मीडिया में वायरल होने के बावजूद जैक अध्यक्ष ने कोई कार्रवाई नहीं की, प्रश्न पत्र बदलने का पर्याप्त समय था ऐसा करने से छात्रों का समय बर्बाद नहीं होता। जैक के अध्यक्ष को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। पूर्व में जेपीएससी, जेएसएससी की परीक्षाओं में भी प्रश्न पत्र लीक हुए और कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई इस कारण पेपर लीक गिरोह में शामिल लोगों का मन बढ़ा हुआ है। हेमंत सरकार इसकी सीबीआइ जांच कराये।

के राजू का किया गया भव्य स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के राजू शुक्रवार को पहली बार पांच दिवसीय दौरे पर रांची पहुंचे। रांची एयरपोर्ट में के राजू का पारंपरिक तरीके से स्वागत टाना भगतों द्वारा छउ नृत्य एवं ढोल बाजे के साथ किया गया। इसके बाद, प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष एयरपोर्ट से सीधे पुराना हाइकोर्ट स्थित डॉ अंबेडकर चौक पहुंचे, जहां कांके विधायक सुरेश बैठा, मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव, आलोक कुमार दुबे, डॉ राजेश गुप्ता, मणिशंकर, राकेश तिवारी संजीव यादव, अभिषेक साहू, अरूण साहू, फिरोज रिज्वी सहित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े के साथ स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस के सचिव प्रणव झा, बंधु तिर्की, सुबोधकांत सहाय, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहां से काफिला हिनू चौक, बिरसा मुंडा चौक, सिदो-कान्हू पार्क, अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए कांग्रेस भवन पहुंचा, जहां आयोजित स्वागत समारोह में प्रभारी के राजू पहुंचे।

अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक -2025 को लेकर मुखर

विधेयक के विरोध में सड़क पर उतरे अधिवक्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के अधिवक्ताओं ने शुक्रवार को अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक - 2025 के विरोध में सड़क पर उतर कर विरोध-प्रदर्शन किया। विधेयक के विरोध में रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से दूर रहे, जिससे कई मामले प्रभावित हुए।

वहीं अधिवक्ता एकजुट होकर सिविल कोर्ट स्थित नये बार भवन परिसर में जुटे और वहां से अल्बर्ट एक्का चौक पर पैदल मार्च निकाल कर विरोध जताया।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एसपी अग्रवाल और महासचिव संजय विद्रोही ने किया। मौके पर अधिवक्ताओं ने कहा कि यह विधेयक पूरी तरह से अधिवक्ता की स्वतंत्रता के खिलाफ है। इसे अधिवक्ता समाज नहीं मानेगा।

उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में प्रावधान किया गया है कि यदि अधिवक्ता की लापरवाही या कदाचार के कारण उनके मुवक्किल को नुकसान होता है तो प्रस्तावित नये कानून के तहत उनको इसकी भरपाई करनी होगी। इसके अलावा यदि किसी अधिवक्ता के साथ किसी प्रकार की घटना घटती है और उस पर कार्यवाही नहीं होने के बावजूद अब वे कार्य बहिष्कार कर विरोध नहीं जता पायेंगे। विरोध प्रदर्शन में कई अधिवक्ता शामिल हुए।

माता-पिता का प्यार पाने नानी घर से पैदल निकल पड़े भाई-बहन, पुलिस ने पहुंचाया घर

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। धरती पर मां का दर्जा ईश्वर से भी ऊपर है। ऐसा इसलिए कहा जाता है कि किसी भी बच्चे को उसकी मां से ज्यादा कोई प्यार नहीं कर सकता। रामगढ़ में भी शुक्रवार को एक ऐसा वाकया हुआ। यहां मां से मिलने दो अबोध बच्चे अपने नानी घर से पैदल निकल पड़े। यह दोनों और कोई नहीं सगे भाई बहन थे। 7 वर्षीया होलिका कुमारी और 4 वर्षीय आलोक कुमार बूढ़ाखुकरा गांव में अपने नानी के घर में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। शुक्रवार की दोपहर नानी घर से होलिका और आलोक का मन उचट गया और वे अपने माता-पिता से मिलने के लिए अपने गांव दोहाकातू पैदल ही निकल पड़े। कुछ दूर चलने के बाद रामगढ़-रांची पर चुटूपालू घाटी के गड़के मोड़ पर वे रास्ता भटक गये और रोने लगे। सड़क किनारे गन्ने का जूस बेच रहे व्यक्ति ने उन्हें रोका और उन्हें चुप कराया। उसी व्यक्ति ने पुलिस को दोनों बच्चों की खबर दी।

सब इंस्पेक्टर जॉनी ने दोनों बच्चों को पहुंचाया घर : पेट्रोलिंग में मौजूद सब इंस्पेक्टर जॉनी ने दोनों बच्चों को गाड़ी में बिठाया और उनकी पहचान कराने में जुट गये। धीरे-धीरे उन्हें होलिका और आलोक के घर का पता मिल गया। दोनों बच्चों को लेकर जब वह दोहाकातू गांव पहुंचे तो पता चला कि उनके माता-पिता मजदूरी करने किसी दूसरे स्थान पर निकले हैं। पुलिस ने दोनों बच्चों के चाचा गुलपा मुंडा और चाची केसिया देवी को सौंप दिया।

भारत पर कम असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने फिर कहा है कि भारत अमेरिकी प्रॉडक्ट्स पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में शामिल है और वह इस मामले में जैसे को तैसा की नीति पर कोई समझौता नहीं करने वाले। हालांकि उनके इस रुख पर कई वजहों से सवाल उठ रहे हैं, लेकिन अगर उनकी यह नीति बिना संशोधन या अपवाद के अमल में आती है, तो भी जानकारों के मुताबिक भारत के लिए ज्यादा चिंता की बात नहीं है।

व्यापार घाटे का मसला : ट्रंप का व्यापार घाटे के सिलसिले में बार-बार भारत का नाम लेना थोड़ी हैरत इसलिए पैदा कर रहा है, क्योंकि वास्तविक आंकड़ा अन्य कई देशों के मुकाबले काफी कम है। हालांकि, अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है, लेकिन दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे की राशि 2024 में 35.3 बिलियन डॉलर दर्ज की गयी थी, जो भारत की ओर झुकी थी। वियतनाम, ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को यह पॉलिसी ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती है, जो अमेरिकी व्यापार घाटे में ज्यादा बड़ा योगदान करते हैं।

घरेलू मांग : भारत के पक्ष में सबसे बड़ी बात यह है कि इसकी इकॉनमी आज भी मुख्यतया घरेलू डिमांड से संचालित होती है।

भारत को दवाओं के निर्यात से जो आमदनी होती है, उसमें अमेरिका का योगदान 30% से अधिक है। भारत से वहां सस्ती जेनेरिक दवाएं भेजी जाती हैं, जिनकी बदौलत अमेरिकी लोगों के इलाज का खर्च कम होता है।

दूसरी बात यह कि अमेरिका में भारत के निर्यात का ज्यादा बड़ा हिस्सा सर्विस सेक्टर (जैसे- इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलजी सेवाएं) से जुड़ा है, जो फिलहाल ट्रंप प्रशासन के निशाने पर नहीं है। ऐसे में अगर विभिन्न उत्पादों पर टैरिफ के मामले में सख्त रवैया अपनाया भी जाता है, तो अन्य देशों के मुकाबले भारत पर इसका प्रभाव काफी कम होगा।

दवा क्षेत्र पर निगाहें : दवा क्षेत्र को लेकर जरूर थोड़ी चिंता दिख रही है। भारत को दवाओं के निर्यात से जो आमदनी होती है, उसमें अमेरिका का योगदान 30% से अधिक है। भारत से वहां सस्ती जेनेरिक दवाएं भेजी जाती हैं, जिनकी बदौलत अमेरिकी लोगों के इलाज का खर्च कम होता है। ऐसे में अगर इन पर टैरिफ बढ़ाया जाता है, तो वहां के लोगों को नुकसान होगा।

जल्दबाजी न करें : जाहिर है, भारत के लिए इस मामले में जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है। वैसे भी, इस मामले में अभी बहुत सी चीजें साफ नहीं हैं। ट्रंप रोज ही टैरिफ को लेकर कुछ न कुछ बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन अमेरिका किन फैसलों को लागू करता है, बहुत सारी बातें उससे तय होंगी। बड़ी बात यह भी है कि अगर ट्रंप ने जवाबी टैरिफ की नीति पर अमल किया तो इससे अमेरिकी इकॉनमी को तो नुकसान होगा ही, वैश्विक ग्रोथ में भी कमी आयेगी यानी इससे किसी का भला नहीं होगा।

अभिमत
आजाद सिपाही

पुलिस लाइन में एक बार जाने पर मुझे इस तथ्य का अहसास हुआ कि शराब की लत, पत्नी को पीटना और बच्चों का अनियंत्रित रूप से भागना-फिरना जैसी चिरस्थायी समस्याएं अतीत की बात हो गयी थीं। कांस्टेबल बहुत अधिक शिक्षित थे और केवल स्नातक ही भर्ती हो पाते थे। एक अर्थ में यह निजी क्षेत्र में वेतन वाली नौकरियों की कमी या औद्योगिक घरानों द्वारा जूनियर स्तर पर भी आवश्यक कौशल की कमी को दर्शाता है। एक और प्रमुख विचार था, जिसने पुलिसकर्मियों के बच्चों को अपने पिता के पेशे को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

जीने का सभी को उतना ही अधिकार है जितना आपको और मुझे

जूलियो रिबैरो

10 साल पहले मैं भूमिहीन मजदूर के बेटे से मिलने गया था, जिसे मेरे नाना-नानी की गोवा के गांव में जमीन पर एक छोटा सा प्लॉट आबंटित किया गया था। लड़के ने दुबई में नौकरी कर ली थी, अच्छी खासे दिरहम कमाये थे, वापस आकर अपने रहने के स्थान के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली मिट्टी की झोंपड़ी की जगह एक अच्छा घर बनाया था।

भारतीय पुलिस सेवा में 36 साल बिताने के बाद, उसके बाद रोमानिया में हमारे देश के राजदूत के रूप में 4 साल बिताने के बाद मैं अपने शहर मुंबई लौट आया, जहां मेरा जन्म हुआ था और जहां मेरे पिता के पूर्वज 19वीं सदी के पहले भाग में बस गये थे। मैंने अपनी पत्नी की इच्छा को स्वीकार करते हुए हमारे स्थायी घर में बसने का फैसला किया और उन प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया, जिसके लिए मुझे शहर से बाहर जाना पड़ता। बुखारेस्ट से लिस्बन होते हुए लंबी यात्रा के बाद विमान से उतरने के बाद भी मेरा पहला विचार, मेरे स्थायी निवास के पीछे पुलिस लाइन में रहने वाले कांस्टेबल के लिए काम करना था।

पुलिस लाइन में एक बार जाने पर मुझे इस तथ्य का अहसास हुआ कि शराब की लत, पत्नी को पीटना और बच्चों का अनियंत्रित रूप से भागना-फिरना जैसी चिरस्थायी समस्याएं अतीत की बात हो गयी थीं। कांस्टेबल बहुत अधिक शिक्षित थे और केवल स्नातक ही भर्ती हो पाते थे। एक अर्थ में यह निजी क्षेत्र में वेतन वाली नौकरियों की कमी या औद्योगिक घरानों द्वारा जूनियर स्तर पर भी आवश्यक कौशल की कमी को दर्शाता है। एक और प्रमुख विचार था, जिसने पुलिसकर्मियों के बच्चों को अपने पिता के पेशे को अपनाने के लिए प्रेरित किया। वह विचार था उन पुरुषों को आश्वस्त करने की आवश्यकता का जो सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले थे।

सभी महिलाएं नौकरीपेशा नहीं हैं, लेकिन जो हैं, उन्होंने अपने जीवन स्तर और परिवार के सामाजिक दृष्टिकोण पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है।

यदि बेटे और अब जबकि अधिक महिलाओं को बल में भर्ती किया जा रहा है, बेटियां, प्रतियोगिता से बचने में कामयाब हो जाती हैं, तो प्रचलित नीति के अनुसार पैतृक खोली नये प्रवेशकर्ता को आबंटित की जायेगी। इसका मतलब यह होगा कि पापा अपने गांव में वापस जाने की बजाय बड़े शहर में रहना जारी रखेंगे, जहां उनके भाई-बहन और उनके परिवार पहले से ही बसे हुए थे।

सभी महिलाएं नौकरीपेशा नहीं हैं, लेकिन जो हैं, उन्होंने अपने जीवन स्तर और परिवार के सामाजिक दृष्टिकोण पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है। वे अपनी संतानों की संख्या सीमित रखती हैं और अपने इकलौते बच्चे या 2 बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में भेजती हैं। ऐसे स्कूलों की चाहत होती है। एक समय, लगभग एक दशक पहले, मुझे कुछ उत्सुक अभिभावकों ने अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों के प्रधानाचार्यों से पुलिस के बच्चों को अपने संस्थानों में दाखिला दिलाने की विनती करने को कहा था। कई प्रधानाचार्यों ने उनकी बात मान ली। आइपीएस में मेरे सहकर्मी, शिवानंदन, जब ठाणे पुलिस के आयुक्त के रूप में तैनात थे, तो उन्होंने उस शहर में पुलिसकर्मियों के बच्चों की देखभाल के लिए पुलिस लाइन में एक स्कूल खोला था। जब वे पुलिस आयुक्त के रूप में मुंबई चले गये, तो मैंने उनसे यहां भी यही काम दोहराने का अनुरोध किया।

इस साल 1 जनवरी को मेरे पिछले पीएसओ (निजी सुरक्षा अधिकारी) राहुल लक्ष्मण भोज और उनकी पत्नी मुझे नए साल की बधाई देने के लिए आये। वे अपने साथ अपनी इकलौती बेटी, एक लड़की को भी लाये थे। उनकी पत्नी, स्वाति, एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, जो शायद मां बनने से पहले राहुल से ज्यादा कमाती थीं और उन्हें काम से छुट्टी लेनी पड़ी। उनकी बेटी इरा, जो 7 साल की है और 8 साल की होने वाली है, स्पष्ट रूप से एक बहुत ही बुद्धिमान बच्ची थी, आत्मविश्वास से भरी हुई और जल्दी समझ जाने वाली। उसने मुझे बहुत प्रभावित किया। मुझे यकीन है कि मां द्वारा बच्चे को दिए जा रहे व्यक्तिगत ध्यान के साथ वह (इरा) परिवार, हमारे महाराष्ट्र राज्य और हमारे देश के लिए एक संपत्ति साबित होगी।

कार्तिक रमेश का बेटा है, जो कई सालों से उस इमारत के परिसर में झाड़ू लगाने का काम करता है, जहां सेवा में मेरे पूर्व सहकर्मी और मैं रहते हैं। उसका दाखिला एक अंग्रेजी माध्यम स्कूल में हुआ था, लेकिन उसे भाषा बोलने की क्षमता में बहुत सुधार की जरूरत थी। मैंने लड़के को मेरे साथ रोजाना मेरी इमारत के चारों ओर घूमने के लिए कहा और वह सिर्फ अंग्रेजी में बात करता था। उसका कौशल बेहतर हुआ। उसने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और स्नातक होने पर उसे इवेंट मैनेजर की नौकरी मिल गयी। 10 साल पहले मैं भूमिहीन मजदूर के बेटे से मिलने गया था, जिसे मेरे नाना-नानी की गोवा के गांव में जमीन पर एक छोटा सा प्लॉट आबंटित किया गया था। लड़के ने दुबई में नौकरी कर ली थी, अच्छी खासे दिरहम कमाये थे, वापस आकर अपने रहने के स्थान के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली मिट्टी की झोंपड़ी की जगह एक अच्छा घर बनाया था। उनकी 2 बेटियों ने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की थी, स्नातक की उपाधि प्राप्त की, मुंबई में लिपिक की नौकरी की, शादी की और अपने वंचित माता-पिता की तुलना में अपने लिए बेहतर जीवन बनाया।

5 साल पहले जब मेरी फीमर की हड्डी टूट गयी थी और उसे ठीक करने के लिए सर्जरी करवानी पड़ी थी, तब प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ फारुख उदवाड़िया ने मुझे चेतावनी दी थी कि अगर मैं फिर से गिर गया तो इसके और भी बुरे परिणाम होंगे। मैंने बिहार के एक लड़के को काम पर रखा, ताकि मैं गिर न जाऊं। उसने मुझे बताया कि वह महादलित है। मैंने महाराष्ट्र में ऐसी किसी श्रेणी के बारे में नहीं सुना था। 5 महीने पहले वह आंखों में आंसू लिये मेरे पास आया, क्योंकि सरकार द्वारा संचालित गांव के मेडिकल क्लीनिक में उसके हाल ही में जन्मे बेटे के दिल में छेद पाया गया था।

प्रभारी डॉक्टर ने उससे कहा कि अगर वह चाहता है कि उसका बेटा जिंदा रहे तो उसे दिल्ली या बॉम्बे ले जाये। मेरे हिसाब से यह तथ्य कि अधिकारियों ने गांवों के एक समूह में मेडिकल यूनिट खोली है, एक बड़ी प्रगति थी। एक या 2 दशक पहले दिल में छेद का पता ही नहीं चलता! मां और बेटे के लिए मुंबई जाने की व्यवस्था की गयी। मेरे भतीजे, जो मुंबई के प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञों में से एक हैं, ने उस छोटे से इंसान की देखभाल की, जिसे जीने का उतना ही अधिकार है, जितना कि आप और मुझे।

(लेखक : पूर्व डीजीपी पंजाब एवं पूर्व आइपीएस अधिकारी हैं।)

कोल्हान की खबरें

पोटका विधायक ने रंकिनी मंदिर सौंदर्यीकरण का किया शिलान्यास

जमशेदपुर/ जादूगोड़ा (आजाद सिपाही)। पोटका विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थल रंकिनी मंदिर में लाखों की लागत से सौंदर्यीकरण कार्य का पोटका विधायक संजीव सरदार ने विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया। शुक्रवार को विधायक के द्वारा किये गये शिलान्यास परियोजना के तहत 24.95 लाख की लागत से 51 स्ट्रीट लाइट लगायी जायेगी। इससे मंदिर परिसर रात में भी जगमगायेगी। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए एक भव्य एवं दिव्य वातावरण का निर्माण होगा। मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा रँकिनी मंदिर के सौंदर्यीकरण से न केवल क्षेत्र की धार्मिक पहचान को बल मिलेगा,बल्कि यह श्रद्धालुओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा। साथ ही रात के समय मंदिर की भव्यता और भी बढ़ेगी। श्रद्धालु और पर्यटक यहां अधिक संख्या में आ सकेंगे। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख पुजारी अनिल सिंह, धीरेंद्र सिंह, तरुण महापात्र, रामेश्वर सिंह, दिनेश सरदार, मनोरंजन सिंह सहित सैकड़ों श्रद्धालु और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्वी सिंहभूम जिला कमेटी ने के. राजू का किया स्वागत

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू रांची एयरपोर्ट पहुंचे। शुक्रवार को उनका स्वागत के लिए पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में जिला पदाधिकारियों का एक समूह उपस्थित रहे। कांग्रेसियों ने सड़क मार्ग से जुलूस के रूप में प्रदेश प्रभारी को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय लेकर पहुंचे। जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में स्वागत समारोह के दौरान पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह, सभी विधायकगण व प्रदेश पदाधिकारी, पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से आनंद बिहारी दुबे, प्रदेश सचिव सामंता कुमार, राकेश तिवारी, एलबी सिंह, परितोष सिंह, प्रदेश महामंत्री परविंदर सिंह, युवा कांग्रेस के सनी सिंह, रंजीत झा, राजा ओझा,रंजन सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनकर सहित अन्य नेताओं ने बुके भेट कर प्रदेश प्रभारी का स्वागत और अभिनंदन किया। जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी के .राजू के आगमन से झारखंड में संगठन कार्यों में नई ऊर्जा व मजबूती मिलेगी। कार्यकर्ताओं में भी काफी उत्साह है। नए लोग कांग्रेस पार्टी से जुड़ेंगे और आने वाले समय में संगठन भी सशक्त होकर उभरेगी। ज्ञात हो कि प्रदेश प्रभारी के. राजू पांच दिवसीय दौरे पर झारखंड आये हैं। उन्होंने विभिन्न जिलों के पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे।

बांग्ला भाषा को झारखंड की प्रथम मातृभाषा में शामिल करने की मांग

आमरा बंगाली संस्था ने निकाली रैली

डीसी ऑफिस के समक्ष किया विरोध प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। आमरा बंगाली संस्था के बेनर तले सैंकड़ों बंगाली समाज के लोगों ने गाजा बाजा के साथ साकची सुबाष मैदान (आमबगान मैदान) से जुलूस निकालकर डीसी कार्यालय पहुचीं। शुक्रवार को संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने डीसी आफिस पहुंच कर बांग्ला भाषा को झारखंड राज्य की प्रथम मातृभाषा के रूप में शामिल करने की मांग को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। जुलूस के दौरान आमरा बंगाली संस्था के द्वारा ढोल नगाड़े और छउ नृत्य के माध्यम से बांग्ला भाषा को झारखंड के प्रथम मातृभाषा में शामिल करने का मांग करते हुए डीसी के नाम एक मांग पत्र सौंपा। मौके पर रेखा महतो ने कहा आज 21 फरवरी को मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में आमरा बंगाली के बैनर तले यह रैली निकाली गयी। हम झारखंड राज्य में बांग्ला भाषा को प्रथम राज्य भाषा के रूप में शामिल करने, स्कूलों में बांग्ला शिक्षक बहाली करने व पुस्तकें उपलब्ध कराने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग करते हैं। आगे उन्होंने आगे कहा कि झारखंड में 80 प्रतिशत लोग बांग्ला भाषा जानते हैं। लेकिन दुःख की बात है अब तक इसे राज्य की प्रमुख भाषा के रूप में मान्यता नहीं दी गयी। जबकि इस आंदोलन के दौरान अब तक पांच लोग अपनी जान दे चुके हैं। अगर सरकार हमारी मांगों को स्वीकार नहीं करती तो हम उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान संस्था ने डीसी कार्यालय में एक मांग पत्र भी सौंपा। जिसमें बांग्ला भाषा को राज्य की प्रमुख मातृभाषा के रूप में शामिल करने, बांग्ला माध्यम से शिक्षा की व्यवस्था करने, स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने की मांग की गयी। वही अमर बंगाली संस्था के द्वारा निकली रैली पूरे क्षेत्र का भ्रमण कर आम बागान मैदान में समाप्त हुई।

प्रस्तावित वकील संशोधन अधिनियम 2025 के प्रारूप को वकीलों ने जलाया

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। केंद्र सरकार के प्रस्तावित वकील संशोधन अधिनियम 2025 के प्रारूप की जिला व्यवहार न्यायालय परिसर में वकीलों ने शुक्रवार को सांकेतिक होली जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। वकीलों का मानना है यह संशोधन वकीलों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास है। विशेष रूप से धारा 35 ए के तहत जो संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत मिले अधिकारों को प्रभावित करता है। वकीलों का कहना है इस संशोधन से बार काउंसिल ऑफ इंडिया में सरकारी प्रतिनिधियों की नियुक्ति और वकीलों के निलंबन के अधिकार में बदलाव प्रस्तावित हैं। जो उनकी स्वायत्तता और अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। विरोध के दौरान प्रमुख अधिवक्ताओं में सुधीर कुमार पप्पू, सुशील जायसवाल, जेबी सिंह, मो. कासिम, टीएन ओझा, रामजीत पांडेय, राजू सिंह, विनीता सिंह, जयंतो डे, जेकेएम राजू, मो. जाहिद इकबाल, निशांत कुमार, नरेंद्र सिंह, राहुल राय, राहुल प्रसाद, बबीता जैन, कुलविंदर सिंह, श्रीकांत सिंह,सुनील महतो सहित अन्य शामिल रहे।

आदिवासी सुरक्षा परिषद ने दिया धरना

पूजा स्थल को नष्ट करने और सरना झंडा उखाड़ने वाले दोषियों पर कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। आदिवासी सुरक्षा परिषद जमशेदपुर महानगर के द्वारा टेल्को थाना परिसर के बाहर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन एक संवैधानिक तरीके से किया गया। मौके पर आदिवासी पूजा स्थान पर बनी झोपड़ी को उजाड़ने, पूजा स्थल को नष्ट करने और सरना झंडा उखाड़ फेंकने वाले दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग को लेकर थाना प्रभारी को एक मांग पत्र सौंपा गया। केंद्रीय अध्यक्ष रमेश हांसदा ने कहा आदिवासी समाज अब जाग चुका है। हम अपनी आस्था को ठेस पहुंचाने वालों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम सभी सामाजिक तत्वों से आग्रह करते हैं वे होशियार रहें। महानगर के जिला अध्यक्ष राम सिंह मुंडा ने कहा शांतिपूर्ण तरीके से अपना जीवन यापन करना चाहते हैं। लेकिन यदि कोई उकसाने का काम करता है तो इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर हमें क्रांति करनी पड़ी तो पीछे नहीं हटेंगे। वही भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश बास्के ने आरोप लगाया झामुमो सरकार सत्ता हासिल करने वाले आदिवासी समाज के लोगों को ही प्रताड़ित कर रहे हैं। यह अन्याय नहीं सहा जाएगा।उन्होंने कहा राम सिंह मुंडा के अथक प्रयासों से आदिवासी कला सांस्कृतिक भवन निर्माण के लिए टाटा स्टील के भूमि विभाग ने जमीन उपलब्ध करायी है। लेकिन कुछ भू माफिया इस जमीन पर अवैध कब्जा करने की योजना बना रहे हैं। जिसका विरोध किया जायेगा। मौके पर आदिवासी सुरक्षा परिषद केंद्रीय अध्यक्ष रमेश हांसदा,अध्यक्ष राम सिंह मुंडा, प्रकाश सांडील,रुद्रों मुंडा, बबलू करुआ, राम मुखी, जनता सरदार, गौतम,शोभा रानी कच्छप, कार्तिक लकड़ा, संतोष सांडील, फिलिप तिर्की, गणेश मुंडा, अजय सिंह, धन सिंह मुंडा, किशोर महतो सहित अन्य शामिल रहे।

धोखाधड़ी मामले में बैंक कर्मी को तीन वर्ष के कारावास की सजा

सरायकेला (आजाद सिपाही)। एसडीजेएम आशीष अग्रवाल की अदालत ने 2014 में दर्ज एक धोखाधड़ी के मामले में बैंक कर्मी गौतम रॉय को तीन वर्ष के कारावास और पांच हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनायी। यह मामला आदित्यपुर निवासी संदीप अग्रवाल द्वारा दायर परिवाद पर आधारित है। जिसमें आरोप लगाया गया था बैंक ने बिना पूर्व सूचना के उनके फ्लैट की नीलामी कर दी, जो कि धोखाधड़ी है। अदालत ने सुनवाई के दौरान आरोपों को सत्य पाते हुए गौतम रॉय को दोषी करार दिया और उक्त सजा सुनायी।

अखिल भारतीय ब्रह्मर्षि समाज का वार्षिक वन भोज सह मिलन समारोह कल

आदित्यपुर (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय ब्रह्मर्षि समाज सरायकेला खरसावां का वार्षिक वन भोज सह मिलन समारोह 23 फरवरी को जयप्रकाश उद्यान आदित्यपुर में किया जायेगा। वन भोज सह मिलन समारोह में मुख्य अथिति केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, राज्यसभा सांसद व बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, झारखंड भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रविंद्र राय,चतरा सांसद कालीचरण सिंह,सारठ विधायक उदय शंकर सिंह व झारखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित समाज के 15 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने का अनुमान है। शुक्रवार को अखिल भारतीय ब्रह्मर्षि समाज सरायकेला खरसावां के जिला अध्यक्ष कर्नल आरपी सिंह ने बताया आयोजन का उद्देश्य सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देना और समाज के उत्थान में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करना है। मुख्य संरक्षक भाजपा नेता शैलेंद्र सिंह ने बताया इस अवसर पर समाज के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी। उन्होंने समाज के सभी लोगों से आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। मौके पर संरक्षक उपेंद्र शर्मा, पूर्व अध्यक्ष रमन ठाकुर, महासचिव अशोक सिंह, पूर्व अध्यक्ष प्रमोद राय, नरेंद्र चौधरी, अवनी सिंह, वीरेंद्र तिवारी, आदित्यपुर मंडल अध्यक्ष संजीव सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमरनाथ ठाकुर, अनिल तिवारी, गम्हरिया मंडल अध्यक्ष रामप्रवेश चौधरी सहित कई अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

गढ़वा के घघरी में सीएसपी संचालक ने वृद्धा के खाते से उड़ाये 67.5 हजार

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा। प्रखंड के घघरी गांव में एक सीएसपी संचालक ने वृद्धा के खाते से 89 हजार रुपये उड़ा लिये हैं। उक्त महिला ने स्टेट बैंक की श्री बंशीधरनगर शाखा के प्रबंधक को आवेदन देकर इसकी शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

पहले भी लग चुका है आरोप

संतोष कुमार यादव के खिलाफ इससे पहले भी छात्रवृत्ति और अन्य विभागों की रकम की हेराफेरी करने का आरोप लग चुका है। आरोप लगने के बावजूद बैंक द्वारा उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गयी है।

क्या है पूरा मामला

भुक्तभोगी महिला का नाम मोहरी देवी है। उनके पति का नाम शिवनाथ राम था। उनका निधन हो चुका है। घघरी गांव में स्टेट बैंक का सीएसपी, यानी उपभोक्ता सेवा केंद्र है। इसका संचालन संतोष कुमार यादव करता है। दलित समुदाय से आनेवाली महिला ने अपने आवेदन में कहा है कि उनके पति का स्टेट बैंक में खाता (34219829370) है। इसमें 89 हजार रुपये जमा थे। पति के निधन के बाद महिला ने उक्त रकम को अपने खाते (34219829370) में ट्रांसफर कराने के लिए संतोष कुमार यादव से संपर्क किया। संतोष ने मृत्यु प्रमाण पत्र मांगा। तमाम औपचारिकताएं पूरी करने के बाद 89 हजार रुपये महिला का खाते में ट्रांसफर हो गये। इसके बाद पिछले साल 23 जनवरी को महिला अपने खाते से रकम निकालने के लिए सीएसपी गयी। वहां संतोष ने तीन अलग-अलग कागज पर अंगूठा का निशान लगवाया और कुल साढ़े तीन हजार रुपये दिये। इसके बाद दूसरी बार 10 हजार और तीसरी बार आठ हजार रुपये दिये गये। इसके बाद संतोष ने कहा कि खाते में पैसा नहीं है। तब महिला ने ग्रामीणों की मदद से अपने खाते का स्टेटमेंट निकलवाया। इसमें पता चला कि अलग-अलग तारीखों पर बाकी 67.50 हजार रुपये की निकासी कर ली गयी है।

मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा में अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई: उपायुक्त

उपायुक्त ने आमलोगों से कहा कि अफवाह की सूचना तत्काल प्रशासन को देकर जिम्मेवार नागरिक होने का कर्तव्य निभाएं

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर ने बताया कि झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक), रांची द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2025 का संचालन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गढ़वा जिला में पूरी सतर्कता के साथ संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया में कुछ अफवाह फैलाने का मामला जिला प्रशासन के संज्ञान में आया है, साइबर सेल और प्रशासनिक पदाधिकारी द्वारा जांच कर कार्रवाई की गयी है। जैक से प्राप्त प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका को कोषागार एवं संबंधित बैंक के बज्रगृह में सुरक्षित रखा गया है। बज्रगृह में 24*7 सीसीटीवी सहित सुरक्षा बल प्रतिनियुक्त रहते हैं। परीक्षा की तिथि को निर्धारित विषय का प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका गश्तीदल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के द्वारा विडियोग्राफी/सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में केंद्राधीक्षक को उपलब्ध कराया जाता है। पुनः परीक्षा समाप्ति के उपरांत गश्तीदल दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी के द्वारा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका कोषागार, गढ़वा के बज्रगृह में सुरक्षित रखा जाता है। जैक के पदाधिकारी/कर्मी सुरक्षा के साथ ले जाते है। उपायुक्त जमुआर ने बताया कि गढ़वा जिला में साइबर सेल नियमित रूप से कार्यशील है, सोशल मीडिया पर पूरी तरह से नजर बनाए हुए है। साइबर सेल गढ़वा के कंट्रोल रूम का संपर्क नम्बर 7643984021 है। साथ ही झारखंड अधिविद्य परीक्षा नियमावली में निहित प्रावधान के तहत भी कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

भंडरिया में स्वास्थ्य जांच के लिए कैंप का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरिया। भंडरिया रेफरल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार के आदेसा अनुसार गुरुवार को हाइड्रोसील कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टर तरुण कुमार के टीम के द्वारा प्रखंड के विभिन्न गांव से पांच मरीज का सफल हाइड्रोसील ऑपरेशन किया गया। भंडरिया प्रखंड को फलेरिया मुक्त बनाने के लिए एमटीएस एमपीडब्ल्यू, स्वास्थ्य कर्मी नुकूड नाटक दिखाकर एवं सहिया के सहयोग से 12 हाइड्रोसील मरीजों का लाइन लिस्टिंग किया गया था। जिसमें सात हाइड्रोसील मरीज का जांच के दौरान हर्निया और अन्य कारन से ऑपरेशन नहीं किया गया। जांच में सही पाये गये मरीजों का सफलतापूर्वक हाइड्रोसील का ऑपरेशन किया गया।

हाइड्रोसील मरीज ने बताया कि हमें बीमारी लंबे समय से था गरीबी और पैसा के अभाव में हम बाहर जाकर इलाज नहीं करा पा रहे थे। यहां कैंप लगने से हम लोग को काफी सुविधा मिली है। इस मौके पर पिरामल फाउंडेशन से शिल्पा सिंह, जहीर अंसारी, जयश्री देशमुख, डॉ इमरान खान, एमटीएस संतोष टोप्पो, एमपीडब्ल्यू शीतल, पवन तिर्की, अभिराम कच्छप, सीएचओ दीपक नारोलिया, सिकंदर कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

जीएन कॉन्वेंट स्कूल में मातृभाषा दिवस मनाया

अपनी मातृभाषा को समृद्ध करने की जरूरतः एमपी केसरी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। स्थानीय जीएन कॉन्वेंट(10+2) स्कूल के सभागार में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक सह शिक्षाविद मदन केशरी औ? उपप्राचार्य बसंत ठाकुर के द्वारा सम्मिलित रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में निदेशक ने कहा कि यह दिवस आमतौर पर हर साल 21 फरवरी को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य लुप्तप्रायः भाषाओं के संरक्षण के माध्यम से भाषाई विविधता को बढ़ावा देना है।यह दिन सांस्कृतिक पहचान और संचार को निर्धारित करने में मातृभाषाओं के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। भाषा मानव जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से ही एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के साथ अपने विचारों का आदान-प्रदान करता है। दुनिया भर के कई देशों, राज्यों,कस्बों और क्षेत्रों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती हैं। कहीं धार्मिक भाषा का अंदाज अलग है तो कहीं बातचीत का लहजा अलग है। इसके बावजूद हर भाषा लोगों से संवाद स्थापित करने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। भाषा वह डोर है जो सभी को एक साथ बांधती है दुनिया भर में अलग-अलग जातियां, धर्म और संप्रदायों और अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग भाषाएं बोली जाती हैं। इन मतभेदों के पीछे एकता और समानता है जो सभी को एक साथ बांधती है। भाषा व दर्पण है जिसमें व्यक्ति की संस्कृति और सभ्यता झलकती है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस सांस्कृतिक विविधता और विभिन्न भाषाओं के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है ताकि लोगों में न केवल अपनी और दूसरों की भाषाओं के प्रति प्रेम विकसित हो बल्कि विभिन्न मातृ भाषाओं के बारे में भी ज्ञान प्राप्त हो सके। विभिन्न भाषाएं विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ती हैं जिससे संचार करने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास होता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में और शिक्षक खुर्शीद आलम,वीरेंद्र शाह,कृष्ण कुमार, विकास कुमार,नीरा शर्मा, नीलम कुमारी, सुनीता कुमारी, रागिनी कुमारी, शिवानी गुप्ता, ऋषभ ,पूजा , संतोष प्रसाद आदि की भूमिका सराहनीय रही।मंच का संचालन उपप्राचार्य बसन्त ठाकुर जबकि धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ शिक्षक सन्तोष ने किया।

खजूरी में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ के लिए हुई बैठक, कलश वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। मझिआंव नगर पंचायत के वार्ड नंबर 12 स्थित खजूरी गांव के शिव मंदिर परिसर में 24 फरवरी से 27 फरवरी तक आयोजित नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ को सफल बनाने के लिए बैठक की गयी। इसकी अध्यक्षता गायत्री परिवार के प्रखंड संयोजक नागेंद्र सिंह द्वारा की गयी। बैठक की शुरूआत गायत्री महामंत्र के उच्चारण के साथ की गयी और महायज्ञ को सफल बनाने के लिए कई विभागों के प्रभारी का चयन किया गया। जिसमें गायत्री महायज्ञ के दौरान शिव मंदिर में होने वाले रुद्राभिषेक की जिम्मेवारी यज्ञ के अध्यक्ष गुड्डू उर्फ रमेश विश्वकर्मा, रामायण शर्मा और शैलेंद्र शर्मा को दी गयी, जबकि पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष भरत कुशवाहा, उपेंद्र मेहता एवं मनोरंजन मेहता को हवन कुंड एवं कलश यात्रा का प्रभार सौपा गया। यज्ञशाला का प्रभार देवधारी महतो एवं उपेंद्र मेहता को दिया गया। इस संबंध में कार्यक्रम का संचालन कर रहे अशोक शाह ने बताया की गायत्री महायज्ञ में खजूरी गांव के सभी लोगों का सक्रीय सहयोग मिल रहा है। बैठक के अंत में 24 फरवरी को होने वाले कलश यात्रा के लिए निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा देवी द्वारा कलश वितरण की सुरुआत की गयी।

बैठक में उपस्थित अतिथि और श्रद्धालु

शांतिकुंज हरिद्वार केंद्रीय टोली के सदस्य अच्युतानंद तिवारी युवा मंडल के गढ़वा जिला संयोजक वीरेंद्र सोनी, शिक्षक शिव प्रसाद, अशोक चौरसिया, बेचन राम, अशोक विश्वकर्मा, विश्वनाथ शर्मा, रमेश विश्वकर्मा, निशांत कुमार सिंह, अखिलेश विश्वकर्मा, बंशीधर मेहता, विष्णु देव प्रजापति, देव मुनि विश्वकर्मा, हरिहर शाह, नरेश महतो,सहित खजूरी, बीरबंधा आमर, लकड़ही, बकोइया और मझिआंव के लोग उपस्थित थे।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय कांडी में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए नामांकन प्रक्रिया पर बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कांडी में शुक्रवार को विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता प्रबंधन समिति की अध्यक्ष सूर्यवंती देवी ने की, जिसमें विद्यालय से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गयी। बैठक में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए कक्षा छह में 75 छात्राओं के नामांकन को लेकर निर्णय लिया गया। इसमें विभिन्न वर्गों से नामांकन होंगे, जैसे एसटी से एक, एससी से 20, ओबीसी से 31, माइनॉरिटी से चार और बीपीएल धारक से 19 छात्राओं का नामांकन होगा। इसके अलावा, कक्षा सात में 40, कक्षा 8 में 62 और कक्षा 9 में 21 रिक्त पदों पर भी नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जायेगी।

विद्यालय प्रबंधन समिति, वार्डेन और अन्य सदस्यों द्वारा पोषक क्षेत्रों में डोर-टू-डोर जाकर अभिभावकों से मिलकर नामांकन के लिए प्रेरित किया जायेगा। बैठक में प्रखंड प्रमुख नारायण यादव, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी वीरेंद्र प्रसाद, प्रखंड कृषि पदाधिकारी शाहिद अंसारी, जिला पार्षद सदस्य प्रतिनिधि दिनेश कुमार, वार्डेन आर ऊषा कुमारी, अखिल विद्यार्थी परिषद के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रिंस कुमार सिंह सहित विद्यालय के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

अभिजीत गौतम ने भंडरिया थाना प्रभारी का पदभार संभाला

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरिया। भंडरिया के नये थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अभिजीत गौतम ने भंडरिया थाने में लिया पदभार। पदभार ग्रहण कर पत्रकार वार्ता करते हुए उन्होंने बताया कि क्षेत्र को भयमुक्त वातावरण बनाते हुए प्रशासन और पब्लिक के बीच समन्वय स्थापित करना पहली प्राथमिकता रहेगी। थाना क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि बेझिझक किसी भी समस्या को लेकर लोग थाने पहुंचे, हर संभव पुलिस के द्वारा समस्याओं का समाधान किया जायेगा। बिचौलिया के चक्कर में पढ़ने की जरूरत नहीं है।

भाजपा किसान मोर्चा ने सरकार पर लगाया आरोप, पेपर लीक मामले की सीबीआइ जांच की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य रामलाला दुबे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है, खासकर शिक्षा विभाग में अनदेखी के कारण झारखंड को शर्मसार किया जा रहा है। दुबे ने विशेष रूप से जेपीएससी, जेएसएससी और अब राज्य बोर्ड की परीक्षा में पेपर लीक के मामलों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सरकार की उदासीनता के कारण पेपर लीक गैंग का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश को शर्मसार कर रही है। दुबे ने मांग की कि इस पूरे मामले की जांच सीबीआइ से कराई जाये, ताकि दोषियों को सजा मिले। उन्होंने कहा कि इस पेपर लीक के कारण छात्रों और अभिभावकों का बड़ा आर्थिक, शारीरिक और मानसिक नुकसान हुआ है। साथ ही, इसका असर राज्य के विकास पर भी पड़ रहा है, जहां शिक्षा और रोजगार की स्थिति बेहद चिंताजनक है।

सामूहिक विवाह आयोजित करने वाली संस्था से एसडीओ ने मांगा स्पष्टीकरण

डीजे बजाने और यातायात अवरूद्ध करने का मामला होगा दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा में आयोजित हुई सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम के लिए अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा दी गई शर्तों का उल्लंघन करने के आरोप के क्रम में आयोजक संस्था के सचिव को एसडीओ ने नोटिस जारी कर दो दिनों में स्पष्टीकरण पूछा है, संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं होने पर संस्था के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जायेगी। उल्लेखनीय है कि 251 कन्याओं के सामूहिक विवाह आयोजन की अनुमति अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा इस शर्त के अनुसार दी गई थी कि आयोजक इस आयोजन में डीजे का उपयोग नहीं करेंगे साथ ही आवागमन बाधित नहीं करेंगे, जबकि दंडाधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुरूप संस्था ने उक्त दोनों शर्तों का स्पष्टत उल्लंघन किया है।

इग्नू में नामांकन अब 28 फरवरी तक

गढ़वा(आजाद सिपाही)। इग्नु (इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय) के वर्तमान जनवरी सत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन की तिथि का विस्तार 28 फरवरी तक कर दिया गया है। उक्त जानकारी सूरत पांडेय डिग्री कॉलेज इग्नु अध्ययन केन्द्र के समंवयक प्रो अर्जुन प्रसाद ने देते हुए बताया कि इस केंद्र में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम बीए, बीकॉम, पीजीडीआरडी के साथ-साथ एमए, हिंदी, इतिहास, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र में ऑनलाईन मोड मे शिक्षार्थी अब विस्तारित तिथि में 28 फरवरी तक नामांकन ले सकते हैं। उन्होने बताया कि विस्तृत जानकारी के लिए इग्नु अध्ययन केन्द्र से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

नगर पंचायत में 108 वर्षीय बुजुर्ग का निधन

मझिआंव (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र के बस स्टैंड निवासी कुंवर साह का 108 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। कुंवर साह मझिआंव प्रखंड के राशन डीलर के साथ साथ सबसे पुराने बुजुर्ग भी थे। उनकी मृत्यु गुरुवार को रात्रि लगभग 10.30 में हुई। जिसके बाद परिजनों द्वारा आनन फानन में उन्हें रेफरल अस्पताल मझिआंव ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

विद्यालय के वार्डन और सहयोगियों के साथ नामांकन के लिए चलाया अभियान

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय भवनाथपुर में नामांकन के लिए विद्यालय परिवार की द्वारा पोषक क्षेत्र में डोर टू डोर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। बीते एक सप्ताह से विद्यालय के वार्डन कविता कुमारी एकाउंटेंट विनय कुमार गुप्ता अन्य सहयोगियों के साथ संपर्क अभियान के तहत अभिभावकों से मिल कक्षा छह में बच्चियों के नामांकन के लिए उन्हे प्रेरित कर रहे है। वार्डन ने बताया नामांकन के लिए आवेदन स्वीकार किया जा रहा है। इसके लिए अधिक से अधिक संख्या में आवेदन दें। यहां कक्षा छह में 75 छात्राओं के साथ अन्य कक्षाओं के रिक्त कोटे मे नामांकन लिया जाना है। इसके लिए कुछ मानक भी तय किये गये हैं, जैसे विद्यालय में नामांकन के लिए बालिका का अनाथ होना, अभी वंचित वर्ग से होना, विद्यालय से क्षिजित होना, दिव्यांग होना, आर्थिक रूप से पिछड़ा होना आदि शामिल है। नामांकन प्रपत्र यथाशीघ्र विद्यालय में जमा करना है। प्राप्त आवेदन की जांच करते हुए प्राथमिकता के आधार पर नामांकन किया जायेगा।

घरों में ताला तोड़कर जेवर चोरी करनेवाले और जेवर खरीदने वाले छह अभियुक्त पुलिस के हत्थे चढ़े

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। कुछ महीने पहले से गढ़वा थाना क्षेत्र में चोरी और रात्रि में गृह भेदन की घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही थी। उक्त चोरी एवं गृह भेदन की घटना में शामिल तीन अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक दीपक पांडेय ने बताया कि चोरी किये गये सामानों की बरामदगी के लिए उनके द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गढ़वा के नेतृत्व में एक दल का गठन किया गया। कांडों के अनुसंधान और छापामारी के क्रम में छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं बल के द्वारा चिनिया रोड स्थित नहर चौक के पास छिपकर रेकी की गयी। तभी रात करीब 12 से 1:00 बजे के बीच तीन संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पकड़े गये व्यक्तियों के नाम पता पूछने पर पता चला कि एक दिलकश रोशन उम्र 21 वर्ष पिता हिंदू तुला अंसारी डाला कला निवासी, दूसरा सतीश कुमार विश्वकर्मा उम्र 26 वर्ष पिता रामेश्वर विश्वकर्मा मायापुर निवासी और तीसरा लाल बाबूराम उम्र 35 वर्ष पिता नरेश राम रहेला कला निवासी वार्ड नंबर 2 सभी थाना रेहला जिला पलामू के बताये गये। पकड़े गये व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उन लोगों ने बताया कि गढ़वा थाना अंतर्गत अशोक विहार, जोबरैया, कल्याणपुर सहित पिपरा खुर्द, चेतना में तथा गढ़वा थाना एवं मझिआंव, मेराल और डालटेनगंज सदर क्षेत्र में चोरी की घटना को ये गिरफ्तार अभियुक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया करते थे। उक्त पकड़े गये व्यक्तियों के निशानदेही के आधार पर अन्य तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस प्रकार छह अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी है।

जो चोरी के आभूषण खरीदा करते थे। एसपी नेबताया कि उनके पास से घरों से चोरी किये गये सोने एवं चांदी के आभूषण और 42,490 रुपये बरामद की गयी। पूछ-ताछ के क्रम में गिरफ्तार लोगों ने बताया कि उन लोगों दिन में घर दिन में घूम-घूम कर घरों की रेकी करते हैं और जिस घर में बाहर से ताला लगा हुआ पाते थे। उस घर में रात में ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देते थे। चोरी किये गये सोना चांदी को वे लोग विश्रामपुर के रहने वाले सुंदर मुकेश सोनी, गढ़वा के कृष्णा सोनी, टंडवा के जनकपुर मोहल्ला के रहने वाले सुशील सोनी और पिंटू सोनी एवं उपेंद्र सोनी जो बिहार का रहने वाला है को बेच दिया दिया करते थे। बेचने के बाद जो रुपये उन लोगों को मिलता वे लोग बराबर बराबर बांट लेते थे। इन सभी का पूर्व में आपराधिक इतिहास भी पाया गया है। एसपी ने बताया कि इनके पास से काफी संख्या में सोने चांदी के आभूषण बरामद किये गये हैं। एसपी ने बताया कि मुकेश कुमार सोनी, सुनील सोनी उर्फ पिंटू सोनी तथा कृष्ण सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 22 फरवरी, 2025
www.azadsipahi.in
08

पेपर लीक के खिलाफ विद्यार्थी परिषद ने फूंका राज्य सरकार का पुतला

खूंटी (आजाद सिपाही)। दसवीं बोर्ड़ परीक्षा के हिंदी और विज्ञान के पेपर लीक के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद खूंटी ने शुक्रवार को जिला संयोजक प्रकाश टूटी के नेतृत्व में राज्य सरकार का पुतला दहन किया। इसके पूर्व छात्रों ने सरकार के विरोध में नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। छात्रों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। एबीवीपी का कहना है कि पेपर लीक होने से छात्रों का भविष्य अधर में है और सरकार इस मामले में गंभीर नहीं है। जिला संयोजक प्रकाश टूटी ने कहा कि ष्यह सरकार छात्रों के साथ खिलवाड़ कर रही है। पेपर लीक होने से छात्रों की मेहनत पर पानी फिर गया है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी छात्रों के हितों के लिए हमेशा संघर्ष करती रहेगी और सरकार की छात्र विरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। मौके पर अशोक टूटी, रोशन ठाकुर, अनुराज, दुर्गा, कुंदन, राज, अमन, प्रवण, मधुवा और कुशल अदि, मौजूद थे।

किसानों और गरीबों के हित में काम कर रही है हेमंत सरकार : सुदीप गुड़िया

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार किसानों और गरीबों के हित में लगतार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हं। विधायक सुदीप गुड़िया जिला बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष जुबैर अहमद ने शुक्रवार को तोरपा प्रखंड के उड़ीकेल, जरिया और कमड़ा में बनने वाले 100 मिट्रिक टन क्षमता के गोदाम सह मार्केटिंग सेंटर का शिलान्यास करने के बाद विचार व्यक्त कर रहे थे। कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा समेकित सहकारिता परियोजना के तहत गोदाम सह मार्केटिंग सेंटर का निर्माण कराया जा रहा है। सुदीप गुड़िया ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को मजबूत बनाने के लिए कृत संकल्पित है। जनता को जब भी जरूरत हो हम हाजिर रहेंगे। 24 घंटे जनता की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे। कार्यक्रम को जुबैर अहमद ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिप सदस्य सुशांति कोनगाडी और धन्यवाद ज्ञापन उड़ीकेल पंचायत के मुखिया राफेल कोनगाडी ने किया। मौके पर जरिया पंचायत की मुखिया विमला डोडराय, कमड़ा पंचायत की मुखिया दीप्ती गुड़िया, पंचायत समिति सदस्य सनारती बुढ़, ग्राम प्रधान अमृत कोनगाडी सहित रुबेन तोपनो, अमृत हेमरोम, मोजीर अंसारी, मेलानी प्रभा होरो, असलम अंसारी आदि उपस्थित थे।

सहकारिता के माध्यम से स्वरोजगार के नये अवसर उत्पन्न होंगे: शिल्पा नेहा तिर्की

खूंटी (आजाद सिपाही)। कृषि पशुपालन और सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नये अवसर उत्पन्न किये जा सकते हैं। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए सहकारी समितियों को मजबूत करने पर जोर दिया। मंत्री ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट का जिक्र करते हुए खूंटी जिले में लाह की खेती को बड़े पैमाने पर उपजाने और इसे देश-विदेश तक पहुंचाने की बात कही। इसकें पूर्व उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर वृक्षारोपण किया औरं सहकारिता प्रशिक्षण केंद्र में बने प्रशिक्षण कक्ष, कंप्यूटर कक्ष आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री ने तोरपा एवं मुरहू प्रखंड में 500 मीट्रिक टन छमता वाले गोदाम निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा और तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद थे। विशेषज्ञों ने सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में आजीविका बढ़ाने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। मंत्री ने किसानों से अपील की कि वे प्रशिक्षण प्राप्त करें, जिसका फायदा उन्हें लाह की खेती में मिले और इसे बेच अच्छा मुनाफा कमा सकें। उन्होंने आने वाले समय में किसानों के लिए ट्रेड मार्केट जैसे कार्यक्रम के आयोजन की बात कही, जहां किसान अपने उत्पादों की बिक्री सीधे तौर पर कर पायेंगे। कार्यशाला में सिद्धकोफेड के निदेशक, सीइओ, सचिव, कंसल्टेंट समेत अन्य पदाधिकारी, कर्मी, और किसान उपस्थित थे।

बाइक से गिरकर दो सीसीएलकर्मी घायल

खलारी (आजाद सिपाही)। कुहासे के कारण रोहिणी परियोजना कार्यालय के समीप सड़क पर बाइक से गिरकर दो सीसीएल कर्मी घायल हो गये। घटना सुबह की बतायी जा रही है। पुरनाडीह कॉलोनी से सीसीएलकर्मी राघवेंद्र पासवान बाइक से रोहिणी परियोजना ड्यूटी के लिए जा रहे थे, कि कार्यालय के समीप कुहासे के कारण सड़क पर बाइक अनियंत्रित हो गया और वे गिरकर घायल हो गये। उन्हें कामगारो ने डकरा सेंट्रल अस्पताल ले गए जहां उनका इलाज किया जा रहा है। उन्हें कई जगह काफी चोट लगी है। वही दूसरी घटना में धमधमिया से धनेश्वर करमाली पुरनाडीह परियोजना ड्यूटी के लिए जा रहे थे कि कार्यालय के समीप बाइक अनियंत्रित होकर वे गिर पड़े। मिली जानकारी के अनुसार धनेश्वर को हल्की चोट लगी है स्थानीय चिकित्सक से इलाज करवाया।

अब्दुल्ला अंसारी ने परिवार की मदद की

खलारी (आजाद सिपाही)। मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी प्रखंड के अम्बाटोंगरी निवासी स्वर्गीय किशुन मुंडा के परिजनों को आर्थिक सहयोग किया। ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व अज्ञात बीमारी के कारण किशुन मुंडा की मौत हो गयी थी, जानकारी पर अब्दुल्ला परिजनों से मिलने गांव पहुंचे। अंसारी घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए परिजनों को आटा चावल और तेल दिया। मालूम हो कि स्वर्गीय किशुन मुंडा बहुत गरीब परिवार से था, उनके पास रहने के लिए पक्का घर भी नहीं है। अंसारी ने बीडीओ से बात कर आवास देने और विधवा पेंशन चालू करने के लिए आग्रह किया।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिल कर की थी हत्या, छह आरोपित गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जिले के चर्चित संदीप टोप्पो हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक की पत्नी खुशबू कुमारी, उसके प्रेमी प्रदीप कुजूर के अलावा पवन लकड़ा (आकाशी, पकरी टोली), रोनित कुजूर (आकाशी, पकरी टोली) सुमन सागर कुजूर (केंड़ेंग, चैनपुर गुमला) प्रिया कुमारी दीवान टोली, बसिया गुमला) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस आशय की जानकारी तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने शुक्रवार को कर्रा थाना परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसडीपीओ ने बताया कि 18 फरवरी को अज्ञात अपराधियो ने कर्रा-लोधमा रोड पर मलगो के पास एक युवक की हत्या कर शव को सड़क किनारे फेंक दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर तोरपा एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुरुवार को संदीप टोप्पो की पत्नी खुशबू कुमारी और अन्य पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितो की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त हथियार, मोबाइल फोन, जूता, इनोवा और वेर्ना कार, 25500 नकद सहित अन्य सामान बरामद किये हैं। पुलिस ने बताया कि प्रेम प्रसंग में संदीप टोप्पो की हत्या उसकी पत्नी खुशबू कुमारी ने ही अपने प्रेमी और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर की थी। बताया गया कि हत्या के बाद खुशबू कुमारी और उसका प्रेमी बाहर भागने की फिराक में थे। जानकारी के अनुसार खुशबू कुमारी कस्तूरबा आवासीय विद्यालय बिशुनपुर में व्यायाम की शिक्षिका है, जबकि उसका प्रेमी भी उसी विद्यालय में कार्यरत है। संदीप टोप्पो मूल रूप से रातू थाना क्षेत्र के सुडिल गांव का रहने वाला था। उसकी पत्नी खुशबू कुमारी की नौकरी के दौरान ही प्रदीप कुजूर से प्यार हो गया और दोनों ने मिलकर संदीप टोप्पो को रास्ते से हटाने की योजना बनायी।

कर्रा-रांची रोड में गला रेत कर संदीप की हुई थी हत्या

तय योजना के अनुसार खुशबू अपने पति को लेकर 18 फरवरी को बसिया से रातू के लिए निकली। संध्या लगभग सात से आठ बजे के बीच कर्रा थाना के मलगो के पास खुशबू के प्रेमी और उसके दोस्तों ने गाड़ी को रुकने का इशारा किया। जैसे ही संदीप टोप्पो गाड़ी से बाहर निकला, अपराधियों ने गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। कर्रा थाना की पुलिस के गश्ती दल ने सड़क किनारे से शव बरामद किया था। पुलिस को गुमराह करने के लिए खुशबू ने बताया था कि अपराधियों ने उसे दवा सुंघाकर बेहोश कर दिया था। मोबाइल फोन के लोकेशन के आधार पर पुलिस ने उसे ओरमांझी से बरामद किया था। पूछ-ताछ के बाद पुलिस ने उसे घर भेज दिया था। पुलिस टीम में एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा, पुलिस निरीक्षक तोरपा अंचल अशोक कुमार सिंह कर्रा थाना प्रभारी मनीष कुमार, जरियागढ़ थाना प्रभारी राजू कुमार, अनुसंधान कर्ता पुलिस अवर निरीक्षक जुगेश सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कांत, पुलिस अवर निरीक्षक निशा कुमारी आदि शामिल थे।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

खूंटी (आजाद सिपाही)। प्रखंड सभागार, अड़की में शुक्रवार को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी गणेश महतो ने की। कार्यक्रम में एमएसएमइ के सहायक निदेशक ज्योत्सना गुड़िया ने आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य परंपरागत कारीगरों और हस्तशिल्पियों को योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता के प्रति प्रेरित करना था। इसमें स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों पीएम विश्वकर्मा से जुड़े कारीगरों को योजना के लाभ, आवेदन प्रक्रिया और वित्तीय सहायता के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी। इस अवसर पर राज्य स्तरीय सीएससी के प्रतिनिधि शशि शुक्ला, सेंट्रल बैंक, अड़की के प्रबंधक गौरवांश, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड से जिला उद्यमी समन्वयक आतेन विश्वासी तोपनो, जिला प्रबंधक प्रभात कुमार, प्रखंड उद्यमी समन्वयक इम्मानुल मुंडा, आशीष वर्मा, संतोष कुमार सोनी, किरण लता भेंगरा, पंकज कुमार शर्मा मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड), पंचायत मुखिया, पंचायत सचिव तथा 60 से अधिक लाभुक आदि उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने अफीम की खेती को किया नष्ट

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बांधडीह गांव के ग्रामीणों ने एकजुट होकर जंगल के बीच 4 एकड़ से अधिक जमीन में लगे पोस्ते की खेती को नष्ट किया है। सोनाहातू थाना प्रभारी चंदन कुमार और बुंडू डीएसपी ओम प्रकाश के निर्देशानुसार लगातार गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को नशीली पदार्थ का खेती और सेवन से होने वाले बुराइयों की जानकारी लोगों के बीच दिये हैं। इसी क्रम में पंचायत के मुखिया, ग्राम प्रधान ओर ग्रामीणों के साथ बैठक कर अफीम से होने वाले नुकसान की जांच जानकारी लोगों को दिया। पुलिस के सक्रिय भूमिका से प्रभावित होकर ग्रामीण एकजुट होकर जंगल में लगे पोस्ते की खेती को नष्ट किया है। ग्रामीणों ने अपील किया है कि जिसने भी चोरी छुपे खेती कर रहे हुए समय रहते नष्ट करें नहीं तो ग्राम सभा में उन्हें दंडित करने का काम करेगा। पुलिस के पहल और ग्रामीणों के जागरूकता से गांव से पोस्ते की खेती को पूर्ण रूप से नष्ट किया गया है।

बुंडू कॉलेज में सोमवारी की याद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित, सड़क दुर्घटना में हुई थी मौत

बुंडू (आजाद सिपाही)। अड़की थाना क्षेत्र के खुटी तमाड़ पथ पर जारंगा सरना मोड़ के समीप गुरुवार की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में सशस्त्र सीमा बल की बस और बाइक में आमने-सामने टक्कर हो गयी। इस दुर्घटना में बाइक सवार युवक और युवती की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतकों की पहचान अड़की निवासी सोमवारी कुमारी (20) और जरंगा निवासी श्रीकांत लोहरा (22) के रूप में हुई है। इस हादसे के बाद आज बुंडू पीपीके कॉलेज में छात्र नेता सुरेंद्र कुमार लोहरा के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। इस दौरान महाविद्यालय छात्रसंघ परिवार की ओर से लिखित रूप में प्रशासन से सोमवारी कुमारी के परिवार को एक सरकारी नौकरी देने और श्रीकांत लोहरा के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की गयी। छात्र नेता सुरेंद्र कुमार लोहरा ने बताया कि दिवंगत छात्रा सोमवारी कुमारी एनसीसी से जुड़ी हुई थी, और एनएएसी कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थी, तभी यह हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि पूरा महाविद्यालय परिवार इस दुःखद घड़ी में मृतकों के परिवार के साथ खड़ा है।

पिपरवार के कल्याणपुर में प्रमुख रीना कुमारी ने नये प्रज्ञा केंद्र का किया उद्घाटन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। पिपरवार थाना क्षेत्र के कल्याणपुर बाजार चौक में नये प्रज्ञा केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित टंडवा प्रमुख रीना कुमारी ने नये प्रज्ञा केंद्र का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस संबंध मे टंडवा प्रखंड प्रमुख रीना कुमारी ने कहा कि कल्याणपुर में प्रज्ञा केंद्र की सुविधा उपलब्ध होने से पंचायत के लोगों को ऑन लाइन से सभी तरह के प्रमाण पत्र एंव कई तरह की सुविधा मिलेगी। जाति,स्थानीय,आय, आवासीय प्रमाण पत्र और पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, स्कालरशिप, जमीन रसीद, इ-मेल और सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्य किये जायेंगे। इस मौके समाजसेवी अरुण उरांव, सोनू गुप्ता,भोला पासवान,राज भोगता, शंकर विश्वकर्मा, संजय भोगता,रविंद्र उरांव, राहुल राम, सचिन पासवान, राघवेंद्र सिंह, कमलेश विश्वकर्मा, अनीता देवी, सौरभ कुमार, शिवम कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

अफीम खेत में काम कर रहे ग्राम प्रधान सहित चार लोग गिरफ्तार, 919 ग्राम अफीम बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। अफीम की खेती के खिलाफ खूंटी जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से शुक्रवार को अफीम के फल में चीरा लगाते एक ग्राम प्रधान सहित चार लोगों को मौके पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में अड़की थानांतर्गत ग्राम गुरबेड़ा के ग्राम प्रधान गुरुदयाल सिंह मुंडा (56 वर्ष) और गितिलबेड़ा गांव के ठेबा मुंडा (51 वर्ष) को अफीम के फल में चीरा लगाने के दौरान रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार ग्राम प्रधान की निशानदेही पर उसके द्वारा पुआल में छुपाकर रखे गए लगभग 919 ग्राम अवैध अफीम को बरामद किया गया। इनके अलावा खूंटी थाना क्षेत्र के ओंडरा गांव निवासी इमरान खान (31 वर्ष) तथा सायको थाना क्षेत्र के दुरूडीह गांव निवासी लाखा पाहन (38 वर्ष) को भी अफीम के खेत में काम करने के दौरान मौके पर गिरफ्तार किया गया। यह जानकारी खूंटी एसडीपीओ वरुण रजक ने शुक्रवार शाम अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी।

अब तक 11 हजार एकड़ से अधिक में लगी अफीम की खेती को किया गया नष्ट

एसडीपीओ ने बताया कि अफीम की खेती के खिलाफ जिला पुलिस द्वारा 11 दिसंबर से चलाए जा रहे अभियान के दौरान अब तक 11 हजार 50 एकड़ जमीन में लगी अफीम की खेती को ट्रैक्टर आदि संसाधनों के द्वारा नष्ट किया गया है। इनमें से 10200 एकड़ में लगी अफीम की फसल को पुलिस टीम द्वारा नष्ट किया गया है, वहीं 850 एकड़ में लगी अफीम की फसल को ग्रामीणों ने स्वयं से नष्ट किया है।

अबतक तीन ग्रामप्रधान समेत 83 लोग गिरफ्तार

एसडीपीओ ने बताया कि अवैध अफीम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान अब तक जिला के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 54 एफआइआर दर्ज किये गये हैं और तीन ग्राम प्रधान सहित 83 आरोपितों को अफीम के खेत में काम करने के दौरान गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार ग्राम प्रधानों में सायको थानांतर्गत ग्राम रोंगो के ग्राम प्रधान सिमोन नाग की गिरफ्तारी 11 जनवरी को हुई थी। इसके दो दिन बाद 13 जनवरी को अड़की थानांतर्गत बाड़ीनिजकेल के ग्राम प्रधान गुरुदेव नाग को अफीम की खेत में काम करने के दौरान गिरफ्तार किया गया था। वहीं आज अड़की थानांतर्गत गुरबेड़ा के ग्राम प्रधान गुरुदयाल सिंह मुंडा को अफीम के फल में चीरा लगाने के दौरान रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया और उसकी निशानदेही पर इस वर्ष पहली बार 919 ग्राम अवैध अफीम बरामद किया गया।

पुलिस ने अलग-अलग गावों 64 एकड़ अफीम की खेती को नष्ट किया

बुंडू (आजाद सिपाही)। पुलिस ने शुक्रवार को बुंडू थाना क्षेत्र के जोजोदा, लोटेहातु, जामगामी, गितिलडीह, चिरूडीह, लितिंगडीह और बानाबुरू गांव में लगभग 64 एकड़ भूमि पर अफीम की खेती को नष्ट किया गया। इस अभियान में बुंडू थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा, प्रेम प्रदीप कुमार, राहुल कुमार मेहता के अलावे जैप एवं सैप के जवान शामिल थे।

उत्कृष्ट कार्य करनेवाले 19 मुखिया को सम्मेलन में किया गया सम्मानित

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित मुखिया सम्मेलन में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 मुखिया को सम्मानित किया गया है। सोनाहातू पंचायत के मुखिया विकास सिंह मुंडा भी शिक्षा के क्षेत्र में पंचायत में कई महत्वपूर्ण कार्य किया है। उनकी सेवा के अवलोकन के बाद उन्हें उत्कृष्ट मुखिया का सम्मान मिला है। विकास सिंह मुंडा पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह मुंडा के पोता है और इंजीनियरिंग की पढ़ाई किये हुए हैं। स्कूल में पठन-पाठन की व्यवस्था को लेकर हमेशा सक्रिय रहते हैं। इधर राहे प्रखंड के नावाडीह पंचायत के मुखिया श्याम सिंह मुंडा को शिक्षा के क्षेत्र में पंचायत में उत्कृष्ट कार्य करने को लेकर सम्मानित किया गया है। दोनों मुखिया को रांची के डीसी ने प्रशस्ति पत्र और शॉल देकर सम्मानित किया है।

गांव-गांव में नशा के खिलाफ चलाया अभियान

अड़की (आजाद सिपाही)। अड़की प्रखंड क्षेत्र के सोसोकुटी गांव में खूटी उपायुक्त और एसपी के निर्देश के अनुसार गांव-गांव में नशा के खिलाफ जनजागृति अभियान चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले में उक्त गांव में ग्रामीणों की बैठक की गयी, जिसमें नशा छोड़ो जीवन से नाता जोड़ों का पाठ पढ़ाया गया। अवैध अफीम की खेती के दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया। इसमें मुख्य रूप से पुर्व जिला परिषद सदस्य अनुप साहू, गुरु पद मुंडा, अजमबर मुंडा, चैतन मुंडा, सुखलाल मुंडा, मनोज साहू, बाला मुंडा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टर को पुलिस ने किया जब्त

राहे (आजाद सिपाही)। राहे थाना क्षेत्र के अंतर्गत राडू नदी के किनारे अवैध बालू की ढुलाई की सूचना मिलने पर अंचल अधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टरों को जब्त किया। यह घटना तब सामने आई, जब अंचल अधिकारी एक गाड़ी के साथ मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर चालकों को देखा। जैसे ही ट्रैक्टर चालकों ने सीओ को अपनी ओर आते हुए देखा, वे मौके से गाड़ी छोड़कर फरार हो गये। अंचल अधिकारी ने कहा कि इस प्रकार की अवैध बालू ढुलाई पर कड़ी नजर रखी जा रही है, और ऐसे मामलों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

विभिन्न दलों के कार्यकर्ता झामुमो में शामिल

खूंटी (आजाद सिपाही)। झामुमो द्वारा तोरपा में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न दलों से कई लोगों ने झामुमो का दामन थाम लिया। झामुमो में शामिल होने वालों में पूर्व में झारखंड विकास मोर्चा में रहे विश गुड़िया, प्रमोद तोपनो, पॉवल डांग, दर्शन सांगा, विलियम तोपनो, सुजीत आईंद, युग गुड़िया इसरायल बारला, मंसूर आलम, इलियस गुड़िया आदि प्रमुख हैं। विधायक सुदीप गुड़िया और झामुमो खूंटी जिला के संयोजक प्रमुख जुबैर अहमद ने उनका पार्टी का पट्टा तथा माला पहनकर स्वागत किया। मौके पर सभी को पार्टी की सादस्यता रसीद काटकर दी गयी। इस अवसर विधायक ने कहा कि झामुमो की नीति और सिद्धांतो और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यों से प्रभावित होकर इन लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। मौके पर रूबेन तोपनो, अमृत हेमरोम, राहुल केशरी, देवनाथ माधैया, मोजीर अंसारी, फिरोज खान, जयदीप तोपनो आदि उपस्थित थे।

नहीं रहे समाजसेवी जगतपति साहू

खूंटी (आजाद सिपाही)। बिरसा कॉलेज खूंटी के खेल प्रभारी राज कुमार गुप्ता के पिता और वरिष्ठ सामजसेवी जगतपति साहू का शुक्रवार को तड़के उनके डाक बंगला रोड स्थित आवास पर निधन हो गया। वे 91 वर्ष के थे। तजना नदी मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। जगतपति साहू रेड क्रॉस सोसायटी खूंटी के संस्थापक सदस्य और और सचिव थे। जगतपति साहू के निधन पर पद्मूषण कड़िया मुंडा, सांसद कालीचरण मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक सुदीप गुड़िया, विधायक राम सूर्या मुंडा, पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, भाजपा नेता काशीनाथ महतो, अश्विनी कुमार मिश्रा, बिरसा कॉलेज के प्रभारी प्राचार्या प्रो जेके किड़ो, प्रो नरोत्तम मांझी, डॉ जय सिंह नाग, डॉ सिम्मी महेश, डॉ सुधांशु शर्मा, श्रीपाल जैन किशोर गौंझू, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, झाविमो के पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा सहित कई लोगों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है।

स्वास्थ्य भवन का निर्माण कर 24 घंटा सभी सुविधा उपलब्ध करायी जाये : देवेंद्रनाथ महतो

राहे (आजाद सिपाही)। झारखंड गठन हुए 25 साल बाद भी लगभग 65000 जनसंख्या वाला राहे प्रखंड को एक सुविधायुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का नसीब नहीं हुआ है जिससे क्षेत्र के गरीब किसान मजदूर वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। मामला को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो रांची उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से देवेंद्र नाथ महतो रांची उपायुक्त को जानकारी दिया कि वर्तमान समय का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह जर्जर स्थिति में है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा हेतु नए स्वास्थ्य भवन निर्माण के लिए झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड टेंडर फाइनल करके संवेदक को कार्य भी आवंटित कर चुका है, लेकिन विभाग के उदासीन रवैया के वजह से विगत 6 महीनों से जमीन उपलब्धता के अभाव से भवन का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 22 फरवरी, 2025
www.azadsipahi.in
09

सीआइटी के छह छात्रों का हुआ कैंपस सिलेक्शन

नामकुम (आजाद सिपाही)। कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआइटी) के छह छात्रों का श्री सीमेंट लिमिटेड में ट्रेनी इंजीनियर के रूप में चयन हुआ है। प्रतिष्ठित सीमेंट निमार्ता कंपनी श्री सीमेंट ने सिविल इंजीनियरिंग ब्रांच के 2021-25 बैच के इन छात्रों का चयन कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया के माध्यम से किया। चयनित छात्रों में निरंजन कुमार, निशांत कुमार, हर्ष कुमार, ललित महतो, चंदन कुमार और आयुष सागर शामिल है। संस्थान के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट टीएनपी निदेशक डॉ ए भट्टाचार्य ने बताया कि इन छात्रों को झारखंड के विभिन्न जिलों में नियुक्त किया जाएगा। प्रारंभ में उन्हें 2.40 लाख रुपये प्रति वर्ष का पैकेज मिलेगा। वहीं, श्री सीमेंट के स्टेट हेड संटू साहा ने सभी चयनित छात्रों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी कुलदीप मिश्रा और रवि सिंह भी मौजूद रहे। संस्थान के प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोरों पर, कलश यात्रा एक को

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित महादानी मंदिर प्रांगण में नवनिर्मित दशभुजी मां दुर्गा देवी के 11 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन एक मार्च से किया जाएगा। इसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है। यहां यज्ञमंडप और कलश का रंग रोगन किया जा रहा है। वहीं मंदिर प्रांगण से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश में जल पोकलो ढोढ़हा में भरा जाएगा। समारोह में यज्ञ के मुख्य आचार्य काशी वाराणसी के ब्रजेंद्र कुमार मिश्रा और उनके सहयोगी आचार्य नरोत्तम पाण्डेय, काशी के आचार्य मृत्युंजय मिश्रा, आंचल पाठक, अयोध्या के आचार्य ध्रुव मिश्रा, अमित भारद्वाज शास्त्री, गया के आचार्य भारतेंदु द्विवेदी, आचार्य सोनू पाण्डेय और कथा व्यास सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज की शिष्या देवी रश्मि किशोरी जी के साथ ही अयोध्या, हरिद्वार, वृंदावन और काशी से साधु-संतों का आगमन होगा। दूसरी ओर, मां दुर्गा की आकर्षक और भव्य मूर्ति-मंदिर श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

आरटीसी कॉलेज में विश्व मातृ भाषा दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। दड़दाग स्थित रामटहल चौधरी महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग नागपुरी एवं खोरठा भाषा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को विश्व मातृभाषा दिवस 2025 पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका संचालन टिकेश्वर चौधरी और अतिथियों का स्वागत डॉ सुमन कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी है तो हिंदी माथे की बिंदी। जबकि नागपुरी नैनो का काजल है। कार्यक्रम में नीतू कुमारी द्वारा स्वरचित खोरठा कविता की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर उर्दू विभागाध्यक्ष इमरान अंसारी, कॉमर्स के रामकुमार महतो, सभी विभाग के प्राध्यापक शैलेंद्र मिश्र, राजेश महतो, कृष्ण कुमार, कैलाश ठाकुर, अशोक सरिता, रीता, स्नेहा, मालती, मंजुमा, सरोज, रेनू, अमिता आदि उपस्थित थे।

विद्यासागर स्कूल के विद्यार्थियों ने किया ऐतिहासिक स्थल का भ्रमण

बेड़ो (आजाद सिपाही)। विद्यासागर पब्लिक स्कूल के कक्षा छह से आठ तक के छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को इतिहास एवं भूगोल के प्रायोगिक कक्षा के लिए प्रखंड के खुखरा गांव स्थित मुड़हर पहाड़ का भ्रमण किया। जहां उन्होंने मुड़हर पहाड़ के धार्मिक स्थलों और खुखरागढ़ के नागवंशी राजाओं के इतिहास को नजदीक से देखा और यहां के स्थानीय ग्रामीणों से बात कर इसके ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी ली। बच्चों ने कहा कि विद्यालय से हमें ऐसे अवसर दिए जाते हैं जो हमारे व्यवहारिक ज्ञान में वृद्धि करता है। वहीं, स्कूल के निदेशक ललन सिंह ने बताया कि अपने ट्रिप के बारे में चित्र सहित बच्चों को थेसिस लिखकर विद्यालय में जमा करना होगा जो उनके फाइनल परीक्षा के सामाजिक विज्ञान विषय में 20 अंकों का प्रैक्टिकल होगा। मौके पर विद्यालय की शिक्षिका निशा वर्मा, इतिहास एवं भूगोल के शिक्षक सूरज वर्मा और स्वाति मौजूद थे।

10 साल से लापता युवक पुलिस की मदद से बरामद

ओड़िशा के एक होटल में बंधुआ मजदूर बनाकर करवाया जा रहा था काम

मानव तस्करों ने चंगुल में फंसाकर ओड़िशा के होटल में बेच दिया था

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के तारूप के रहने वाले 10 साल से लापता युवक को पुलिस ने बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। उसकी पहचान बहादुर उरांव (32) के रूप में हुई है। वह 10 साल पहले अपनी पत्नी सुमरी देवी और दो बच्चों के साथ पटना के किसी ईट भट्ठा में काम करने गया था। वहां से साल 2015 में भट्ठा से लौटते वक्त अचानक परिवार से बिछड़ कर लापता हो गया। परिजनों ने हर जगह उसकी तलाश की पर कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद पत्नी अपने बच्चों को लेकर घर वापस आ गयी। 10 साल बाद अचानक साहबगंज के एक व्यक्ति ने 17 दिसंबर को तारूप के पूर्व मुखिया रीता भगत को फोन कर लापता बहादुर उरांव की जानकारी दी। बताया कि वह ओडिशा के कटक में एक होटल में बंधुआ मजदूर के रूप में काम कर रहा है। इसकी सूचना मुखिया ने पुलिस को दी और युवक को वहां से छुड़ाने की गुहार लगाई। पता चला कि मानव तस्कर के चंगुल में फंसकर धोखे से ओडिशा ले जा कर बेच दिया गया था। जहां उससे जबरन काम कराया जा रहा था। प्रताड़ना की वजह से उसकी स्थिति ऐसी हो गई थी कि उसका ना तो अपने परिवार से कोई संपर्क कर पा रहा था ना ही वह घर लौट पा रहा था। लापता व्यक्ति की जानकारी मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ओडिशा पुलिस के सहयोग से कटक के एक होटल से युवक को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस उसे लेकर रातू पहुंची और परिजनों को सौंप दिया। उधर, पति को देखकर पत्नी सुमरी देवी और मां बिरसी देवी खुशी से रो पड़ी।

पत्नी, बच्चे और मां के साथ बहादुर उरांव।

मछली नहीं देने को लेकर हुए विवाद में किशोर की गोली मारकर हत्या, पुलिस ने आरोपित को दबोचा

आजाद सिपाही संवाददाता

इटकी। थाना क्षेत्र के तिलकसूती में शादी समारोह में आये केटरर रविंद्र लोहारा नामक 15 वर्षीय किशोर की गुरुवार की रात गोली मारकर हत्या कर दी गयी। हमलावर की पहचान सुंदर दास के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक रात में जय श्री दास की पुत्री की शादी की तैयारी चल रही थी। पता चला कि सुंदर दास अपने साथियों के साथ निमंत्रण में पहुंचा था। वह कैटरर रविंद्र लोहरा से मछली देने को कहा। पर रविंद्र ने कथित रूप से उसे मछली नहीं दिया। इसी बात से सुंदर नाराज हो गया। बाद में रविंद्र के सिर में गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल रविंद्र को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया। हालांकि रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। पता चला है कि रविंद्र पतरातू के कर्माटोली का रहने वाला था। वह खाना बनाने वाली पार्टी में भोजन वितरण के लिए तिलकसूती आया था। उधर, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार के त्वरित कार्रवाई करते हुए हमलावर सुंदर दास को चचगुरा से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से भरी पिस्तौल भी बरामद कर ली गयी है। वहीं, थाना प्रभारी के समक्ष सुंदर ने अपना अपराध भी कबूल कर लिया है। पुलिस की मानें तो सुंदर दास का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है. समाचार लिखे जाने तक पुलिस की जांच जारी थी।

मरासिल्ली पहाड़ में महारूद्र यज्ञ को लेकर निकाली गयी भव्य कलश यात्रा

नामकुम (आजाद सिपाही)। शिवलोक धाम मरासिल्ली पहाड़ ट्रस्ट के तत्वावधान में शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा में पीला, लाल और भगवा वस्त्र पहने श्रद्धालु डोरंडा रोड स्थित स्वर्णरेखा नदी पहुंचे। वहां विधिवत पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार के बाद पवित्र जल भरकर सभी श्रद्धालु ऊं नमः शिवाय और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ 15 किलोमीटर की पदयात्रा कर वापस शिवलोक धाम पहुंचे। वहां मुख्य पुजारियों द्वारा कलश स्थापना की गई। मुख्य पुजारी अमित महाराज ने स्थानीय पुजारियों के साथ मिलकर विधिपूर्वक बेदी पूजन, देवताओं का आह्वान, आरनी मंथन के माध्यम से अग्नि उत्पन्न कर महारुद्र यज्ञ का शुभारंभ किया। मुख्य यजमान संजय सिंह ने अपनी पत्नी के साथ पूजन कार्य संपन्न किया। शिवलोक धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष दयानंद राय ने बताया कि यह यज्ञ महाशिवरात्रि के दिन संपन्न होगा। महोत्सव के अंतर्गत प्रत्येक दिन भंडारे का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु महादेव की कृपा प्राप्त कर सकें। कलश यात्रा में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर, मुखिया रंजीत लकड़ा, समाजसेवी अनिल वर्मा, ट्रस्ट अध्यक्ष दयानंद राय, मीडिया प्रभारी राजेश वर्मा, दिनेश सिंह, रजत टोप्पो, अजय लकड़ा, मुकेश कुजूर और सुनील साहू आदि मौजूद थे।

घने कोहरे में डूबा खलारी कोयलांचल, खदान का काम घंटों हुआ प्रभावित

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी, डकरा और मैकलुस्कीगंज सहित पूरे क्षेत्र में शुक्रवार की अहले सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा। इस कारण विजिबिलिटी 4-5 मीटर से भी कम थी। घने कोहरे के कारण सुबह काम पर जाने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वाहन चालकों को दिन में भी लाइट जलाकर चलना पड़ रहा था। इसके साथ ही विद्यार्थियों को भी स्कूल जाने और छोटे बच्चों को स्कूल छोड़ने में अभिभावकों को परेशानी हुई। वहीं, कोयला खदानों का उत्पादन कार्य भी घंटों बाधित रहा। कोहरा छटने के बाद ही सभी परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ हुआ। वहीं धूप निकलने के बाद धीरे धीरे कोहरा छटने से लोगों ने राहत की सांस ली है।

बेड़ो में आयुर्वेदिक मेगा केंद्र का हुआ उद्घाटन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। गुमला रोड स्थित मूर्ति घर के समीप शुक्रवार को आइएमसी के मेगा आयुर्वेदिक केंद्र का उद्घाटन निदेशक क्राउन प्रेसिडेंट मनोज सिंह ने किया। उन्होंने मौजूद लोगों से बात करते हुए कहा कि आइएमसी का मुख्य उद्देश्य बीमारी एवं बेरोजगारी को दूर करना है। उन्होंने अपनी जर्नी के साथ ही आइएमसी के साथ लोगों को क्यों जुड़ना चाहिए, इस पर प्रकाश डाला। साथ ही लोगों को प्रोत्साहित भी किया। वहीं, मेगा आयुर्वेदिक केंद्र के दीपक कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए बेड़ो में केंद्र खुलने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मौके पर प्रेसिडेंट स्टार सूरज कुमार, बीएन मिश्रा, पिंकू कुमार, जीतू उरांव, पूर्व उपप्रमुख धनंजय कुमार राय, मुखिया सुशांति भगत आदि मौजूद थे।

महाशिवरात्रि पर बेड़ो में निकलेगी भव्य शिव बारात

बेड़ो (आजाद सिपाही)। महादानी मंदिर परिसर में शुक्रवार को महादानी सत्संग समिति के तत्वावधान में बैठक हुई। जिसमें इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर भव्य पूजन और शिव बारात निकाले जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में संरक्षक महावीर गोप ने कहा कि महाशिवरात्रि पर भव्य शिव बारात साईं मंदिर रोड से निकाली जाएगी। वहीं मंदिर परिसर में 24 घंटे का अखंड संकीर्तन, बारात स्वागत एवं विवाह सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान होगा। साथ ही श्रद्धालुओं के बीच भंडारा भी होगा। जिसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है। मौके पर मेघनाथ गिरी, हरखनाथ महतो, सुरेंद्र सिंह, राजू सिंह, रामनारायण सिंह और ईश्वर बड़ाईक आदि मौजूद थे।

सोनुवा बेड़ा जंगल में दिखे दो जंगली हाथी

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। सिरका पंचायत के सोनुवा बेड़ा जंगल में हाथियों का झुंड पहुंच चुका है। अचानक जंगल में हाथियों को देख ग्रामीण दहशत में हैं। इधर, हाथियों की चहलकदमी को ग्रामीणों ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद की है। मौके पर दो हाथी देखे गये हैं। वैसे अक्सर जंगली हाथी धनकटनी के समय नवंबर और दिसंबर महीने में ही रिहायसी इलाकों में पहुंचते हैं। पर इस बार हाथियों ने अपना मूवमेंट बदल लिया है। जंगली हाथियों को देखे जाने के बाद आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। हालांकि अभी तक हाथियों द्वारा क्षेत्र में किसी भी तरह के जान माल को नुकसान पहुंचाए जाने की खबर नहीं है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दे दी है।

खान-पान में सुधार के साथ भक्ति पथ में करें प्रवेश, मिलेगा सार्थक जीवनः इंद्रेश महाराज

टाटीसिलवे में श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन भगवान कृष्ण की महिमा का रसपान

कहा- हमें अपने जीवन में भगवान की भक्ति और समर्पण को महत्व देना चाहिए

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। टाटीसिलवे के इइएफ मैदान में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन शुक्रवार को कथा व्यास इंद्रेशजी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, उनकी रास लीलाओं और उनकी दिव्य महिमा का वर्णन किया। बताया कि कैसे भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी लीलाओं के माध्यम से मानवता को सही रास्ता दिखाया और उन्हें भगवान की भक्ति और समर्पण की प्रेरणा दी। इंद्रेश जी महाराज ने श्रोताओं को भगवान श्रीकृष्ण की महिमा को समझने और उनके जीवन के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें कई महत्वपूर्ण सबक सिखाता है, जिनमें से एक यह है कि हमें अपने जीवन में भगवान की भक्ति और समर्पण को महत्व देना चाहिए। भागवत कथा में भगवान कृष्ण की लीलाओं और उनके उपदेशों के माध्यम से ज्ञान और प्रकाश के महत्व को समझाया। ज्ञान और प्रकाश के महत्व को समझाने के लिए कथा में कई उदाहरण दिए गए हैं। कथा में ज्ञान और प्रकाश के महत्व को समझाने के लिए कई पात्रों का उल्लेख किया गया है, जिनमें से एक प्रमुख पात्र है उद्धव। उद्धव भगवान कृष्ण के प्रिय मित्र और शिष्य थे और उन्होंने भगवान कृष्ण से ज्ञान और प्रकाश की प्राप्ति की थी। अज्ञानता से मुक्ति पाने के लिए ज्ञान और प्रकाश की महत्ता को समझाया है। कथा व्यास जी ने कहा कि जीवन में दिशा और दीक्षा दोनों शब्द बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। जीवन में उनका अलग-अलग महत्व है। जीवन में दिशा का महत्व यह है कि यह हमें अपने लक्ष्यों की ओर ले जाने के लिए एक रास्ता दिखाती है। दिशा हमें यह तय करने में मदद करती है कि हमें अपने जीवन में क्या हासिल करना है और कैसे हासिल करना है। वहीं दीक्षा का अर्थ है प्रशिक्षण या शिक्षा। जीवन में दीक्षा का महत्व यह है कि यह हमें अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करती है। दीक्षा हमें यह सिखाती है कि कैसे हम अपने लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं और कैसे हम अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कथा के दौरान इंद्रेशजी महाराज ने कहा कि जीवन में गुरु का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। गुरु हमें जीवन के सही रास्ते पर चलने के लिए मार्गदर्शन करते हैं और हमें अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। गुरु के महत्व को समझने से हम अपने जीवन में कई लाभ प्राप्त कर सकते हैं। महाराजजी ने बताया भागवत कथा में रास का अर्थ बहुत ही महत्वपूर्ण है। रास शब्द का अर्थ है प्रेम या प्रेम की लीला। भागवत कथा में रास का उल्लेख भगवान कृष्ण की प्रेम लीलाओं के संदर्भ में किया जाता है। भागवत कथा के अनुसार भगवान कृष्ण ने अपनी प्रेम लीलाओं के माध्यम से गोपियों के साथ प्रेम की भावना को बढ़ावा दिया गया है। यह प्रेम लीला रास के रूप में जानी जाती है, जिसमें भगवान कृष्ण और गोपियों ने एक दूसरे के साथ प्रेम की भावना को व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि रास का अर्थ ना केवल प्रेम की भावना को व्यक्त करना है, बल्कि यह भगवान कृष्ण की दिव्य प्रेम लीलाओं का प्रतीक भी है। रास के माध्यम से भगवान कृष्ण ने अपने भक्तों को प्रेम की भावना को समझने और अपने जीवन में प्रेम को महत्व देने की प्रेरणा दी है। वहीं, भगवान राम से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को बताते हुए शरद पूर्णिमा को भगवान कृष्ण की रास लीला के साथ जोड़कर देखा जाता है, जो भगवान कृष्ण की प्रेम लीलाओं का प्रतीक है। भागवत कथा के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात को भगवान कृष्ण ने अपनी रास लीला का आयोजन किया था, जिसमें उन्होंने गोपियों के साथ प्रेम की भावना को व्यक्त किया था। इस रात को भगवान कृष्ण की प्रेम लीलाओं का प्रतीक माना जाता है। शरद पूर्णिमा का महत्व न केवल भगवान कृष्ण की रास लीला के साथ जुड़ा हुआ है, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण त्योहार भी है जो भगवान कृष्ण की प्रेम लीलाओं को मनाने के लिए मनाया जाता है।

कथा का आज अंतिम दिन

श्रीमद्भागवत कथा का विराम शनिवार को होगा। इंद्रेशजी महाराज रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुनाने के बाद भक्तों के साथ भक्ति-मय होली उत्सव मनायेंगे। महाराजजी खुद भक्तों के बीच जाकर पुष्पों की होली खेलेंगे, जिससे वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो जायेगा। कथा के अंतिम दिन भजन-कीर्तन और ठाकुर जी के जयकारों से क्षेत्र गुंजायमान रहेगा। व्यास पीठ से इंद्रेशजी ने लोगों से होली उत्सव में शामिल होने की अपील की है।

प्रसाद साहू हत्याकांड के चार आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रायडीह। रायडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत पोगरा गांव में बीते दिनों अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा धारदार हथियार से गला रेता कर 36 वर्षीय प्रसाद साहू की निर्मम हत्या कर दी गयी थी।

कांड के त्वरित उद्वेदन हेतु पुलिस अधीक्षक के द्वारा पुलिस उपाधीक्षक एवं पुलिस निरीक्षक चैनपुर के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया था। छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड का उद्घाटन किया गया। उद्वेदन के क्रम में ज्ञात हुआ कि मृतक की हत्या उसके गांव के ही दो परिवार के साथ पूर्व में हुई मारपीट और टेंपो जलाए जाने के प्रयास में षडयंत्र के तहत किया गया। अपराध कर्मियों को 1 लाख रुपए सुपारी देकर हत्या कराया गया। हत्या एवं षड्यंत्र में शामिल दो महिला सहित चार अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त में गुमला थाना क्षेत्र के कसीरा गांव निवासी 30 वर्षीय मोहन महली पिता पलटू महली रायडीह थाना क्षेत्र के पोगरा निवासी 40 वर्षीय लाल धन लोहरा पोगरा निवासी 25 वर्षीय संतोषी नाग पिता रोपना साहु और गुमला के चाहा बगीचा टोली निवासी 30 वर्षीय ममता कुमारी पति सुरेश साहू को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए शुक्रवार की अपराह्न 3 बजे को जेल भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा गोली और 13 हजार नगद बरामद किया है।

बताया जाता है कि मोहन महली पूर्व में पीएलएफ का एरिया कमांडर रह चुका है उसके विरुद्ध पालकोट थाना में पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2022 में वह पालकोट क्षेत्र में आतंक का पर्याय बना हुआ था। छापामारी दल में चैनपुर अंचल के महेंद्र कुमार करमाली, रायडीह थाना प्रभारी कुंदन कुमार सिंह, सूरज टोप्पो और सैट 11 के जवान शामिल थे।

हत्या मामले का आरोपी गिरफ्तार

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला थाना क्षेत्र के धनगांव करम टोली गांव में बीते बुधवार को 55 वर्षीय व्यक्ति नान्हो खड़िया की कुदाल से काटकर राजेश उरांव ने हत्या कर दिया था। उसके गर्दन और चेहरा में कुदाल से कई बार प्रहार कर निर्मम हत्या कर दी थी। इसके बाद गुमला थाना की पुलिस गांव पहुंचकर राजेश को गिरफ्तार कर दिया। इसके बाद उसका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा था। वहीं शुक्रवार की अपराह्न 4 बजे आरोपी को गुमला जेल भेज दिया गया। हत्या के आरोपी को ग्रामीणों ने जमकर पिटाई की थी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी कुदाल लेकर पूरे गांव में घूमने लगा। वही उसके सामने जो भी जाता उसे दौड़ा कर मारने का प्रयास करता। इसके बाद अपने घर में जाकर वह बंद हो गया था।

भाजयुमो ने सरकार का पुतला फूंका

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला/ बसिया। हेमंत सरकार के नाकामी का नतीजा झारखंड वासियों ने जेपीएससी और सीजीएल की परीक्षा लीक होते हुए देखा लेकिन इससे भी बढ़कर मैट्रिक का प्रश्न पत्र लीक होते हुए हम सभी देख रहे हैं यह काफी दुर्भाग्य की बात है। प्रश्न पत्र लीक मामले में शुक्रवार को भाजयुमो जिला अध्यक्ष संदीप प्रसाद के नेतृत्व में बसिया मंडल के कोनबीर चौक में हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। संदीप प्रसाद ने कहा की एक परीक्षा केंद्र के बाहर दर्जनों परीक्षार्थी यह कहते मिले की काफी सुदूरवर्ती क्षेत्र से आये हैं और गरीब परिवार से आते हैं, और सरकार की इस तरह की नाकामी से हम जैसे गरीब छात्रों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। हमारे अभिभावक काफी मेहनत करके हमें इससे मुकाम तक लाये हैं लेकिन सरकार को हम जैसे छात्र-छात्राओं के भविष्य की तनिक भी चिंता नहीं है।

मौके पर उपस्थित युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अमन यादव ने कहा सरकार अपने कार्यशैली में अविलंब सुधार ले अन्यथा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मंडल से लेकर जिला और जिला से लेकर प्रदेश तक जोरदार आंदोलन हेतु बाध्य हो जायेंगे। कार्यक्रम मे भाजपा मंडल अध्यक्ष बड़ाईक नवीन सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष राजकुमार सिंह, जिला मंत्री पिंटू सिंह विनोद भगत, अमर पांडे, सतनारायण भगत, विकास कुमार सिंह, अंकित मिश्रा ,राम पांडे ,दुर्गा प्रधान, विनायक गोस्वामी, संदीप साहू, सत्यम सिंह, आनंद कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मिन्हाज बने सहकारिता विभाग के जिलाध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सहकारिता विभाग के चेयरमैन बबलू शुक्ला उर्फ राजीव रंजन ने मो. मिनहाजुद्दीन उर्फ मिनहाज खान को गुमला सहकारिता विभाग का किला अध्यक्ष मनोनीत किया है। इस संदर्भ में पत्र जारी करते हुए अध्यक्ष बबलू शुक्ला ने कहा कि मो. मिनहाजुद्दीन को यह पद पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और सक्रियता को देखते हुए दिया जा रहा है। उन्होंने मिनहाजुद्दीन से यह आशा जतायी है कि मिलादुद्दीन उक्त पद का दुरुपयोग नहीं करेंगे और अपनी इमानदारी निष्ठा और लगन के साथ इस पद का लाभ गुमला जिले के हम लोगों को पहुंचायेंगे। मोहम्मद मिनहाजुद्दीन के अध्यक्ष बनाये जाने पर कांग्रेसियों में खुशी का इजहार किया है। उन्होंने मोहम्मद मिनहाजुद्दीन को बधाई दी है। बधाई देने वालों मेंजिला अध्यक्ष चैतु उरांव, सांसद प्रतिनिधि राजनिल तिग्गा, महासचिव फिरोज आलम, मोहम्मद खालिद, रामनिवास प्रसाद, मिनहाज खान, खुर्शीद आलम, युवा जिला अध्यक्ष आजाद अंसारी, ज्योति कुजूर, मीरा हमीद, साहेब वसीम, भुनेश्वर राम, तरुण गोप, गुलाम सरवर, आनंद, खीस्तीना टोप्पो, जास्मीन लुगुन सहित कई लोगों के नाम शामिल हैं।

23 को आंजन में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

गुमला (आजाद सिपाही)। बाबा भगवान राम ट्रस्ट, सोगड़ा जशपुर आश्रम एवं श्री सर्वेश्वरी समूह प्रार्थना गृह,गुमला के संयुक्त तत्वावधान में 23 फरवरी को मां अंजनी मंदिर के बगल में अवस्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, आंजन में निःशुक्ल नेत्र चिकित्सा एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया है। इस आशय की जानकारी देते हुए समूह की गुमला शाखा के उपाध्यक्ष अजय प्रसाद ने बताया कि शिविर में बाहर से आये लब्धप्रतिष्ठित नेत्र चिकित्सक नेत्र रोगियों की जांच कर परामर्श देंगे तथा जांचोपरांत आवश्यकता के अनुरूप रोगियों को निःशुल्क चश्मा प्रदान किया जायेगा। शिविर प्रातः10.30 बजे से 1.30 बजे तक तथा अपराह्न 2.30 बजे से 4.30 बजे तक आयोजित होगा। उन्होंने अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर से लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

बदलते परिवेश में मीडिया की भूमिका पर कार्यशाला आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। शुक्रवार को सूचना भवन के सभागार में जिले के पत्रकारों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता, शशिंद्र कुमार बड़ाइक गुमला ने की, जबकि जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी ललन कुमार रजक की उपस्थिति में कार्यशाला का संचालन हुआ। कार्यशाला का मुख्य विषय बदलते परिवेश में मीडिया की भूमिका था, जिस पर जिले के वरिष्ठ पत्रकारों ने अपने विचार साझा किये।

कार्यशाला की शुरूआत जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं सभी वरीय पत्रकारों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। अपने उद्घाटन संबोधन में जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी ने कहा कि पत्रकार प्रशासन और आम जनता के बीच की कड़ी हैं। निष्पक्ष पत्रकारिता से समाज को सही दिशा मिलती है।

पत्रकारों ने रखे अपने विचार

वरिष्ठ पत्रकार बलदेव शर्मा ने कहा कि पहले पत्रकारिता पर व्यापक चर्चा होती थी, क्योंकि अखबार ही एकमात्र संचार माध्यम था। समाज और सरकार की बातें अखबारों के माध्यम से ही जनता तक पहुंचती थीं। आजादी की लड़ाई में पत्रकारिता का अहम योगदान था। पहले यह एक मिशन थी, लेकिन अब यह कमीशन का जरिया बनती जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार के.ए. गुप्ता ने कहा कि मीडिया का काम केवल खबरों को दिखाना ही नहीं, बल्कि समाज और सरकार के बीच एक मजबूत पुल का निर्माण करना भी है।

वरिष्ठ पत्रकार गणपत लाल चौरसिया ने अपने संबोधन में पत्रकारिता की विशेषता पर प्रकाश डाला, साथ ही उन्होंने जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी का धन्यवाद भी किया जिन्होंने इस प्रकार के कार्यशाला का आयोजन किया।

पत्रकार अंजुम ने कहा कि पहले पत्रकारों एवं प्रशाशन के बीच बेहतर समन्वय था, लेकिन अब यह कम होता जा रहा है। अधिकारियों से संवाद स्थापित करना कठिन होता जा रहा है, जिसे ठीक करने की आवश्यकता है।

ज्योति कलश रथ का घाघरा में स्वागत

घाघरा (आजाद सिपाही)। गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा दिव्य अखंड दिव्य शताब्दी समारोह के निमित्त ज्योति कलश रथ शुक्रवार को घाघरा पहुंचा। इस क्रम में रथ छठ मोहल्ला, हनुमान वाटिका पहुंचा। जहां रथ का श्रद्धालुओं द्वारा पूजन पाठ और आरती किया गया। वहीं जानकारी देते हुए हरिद्वार शांतिकुंज के पंडित इंद्रदेव पंडित ने बताया कि उक्त ज्योति कलश रथ 4 दिसंबर 2025 से निकला है जो 2026 में पूरे भारतवर्ष के गांव का भ्रमण कर रहा है। ज्योति कलश को जलाया गया था जिसका 100 साल वर्ष 2026 में पूरा होगा। मौके पर उपस्थित लोगों में राजकुमार, महेंद्र मोदी, ब्रह्मदेव विश्वनाथ जायसवाल, अरविंद जायसवाल, संजना जायसवाल, अमर पाठक सहित कई लोगों उपस्थित थे।

नहर में डूबने से युवक की मौत

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बेलागाड़ा नहर में शौच करने और नहाने गये युवक दयाल उरांव के डूबने से मौत हो गयी। वहीं पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस घटना स्थल पहुंच शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। इस संबंध में घाघरा पुलिस में बताया कि बेलागड़ा नवाटोली निवासी भैरव उरांव ने दूरभाष पर सूचना देते हुए बताया कि उसके पुत्र दयाल उरांव शुकवार प्रात : में शौच और नहाने के लिए बेलागड़ा नहर गया था। जहां डूबने से उसकी मौत हो गये। वह मिर्गी बीमारी से ग्रसित भी था। वहीं पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

कल लायंस क्लब लगायेगा मोतियाबिंद जांच शिविर

गुमला (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब ऑफ गुमला के द्वारा 23 फरवरी 2025 दिन रविवार को निशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी तरह की आंखों की बीमारियों का जांच एवं इलाज किया जायेगा। यह इलाज रांची के सुप्रसिद्ध नेत्र सर्जन डॉक्टर नवल वह टीम के द्वारा किया जायेगा। यह जांच एवं ऑपरेशन बिल्कुल निशुल्क है, आप अपना रजिस्ट्रेशन सचिव ला. अशोक कुमार जायसवाल के प्रतिष्ठान में करा सकते हैं।

रसोइया संयोजिका अध्यक्ष संघ ने लंबित मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश प्रतिज्ञा महिला एसोसिएशन की अध्यक्ष देवकी देवी ने शुक्रवार को बकाया मानदेय भुगतान और 60 साल के बाद रिटायर्ड कर्मी के परिजनों को उसके स्थान पर रखने को लेकर एसडीओ को आवेदन सौंपा है। देवकी देवी ने बताया काफी लंबे समय से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। कई बार मामले को लेकर आवेदन भी दिया गया। साथ ही उसने मांग की है कि जिन रसोईया का 60 साल हो गया है उनकी बहू बेटी या परिवार के एक सदस्य को काम पर रखा जाये। देवकी देवी ने कहा 22 फरवरी तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया तो 25 फरवरी से अनशन किया जायेगा।

क्रिकेट टूर्नामेंट में सिमडेगा ने दुमका को तीन विकेट से हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड राज्य क्रिकेट अंडर-23 क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को खेले मुकाबले में सिमडेगा ने दुमका को तीन विकेट से पराजित कर लगातार दूसरी जीत दर्ज किया। जिला मुख्यालय के शहीद तेलगा खड़िया स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में दुमका की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते पूरी टीम महज 105 रनों पर सिमट गयी। दुमका की ओर से अंकुश राउत ने सर्वाधिक51रनो की पारी खेली। ऋषि शर्मा ने 18 और आयुष ने 10 रनों का योगदान दिया। सिमडेगा की ओर से संजीत शर्मा ने चार ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट अर्जित किया। वहीं अविनाश ने तीन व तानिश शर्मा ने दो विकेट हासिल किये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिमडेगा की टीम ने 13.4ओवरो में सात विकेट गवा कर जीत दर्ज कर लिया। टीम की ओर से गुरुशरण ने 28 गेंद पर 46रनो की बेहतरीन पारी खेली। तानिश 17 और सचिन पाल ने 11 रनो का योगदान किया। दुमका की ओर से प्रीत सिंह ने तीन व अंकित व आयुष ने दो -दो विकेट हासिल किये। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बदलते सिमडेगा के संजीत शर्मा मैन ऑफ द मैच चुने गये। टीआरडीओ अनवर मुस्तफा, अंपायर मनोरंजन कांजीलाल, ओपी राय ने प्लेयर ऑफ द डे को 5000 कैश मनी और ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया।

गोनमेर स्कूल के बच्चों ने देखा विज्ञान केंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले के पालकोट प्रखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय गोनमेर के छात्र-छात्राओं ने शिक्षिका गीता देवी, विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्य मुन्ना खड़िया, संयोजिका प्रतिमा टेटे एवं अभिभावक अभिषेक के नेतृत्व में जिला विज्ञान केंद्र, गुमला का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। इस अवसर पर बीपीओ दिलदार सिंह के समन्वय में विज्ञान केंद्र की कॉर्डिनेटर कुमारी अंकिता विनायक, आकांक्षा सिन्हा एवं बिपाशा प्रसाद द्वारा विद्यार्थियों को विज्ञान के विभिन्न प्रयोगों और तकनीकी नवाचारों की जानकारी दी गई। छात्रों को थ्रीडी प्रिंटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गयी। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सौरमंडल, अंतरिक्ष अनुसंधान एवं विज्ञान के अन्य क्षेत्रों के बारे में रोचक जानकारी प्राप्त की। विज्ञान को मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को उच्च कक्षाओं में विज्ञान शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

GREATER RANCHI DEVELOPMENT AGENCY LIMITED
3RD Floor, Yojna Bhawan,
Room No. 303, Nepal House Complex,
Doranda, Ranchi, Jharkhand, 834002
CIN: U45203JH2003SGC010045

NOTICE INVITING BIDS
NIB No.: GRDA/YOJ/INFRA/04/2024-02, Date: 20.02.2025
National Competitive Bidding
BID NOTICE

1.	Name of the Work	REQUEST FOR PROPOSAL (RFP) FOR CONSULTANCY SERVICES FOR DETAILED ENGINEERING DESIGNS & PREPARATION OF DPR OF ROAD WITH PROVISIONING OF ALL ITS ASSOCIATED INFRASTRUCTURES SERVICES (WATER SUPPLY, SEWERAGE, DRAINAGE, GAS PIPELINE, ELECTRIFICATION & ELECTRIC CABLE LINES, TELECOMMUNICATION ETC.) IN CORE CAPITAL AREA OF JHARKHAND AT SITE -I, HEC AREA RANCHI.
2.	Mode of submission of bids	Online Bidding (two bid system)
3.	Bid Fee (through online)	Cost of Tender Document: Rs. 10,000/- *(Rupees Ten Thousand only (Non-refundable)*
4.	Earnest Money Deposit (EMD) (In INR) (through online)	Earnest Money Deposit (EMD) – Rs 2,00,000/- *(Rs. Two Lakh) only*
5.	Performance Guarantee	5% (in form of Bank Guarantee) 5% (as retention money from each running bill)
6.	Period of consultancy	**Error! Reference source not found.**
7.	Date of starting of sale of online Bid/Document Download	22.02.2025 at 13:00 Hrs.
8.	Date of Start of Submission of online Bids	22.02.2025 at 13:00 Hrs.
9.	Pre-Bid meeting	05.03.2025 at 15:00 Hrs.
10.	Last Date for submission of Pre-Bid Queries	04.03.2025 at 11:00 Hrs.
11.	Last Date/Time for submission of online bids	17.03.2025 at 17:00 Hrs
12.	Date of Tech. Bid Opening	18.03.2025 at 17:00 Hrs
13.	Date of Presentation	To be intimated
14.	Date of Financial Bid Opening	To be intimated
15.	Office address	Greater Ranchi Development Agency Ltd, 3rd Floor, Room No. 303, Yojna Bhawan, Nepal House Complex, Doranda, Ranchi, Jharkhand-834002. e-mail: project.grda@gmail.com
16	Helpline no.	+91 651 2491068/2491084

Note: Only e-Bid will be accepted
Further details are available on Jharkhand Government e-procurement website https://jharkhandtenders.gov.in
PR 346899 Urban Development and Housing(24-25).D
Sd/-
General Manager (P&P)
GRDA, Ltd.

स्पोर्ट्स

शुक्रवार को सेमीफाइनल में विदर्भ ने मुंबई को 80 रन से हराया। वहीं गुजरात के खिलाफ केरल पहली पारी में 2 रन की बढ़त लेने के कारण फाइनल में पहुंच गया।

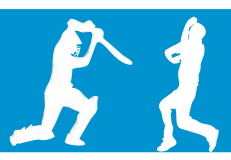

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में विदर्भ ने मुंबई को 80 रन से हराया

आजाद सिपाही सवांददाता

अहमदाबाद/ नागपुर। केरल और विदर्भ के बीच इस बार रणजी ट्रॉफी का फाइनल खेला जाएगा। शुक्रवार को सेमीफाइनल में विदर्भ ने मुंबई को 80 रन से हराया। वहीं गुजरात के खिलाफ केरल पहली पारी में 2 रन की बढ़त लेने के कारण फाइनल में पहुंच गया। रणजी ट्रॉफी फाइनल 26 फरवरी को विदर्भ और केरल के बीच खेला जाएगा। मैच किस वेन्यू पर होगा, यह फाइनल होना बाकी है। केरल ने पहली बार ही रणजी के फाइनल में जगह बनाई है।

सेमीफाइनल 1: विदर्भ ने मुंबई को हराया : नागपुर के वीसीए स्टेडियम में मैच के 5वें दिन मुंबई ने 83/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम को 406 रन का टारगेट मिला था। आकाश आनंद 39 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद शिवम दुबे 12 और सूर्यकुमार यादव 23 रन ही बना सके। 115 रन पर टीम ने 5 विकेट गंवा दिये थे। यहां से शम्स मुलानी ने 46, शार्दूल ठाकुर ने 66, तनुष कोटियन ने 26, मोहित अवस्थी ने 34 और रॉयस्टन दास ने 23 रन बनाये। टीम 325 रन बनाकर सिमट गयी और विदर्भ ने 80 रन से मैच जीत लिया।

पहली पारी में ही पिछड़ गई थी मुंबई : विदर्भ से हर्ष दुबे ने 5 विकेट लिए। यश ठाकुर और पार्थ

रेखडे को 2-2 विकेट मिले। 1 बैटर रनआउट भी हुआ। पहली पारी में विदर्भ ने 383 और मुंबई ने 270 रन बनाए थे। वहीं दूसरी पारी में विदर्भ ने 292 रन बनाकर मुंबई को 406 रन का टारगेट दिया था।

सेमीफाइनल 2: केरल को 2 रन की बढ़त मिली : अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 5वें दिन गुजरात ने 429/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। केरल ने पहली पारी में 457 रन बनाए थे। गुजरात से जयमीत पटेल 79 रन बनाकर आउट हो गये।

पहली पारी में बढ़त के लिए गुजरात को अब 22 रन और चाहिए थे। सिद्धार्थ देसाई 30 रन बनाकर 9वें विकेट के रूप में आउट हो गए। अर्जन नागवासवाला और प्रियजीतसिंह जडेजा ने 10 ओवर तक बैटिंग की और स्कोर 455 रन तक पहुंचा दिया।

आदित्य सरवटे बॉलिंग करने आए। ओवर की चौथी गेंद को अर्जन ने बैकफुट पर खेला, गेंद शॉर्ट लेग पर खड़े फील्डर के हेलमेट पर लगी। हेलमेट से लगकर बॉल फर्स्ट स्लिप में सचिन बेबी के हाथों में चली गई, उन्होंने कैच पकड़ा और गुजरात 455 पर सिमट गयी।

सरवटे-सक्सेना ने 4-4 विकेट लिए : केरल ने पहली पारी में 2 रन की बढ़त ली, इसी बढ़त के आधार पर टीम को जीत मिल गई। केरल ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर 114 रन बना लिए। पहली पारी में केरल से जलज सक्सेना और आदित्य सरवटे ने 4-4 विकेट लिए। एमडी नीधेश और एन बासिल को 1-1 विकेट मिला।

विदर्भ 2 बार की चैंपियन

विदर्भ ने चौथी बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई। टीम लगातार दूसरी बार फाइनल खेलेगी। पिछली बार उन्हें मुंबई ने हराया था। वहीं टीम 2017-18 में दिल्ली और 2018-19 में सौराष्ट्र को हराकर चैंपियन भी बन चुकी है।

उत्पाद विभाग ने किया मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

एक करोड़ से अधिक की नकली शराब जब्त, तीन लोग गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

निरसा। उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार को निरसा अनुमंडल अंतर्गत गल्फरबाड़ी ओपी क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 19 के समीप चारदिवारी के अंदर संचालित अवैध शराब के मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन करते हुए अवैध शराब की करीब 2000 पेटियां जब्त की है, जिसके अंधर मौजूद शराब की कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक की बतायी जा रही है। जब्त पेटियों में विभिन्न ब्रांड के शराब, खाली बोतल,

अवैध मिनी फैक्ट्री में जब्त शराब की पेटियां।

रैपर, ढक्कन, ड्राम और अन्य उपकरण बरामद हुई है। जानकारी के मुताबिक चारदीवारी के अंदर पूरे सुनियोजित तरीके से अवैध शराब की रिफिलिंग और लेबलिंग की जाती थी, जिसे होटलों-ढाबों में खपाने के साथ दूसरे जिलों में भी भेजा जाता था। उधर, छापामारी के दौरान तीन धंधेबाज को भी उत्पाद विभाग की टीम ने मौके से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा कि सहायक उत्पात आयुक्त रामलीला रवानी को अवैध शराब की मिनी फैक्ट्री चलाये जाने की गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद उनके नेतृत्व में छापामारी की गयी। इसमें उत्पाद विभाग के कुमार सतेंद्र, धमन कुजूर, गौतम महतो, जितेंद्र सिंह और अमित कुमार शामिल थे।

सोने की चेन छीन ली

धनबाद (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र में चेन चिनताई की घटनाएं बढ़ती जा रही है। ताजा मामला लुबी सर्कुलर रोड स्थित गोल्फ ग्राउंड के पास घचित हुई। बाइक सवार दो बदमाशों ने स्कूटी से जा रहे व्यक्ति की सोने की चेन छीन ली। इस बाबत पीड़ित ने सदर थाना में मामला दर्ज कराया है। वहीं, पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच में जुटी है। बताया जा रहा कि स्कूटी सवार से दो लाख रुपये की सोने की चेनछिनताई की गयी है।

बख्शीश को लेकर झड़प

धनबाद (आजाद सिपाही)। सरायढेला थाना क्षेत्र में स्टील के दुकान पर किन्नर सुनैना द्वारा होली की बख्शीश मांगने को लेकर दुकानदार से झड़प हो गयी। दुकानदार ने हथौड़े से किन्न पर हमला कर दिया, जिसे लेकर किन्नर समुदाय के लोगों ने विरोध किया है।

कुमारधुबी नियोजनालय में भर्ती कैंप का आयोजन आज

धनबाद (आजाद सिपाही)। कुमारधुबी नियोजनालय में शनिवार को भर्ती कैंप आयोजित होने जा रहा है। जिसमें तीन कंपनियों ने वैकेंसी की घोषणा की है। इसमें आठवीं से लेकर आइटीआइ और इंटर पासआउट विद्यार्थियों सहित अन्य को मौका मिलेगा। वेतन के रूप में 10 हजार से 23 हजार रुपये तक मिलेगा।

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
(स्थापना शाखा)

आम–सूचना

स्टाम्प वापसी हेतु सरकार से आवंटन प्राप्त है। सभी आवेदक/आवेदिका/ संबंधित अधिवक्ता को सूचित किया जाता है कि यदि आपका स्टाम्प वापसी हेतु बकाया राशि लंबित है, तो अपना आधार कार्ड की छायाप्रति, पैन कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति या बैंक का रद्द किया हुआ चेक दिनांक 25–02–2025 तक जिला स्थापना शाखा, कोडरमा में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

ह0/–
प्रभारी पदाधिकारी
मुद्रांक उपसमाहर्त्ता, कोडरमा।

PR 346928 (Koderma) 24-25 (D)

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, चतरा
जिला कार्यालय, प्रखण्ड परिसर, चतरा–825401
दूरभाषः (06541) 253924 • इमेल–chatrajepc@ymail.com

आम सूचना

निविदा संख्या–**256** दिनांक–20.02.2025 के माध्यम से वर्ष 2025–26 में चतरा जिलान्तर्गत संचालित 10 कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालय, 02 झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय एवं 01 नेताजी सुभाषचन्द्र बोस आवासीय विद्यालय के लिए पैकेज –(क) खाद्य पदार्थ एवं दैनिक उपयोग सामग्री, पैकेज –(ख) हरी सब्जी, मछली, चिकेन, फल, मिठाई एवं दूध–पनीर इत्यादि, पैकेज –(ग) पोशाक एवं अन्य वस्त्र एवं पैकेज –(घ) स्टेशनरी इत्यादि खाद्य एवं अखाद्य सामग्री के आपूर्त्ति के लिए निविदा का प्रकाशन किया गया है। **दिनांक 21.02.2025 से 08.03.2025 के अपराह्न 3:00 बजे** तक निविदा प्रपत्र **झारखण्ड शिक्षा परियोजना, समग्र शिक्षा अभियान, प्रखण्ड परिसर, चतरा** से प्राप्त किया जा सकता है एवं **मुहरबंद निविदा दिनांक 09.03.2025 के अपराह्न 3:00 बजे** तक कार्यालय के निविदा बॉक्स में जमा लिया जाएगा। **मुहर बंद निविदा दिनांक 10.03.2025 को** पैकेज –(क) खाद्य पदार्थ एवं दैनिक उपयोग सामग्री, दिनांक **11.03.2025** को पैकेज –(ख) हरी सब्जी, मछली, चिकेन, फल, मिठाई एवं दूध–पनीर इत्यादि, दिनांक **12.03.2025** को पैकेज –(ग) पोशाक एवं अन्य वस्त्र एवं दिनांक **15.03.2025** को पैकेज –(घ) स्टेशनरी इत्यादि **नेताजी सुभाषचन्द्र बोस बालक विद्यालय, चतरा में निविदा समिति के उपस्थिति में निविदा खोला जायेगा।**

उक्त निविदा का विज्ञापन से संबंधित विस्तृत जानकारी NIC चतरा के वेबसाईट www.chatra.nic.in पर उपलब्ध है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
झा0शि0प0,चतरा

PR 346930 (Jharkhand Education Project Council) 24-25 (D)

पिट वाटर से वंचित लोदना कोलियरी में दर्जनों ग्रामीणों ने किया हंगामा

धनबाद (आजाद सिपाही)। लोदना एक नंबर चानक का मोटर जल जाने के कारण पिछले एक सप्ताह ने लोदना सहित आसपास रहने वाले 20 हजार की अबादी को पीट वाटर का पानी नहीं मिल पा रहा है। विगत बुधवार को लोदया कोलियरी प्रबंधन की ओर से एक अन्य मोटर चानक में लगाया गया, लेकिन उससे भी काम नहीं हो पा रहा है। इससे आक्रोशित होकर कुछ ग्रामीण शुक्रवार को चानक पहुंच गये और जमकर हंगामा किया। चेताते हुए कहा कि 24 घंटे के भीतर पीट वाटर का पानी चालू नहीं किया गया तो लोदना कोलियरी कार्यालय का घेराव कर दिया जाएगा। सूत्रों की मानें तो चानक में लगाये गये मोटर की सही से मरमम्मति नहीं करने के कारण यह हाल हुआ है। लोदना कोलियरी के एनएस लोदना, रक्षा कालीधाम, खपड़ा धौड़ा, बाबू बासा, बच्चू सेंटर, इस्लामपुर, लोदना बाजार, लोदना चार नंबर और मस्जिद पट्टी आदि क्षेत्रों में लोदना एक नंबर चानक से पाइपलाइन की मदद से 20 हजार की आबादी को पानी की आपूर्ति की जाती है। पर पानी नहीं मिलने के कारण यहां के लोगों को दूर दराज से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। नदी पार जोरिया के गंदे पानी से नहाने, कपड़ा-बर्तन की साफ-सफाई आदि काम करने पड़ रहे हैं।

विधायक जयराम महतो ने दो संदिग्ध ट्रकों को पकड़ कर पुलिस को सौंपा

आजाद सिपाही संवाददाता

डुमरी/बेरमो (आजाद सिपाही)। डुमरी विधायक जयराम महतो ने गुरुवार की रात कुलगो टोल प्लाजा के पास अपने समर्थकों के साथ कोयला लदे ट्रकों सहित परिचालन कर रहे अन्य संदिग्ध ट्रकों को रोक कर उसके कागजातों की जांच की। इस दौरान पश्चिम बंगाल नंबर के दो ट्रकों को पकड़ कर डुमरी पुलिस को जांच के लिए सौंप दिया। विधायक ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों को भी टोल प्लाजा में बुला लिया। बताया जा रहा कि विधायक को

लगातार सूचना मिल रही थी कि एनएच-19 से अवैध कोयला, प्रतिबंधित मछली, पशु तस्करी सहित अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं से लदे वाहन रात के अंधेरे में परिचालन करते है। इधर, विधायक द्वारा अवैध कारोबार पर रोक लगाने के उद्देश्य से सड़क पर उतरने से अवैध कारोरियों में हड़कंप है।

सड़क निर्माण में अनियमितता बरतने का आरोप, ग्रामीणों ने किया हंगामा

निरसा (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत पांडरा गांव स्थित दिघीआड़ टोला से संबंधपुर जाने वाले मार्ग पर डीएमएफटी फंड की 36 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण हो रहा है। इसमें ठेकेदार द्वारा अनियमितता बरते जाने का आरोप लगाये हुए शुक्रवार को ग्रामीणों ने जमकर बवाल काटा। ग्रामीणों का कहना है कि ना तो निर्माण कार्य सही तरीके से हो रहा है ना ही योजना एवं निर्माण कार्य संबंधित शिलापट लगाया गया है। कहा कि मनमाने तरीके से कहीं दो तो कहीं चार इंच की ढलायी की जा रही है, जिसे देखने वाला कोई नहीं है। उधर, निर्माण कार्य को लेकर मिस्त्री से पूछे जाने पर उसका कहना था कि जैसा ठेकेदार ने निर्देश दिया है उसी के अनुसार काम हो रहा है। इस बाबत जन प्रतिनिधिओं से पूछने का प्रयास किया लेकिन वो भी बचते नजर आए।

दिल्ली-कोलकाता मुख्य मार्ग पर अनियंत्रित ट्रक पलटी, यातायात ठप

धनबाद (आजाद सिपाही)। दिल्ली-कोलकाता मुख्य मार्ग के राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर तोपचांची की तरफ से आ रही ओवरलोडेड ट्रक शुक्रवार को अनियंत्रित होकर पलट गयी। इससे ट्रक में लदा चारकोल शीट सड़क पर बिखर गया, जिससे यातायात पूरी तरफ बाधित हो गयी। इसकी सूचना मिलने पर बरवाअड्डा पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात सामान्य कराने में जुट गई है।

अवैध तरीके से सीढ़ी का निर्माण, सीओ ने कार्य रोका

कथारा (आजाद सिपाही)। मुख्य मार्ग कथारा मोड़ के बीच में स्थित कंपलेक्स मार्केट में हो रहे निर्माण कार्य को बेरमो सीओ संजीत कुमार सिंह ने रोक दिया। सीओ ने कॉम्पलेक्स मालिक को वैध दस्तावेज लेकर अंचल कार्यालय पहुंचने का निर्देश को दिया। ऐसा नहीं करने पर मार्केट सील करने की बात कही। बतातें चलें कि इसके पहले कथारा थाना प्रभारी ओपी थाना के राजेश प्रजापति ने भी निर्माण कार्य को रोकने की बात कही थी। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र भ्रमण के क्रम में सीओ अचानक पहुंचे थे। उक्त काम्प्लेक्स के ऊपरी तल पर जाने के लिए सड़क के समीप वाले स्थान पर सीढ़ी बनाए जाने पर उक्त अधिकारी ने ऐसा नहीं करने की बात कही। उन्होंने उक्त कंप्लेंस के मालिक से सड़क से सटे स्थान पर सीढी बनाए जाने से संबंधित कारण पूछा। जवाब से संतुष्टि नहीं मिलने पर सीओ ने काम रूकवाते हुए वैध दस्तावेज लेकर अंचल कार्यालय पहुंचने का निर्देश दिया। जानकारी के अनुसार इस निर्माण से संबंधित शिकायत बोकारो थर्मल पुलिस से की गई थी। निर्माण कार्य स्थल को सरकारी भूमि बताते हुए काम रोकने की बात कही गयी थी। वहीं, थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने सीओ से इस मामले में पहल करने का अनुरोध करते हुए उचित कार्रवाई की बात कही थी।

महाशिवरात्रि को लेकर थाने में शांति समिति की बैठक

तेतुलमारी/कतरास (आजाद सिपाही)। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर तेतुलमारी थाना परिसर में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी सत्येंद्र यादव और संचालन मनोज कुमार ने किया। बैठक में शांति एवं भाईचारा के साथ शिवरात्रि पूजा मनाने को लेकर चर्चा हुई। वहीं, शिव जी की बारात और झांकी को पूरे बाजे गाजे के साथ शांतिपूर्वक निकाले जाने का निर्णय लिया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि यह त्योहार आपसी भाईचारा और एकता की निशानी है। उन्होंने सभी से महाशिवरात्रि के त्योहार को सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने का अपील की। मौके पर पुअनि दुर्गेश कुमार सिंह, दीनानाथ चौबे आदि थे।

धनबाद पहुंची बाल संरक्षण आयोग की सदस्य अकिंचन

धनबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड बाल संरक्षण आयोग की सदस्य अकिंचन आभा अपने दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को धनबाद पहुंचीं। वह दो दिनों तक धनबाद में रहकर जिला बाल कल्याण अधिकारी और जिला बाल संरक्षण के सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें करेंगी। इस दिन उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह दिल्ली जाने के क्रम में धनबाद में रुकी हैं। वह अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में बाल संरक्षण की स्थिति का आकलन करेंगी। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि जिले में बाल संरक्षण के कार्यों में और गति आए एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिले में बाल कल्याण की दिशा में नई पहल होगी और बच्चों के लिए एक सुरक्षित एवं संरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

जागरूकता को लेकर शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन

हस्तशिल्प संस्कृति की पहचान है : भुवन

बच्चों में कला और संस्कृति कि सही समझ के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजित होना जरूरी : शैलेंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

गोविंदपुर/धनबाद। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय अंतर्गत देवघर हस्तशिल्प कार्यालय के विकास आयुक्त की ओर से गोविंदपुर के सहराज एकलव्य माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार से तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके प्रथम दिवस पर आयोजन का उद्घाटन हस्तशिल्प विभाग के सहायक निदेशक भुवन भास्कर, चेतना महाविद्यालय के संरक्षक शैलेंद्र सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर भुवन भास्कर ने कहा कि हस्तशिल्प संस्कृति की पहचान है। ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से निश्चित ही बच्चों के बीच झारखंड की सभ्यता-संस्कृति के प्रति रुझान बढ़ेगा। आधुनिकीकरण के दौर में भी हस्तशिल्प एवं हथकरघा के उत्पादों के प्रति बढ़ते रुझान से

पता चलता है कि संस्कृति हमारी जीवन का अभिन्न अंग है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत हस्तशिल्प की विधा को शामिल करना है, ताकि बच्चों में क्षेत्रीय हस्तशिल्प एवं अन्य संस्कृति गतिविधियों की जानकारी मिल सके। निश्चित ही यह जागरूकता कार्यक्रम बच्चों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा और अपने उद्देश्य में सफल होगा। साथ ही, विभाग की ओर से हस्तशिल्प के क्षेत्र में किए जा रहे योजनाएं की जानकारी भी साझा की। वहीं, चेतना महाविद्यालय के संरक्षक शैलेंद्र ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यालय में प्रति वर्ष आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि बच्चों में कला और संस्कृति कि सही समझ हो सके। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए ऐसे कार्यक्रम स्वरोजगार के भी अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होंगे। शिल्प प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय में अध्ययनरत वर्ग 4 से 9 तक के सभी छात्र-छात्राओं को झारखण्ड के चार हस्तशिल्प यथा बांस शिल्प, टेराकोटा, सोहराय लोकचित्रकला और डॉल एवं टॉयज के हस्तशिल्पियों द्वारा बारीकी को समझे एवं भारत के समृद्ध हस्तशिल्प विरासत के प्रति जागरूक करना है। इस मौके पर 150 से अधिक बच्चों के साथ प्राचार्य हेनालाल हेम्ब्रम, शिक्षक अनिल मुर्मू, रविंद्र टुडू, पंकज, सुनीता, गणेश और रुपलाल आदि मौजूद रहे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–68/2024–25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 03.03.2025 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 04.03.2025 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 04.03.2025 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	E/R to Cleaning of Roof Repair Office Line in Duct Areas and Repair of Seepage part of Urban Roof Area of New Vidhan Sabha, Jharkhand, Ranchi for the year 2024-25	2,46,300.00	500.00	5000.00	10 Days
2	E/R to cleaning of Drain Pipe Line and Repair of Seepage portion of Advocate Block, Typist Block and Place Area at New HighCourt Building Jharkhand, Ranchi for the year 2024-25	4,99,800.00	750.00	10000.00	15 Days
3	Emergent Repair of "E" Type Qtr. No.-24 (F.F), Sector-1, Dhurwa, Ranchi	2,49,300.00	500.00	5000.00	10 Days
4	Emergent Repair of "B" Type Qtr. No.-354 (S.F) in Sector-2, Dhurwa, Ranchi	3,99,700.00	750.00	8000.00	15 Days
5	Emergent Repair of "B" Type Qtr. No.-654 (S.F) in Sector-2, Dhurwa, Ranchi	3,99,300.00	750.00	8000.00	15 Days
6	E/R of "B" Type Qtr. No.1862 (Ground Fl.) in Sector-2 and B-Type Qtr. No.-201 (G. F) in Sector-3 at HEC, Dhurwa, Ranchi	2,48,900.00	500.00	5000.00	10 Days
7	E/R to Cleaning of Drain, Pipe Line and Repair of Seepage Part of Court Block Area at New High Court Building, Jharkhand, Ranchi for the year 2024-25	4,55,800.00	750.00	9500.00	15 Days
8	Renovation of "B" Type Qtr. No.-176 (Ground Floor in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	3,96,200.00	750.00	8000.00	15 Days
9	Renovation of "A" Type Qtr. No.-24 in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	2,68,400.00	750.00	5500.00	10 Days
10	Renovation of "A" Type Qtr. No.-139 in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	2,92,200.00	750.00	6000.00	10 Days
11	Renovation of Main Building First Floor Toilet "E" Type Qtr. No.-93 in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	2,43,400.00	500.00	5000.00	10 Days
12	Renovation of B Type Qtr. No.-95 (S.F) at Sector-2, HEC, Dhurwa, Ranchi	3,98,400.00	750.00	8000.00	15 Days
13	Renovation of "B" Type Qtr. No.-389 (Second Floor) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	3,96,800.00	750.00	8000.00	15 Days
14	E/R to Office of Assist. Engineer Building Sub Division-2, Ranchi at Old Vidhan Sabha, dhurwa, Ranchi	3,35,800.00	750.00	7000.00	15 Days
15	E/R to drain System of Engineer Hostel at HEC, Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	2,49,500.00	500.00	5000.00	10 Days
16	E/R to Making shed for Fire Fighting strong in the Campus of Project Building (Jharkhand Mantralaya) at HEC, Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	2,45,000.00	500.00	5000.00	10 Days
17	E/R to Shop No.-5 of at Old Vidhan Sabha, Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	1,68,700.00	500.00	3500.00	10 Days
18	E/R to Room No.-326 & 327 (RCD Principle Secretary Chamber) at 3rd Floor and Lobby Near lift area at Ground Floor of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	2,47,700.00	500.00	5000.00	10 Days
19	E/R to ACS Chamber (Hon'ble CM Cell) at First Floor & Room No.-246 at Second Floor of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	2,42,900.00	500.00	5000.00	10 Days
20	Supply, Fixing & Fixing of SS Engraving Display Board at Ground Floor & Ohter Name Plates at HEC, Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	2,48,800.00	500.00	5000.00	10 Days
21	E/R to Aluminum Door Work at 3rd Floor (Department of Women & Child Development & Social Security) of FFP Building at HEC, Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	2,43,900.00	500.00	5000.00	10 Days
22	Supplying, Fixing & Fixing of Women Folding Partition and Side Table at Room No.-13 (Secretary BCD Chamber) at Ground Floor of Project Building at Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	2,38,300.00	500.00	5000.00	10 Days
23	Emergent Repair of False Ceiling and Parking Tiles in Engineering Hostel No.-1, HEC, Dhurwa, Ranchi for the year 2024-25	2,49,000.00	500.00	5000.00	10 Days
24	Renovation of B Type Qtr. No.-1306 (F.F) in Sector-2, Dhurwa, Ranchi	3,29,400.00	750.00	7000.00	15 Days
25	E/R to AN B Type Qtr. No.-204 (F.F) in Sector-3, Dhurwa, Ranchi	2,20,800.00	500.00	4500.00	10 Days
26	E/R to A Type Qtr. No.-327 in Sector-4, HEC, Dhurwa, Ranchi	2,63,300.00	750.00	5500.00	10 Days
27	E/R to CD Type Qtr. No.-708 (S.F) in Sector-2, Dhurwa, Ranchi	3,97,800.00	750.00	8000.00	15 Days

नोट : निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 346963 Building(24-25)#D

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 22 फरवरी, 2025
www.azadsipahi.in

रेल मंत्रालय ने दक्षिण ओड़िशा में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख रेल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को दी मंजूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। दक्षिण ओड़िशा की कनेक्टिविटी और आर्थिक संभावनाओं को बदलने के लिए एक ऐतिहासिक कदम में, रेल मंत्रालय ने कई प्रमुख रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। स्वीकृत प्रमुख परियोजनाओं में 250 किलोमीटर लंबी गोपालपुर-रायगड़ा नयी रेल लाइन के साथ-साथ नौपाड़ा-गुनुपुर-थेरुवली रेल लाइन का दोहरीकरण शामिल है। इन पहलों को ओड़िशा के पहले के दूरदराज के क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने, वस्तुओं और सेवाओं के सुचारू परिवहन को सक्षम करने के लिए डिजाइन किया गया है। 11 फरवरी को उक्त दो परियोजनाओं के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) के लिए 9.65 करोड़ स्वीकृत किये गये हैं। इसके अलावा 21 अगस्त 2024 को गुनुपुर-थेरुवली नयी लाइन (73.62 किमी) को मंजूरी दे दी गयी है। यह 1,326 करोड़ की परियोजना गुनुपुर और थेरुवली को जोड़ेगी, जिससे रायगडा जिले को काफी फायदा होगा। ओड़िशा सरकार द्वारा प्रदान की गयी 473.78 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण के साथ परियोजना को पांच साल में पूरा करने का लक्ष्य है।

गोपालपुर-रायगड़ा नयी रेल लाइन और गुनुपुर-थेरुवली रेल लाइन परियोजनाएं राज्य के दक्षिणी हिस्से में परिवहन दक्षता में सुधार और लॉजिस्टिक लागत को कम करके आर्थिक लाभ लायेंगी। नयी रेल लाइन कृषि उत्पादों और खनिजों सहित आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आवाजाही की सुविधा प्रदान करेगी।

गुनुपुर-थेरुवली नयी रेल लाइन परियोजना में सात नये स्टेशनों के विकास से महत्वाकांक्षी रायगड़ा जिले सहित प्रमुख क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार होगा, जिससे व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय विकास के नये अवसर खुलेंगे। गुनुपुर-थेरुवली नयी रेल लाइन परियोजना भारतीय रेलवे के तहत ऊर्जा, खनिज और सीमेंट कॉरिडोर का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिसे क्षेत्रीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं को एकीकृत करने और पूरे देश में समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है।

इन परियोजनाओं के निर्माण चरण से पर्याप्त प्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा।

दक्षिणी ओड़िशा में प्रस्तावित रेलवे लाइनें दक्षिणी ओड़िशा में उद्योगों के लिए प्रमुख सामग्रियों के परिवहन में सहायता के लिए महत्वपूर्ण हैं। कनेक्टिविटी बढ़ा कर, परियोजना औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगी, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करेगी और महत्वपूर्ण वस्तुओं के त्वरित और अधिक कुशल परिवहन को सक्षम करेगी।

गोपालपुर-रायगड़ा नयी रेल लाइन और गुनुपुर-थेरुवली रेल लाइन परियोजनाएं आर्थिक विकास के एक नये युग की शुरूआत करने के लिए तैयार हैं, जिससे जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

इन परियोजनाओं को दी गयी मंजूरी

- 250 किलोमीटर लंबी गोपालपुर-रायगड़ा नयी रेल लाइन के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) को मंजूरी
- नौपाड़ा-गुनुपुर-थेरुवली रेल लाइन के दोहरीकरण के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) को मंजूरी
- गुनुपुर-थेरुवली नयी लाइन (73.62 किमी) को अगस्त 2024 में मंजूरी दी गयी

आवास योजना के लिए 12 लाख 50 हजार लोगों ने दिया आवेदन : पंचायतीराज मंत्री

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री आवास घर योजना के लिए ढाई लाख लाभार्थियों ने आवेदन कर चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल होने के लिए शुरू हुए रजिस्ट्रेशन की संख्या 12 लाख 50 हजार तक पहुंच गयी है। इसकी जानकारी शुक्रवार को पंचायतीराज मंत्री रवि नारायण नायक ने दी। मंत्री ने कहा कि योग्य हिताधिकारियों को ही आवास दिया गया है। हालांकि आवास के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31 मार्च तय की गयी है। वहीं, इससे पहले पंचायतीराज मंत्री रबी नारायण नायक ने प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार को लेकर पिछली सरकार पर हमला बोला था। पिछली सरकार में आवास आवंटन में अंतर था। मंत्री ने कहा कि लोगों का नाम तो दर्ज हो रहा था, लेकिन लोगों को घर नहीं मिल पाता था। मोहन माझी की सरकार ने एक नयी योजना अंतोदय गृह योजना शुरू की है। मंत्री ने बताया कि स्वच्छ घर का सपना पूरा होगा। करीब 6 लाख लोगों की सूची तैयार की गयी है। इसके अलावा, जो लोग पीछे रह जायेंगे, उन्हें भी शामिल किया जायेगा।

मैट्रिक परीक्षार्थी की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। केंद्रापड़ा मैट्रिक परीक्षार्थी की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। परीक्षार्थी को ले जा रही बोलेरो गाड़ी ने साइकिल सवार को टक्कर मारने के बाद पलट गयी। राजनगर विवेकानंद उच्च विद्यालय बाघमारी के 12 छात्रों को नागा नारायण उच्च विद्यालय डांगमाल परीक्षा केंद्र ले जा रही बोलेरो गाड़ी से जा रहे थे, तभी ये हादसा हो गया। सभी को बचाया गया और तालचुआ हस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल छात्रों का इलाज डांगमाल हस्पताल में किया जा रहा है। हालांकि, साइकिल सवार कृष्णनगर गांव के सुबोध मंडल की मौके पर ही मौत हो गयी।

ओड़िया भाषा की रक्षा और प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी प्रत्येक परिवार की : प्रो पांडा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। प्रख्यात साहित्यकार प्रोफेसर गायत्रीबाला पांडा ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में मौजूद 7000 से अधिक भाषाओं और बोलियों में से कई लुप्त हो गयी हैं, जिससे अपनी भाषा को बचाने के लिए प्रयास करने की तत्काल आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रजत जयंती समारोह के अवसर पर यहां शिक्षा 'ओ' अनुसंधान डीम्ड यूनिवर्सिटी (एसओए) में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अपनी भाषा को जीवित रखने का प्रयास व्यक्ति से शुरू होना चाहिए। भाषाई विविधता के मूल्य को पहचानने और भावी पीढ़ियों के लिए इन भाषाओं की रक्षा के लिए कदम उठाने के लिए हर साल 21 फरवरी को विश्व स्तर पर यह दिवस मनाया जाता है।

कार्यक्रम का आयोजन एसओए के सेंटर फॉर प्रिजर्वेशन, प्रोपेगेशन एंड रिस्टोरेशन ऑफ एंशिएंट कल्चर एंड हेरिटेज ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था। पीपीआरएचिन के प्रमुख प्रोफेसर पांडा ने कहा कि ओड़िशा में प्रत्येक परिवार पर ओड़िया भाषा की रक्षा और प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी मातृभाषा के प्रति आकर्षित करने की जरूरत है और समाज में इसके बारे में जागरूकता फैलाने के प्रयास किये जाने चाहिए।

प्रख्यात इतिहासकार डॉ निबेदिता मोहंती ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 'उड़िया जाति के निर्माण में भाषा की भूमिका' विषय पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अपनी बात रखने के लिए व्यासकबी फकीरमोहन सेनापति के कालजयी उपन्यास 'रबाती' का जिक्र किया।

उपन्यास के प्रमुख पात्र 'रेबती' पर फोकस करते हुए उन्होंने कहा कि 'रेबती आज भी समाज में जीवित हैं।' उन्होंने कहा, सेनापति ने अपनी किताब में अपने समय के दौरान महिलाओं से जुड़े अंधविश्वासों और अंध विश्वास का जिक्र किया था।

प्रसिद्ध कवयित्री डॉ अपर्णा मोहंती ने उड़िया भाषा को मजबूत करने में उड़िया मां की भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम को रमा देवी महिला विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के पूर्व प्रोफेसर प्रोफेसर मानस बेहरा ने भी संबोधित किया। प्रोफेसर गोरांगा चरण दाश ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर प्रोफेसर निहार रंजन मिश्रा ने किया। प्रदीप्त कुमार पांडा और प्रो संतोष कुमार रथ उपस्थित थे।

10 हजार 852 किलो गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। कंधमाल जिला पुलिस ने शुक्रवार को 5 थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की और भारी मात्रा में गांजा जब्त किया। पुलिस ने 10 हजार 852 किलो से ज्यादा गांजा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पहली बार पुलिस को एक साथ बड़ी मात्रा में गांजा जब्त करने में सफलता मिली है। गौरतलब है कि डीजीपी योगेश बहादुर खुरानिया ने कंधमाल जिले से गांजा की तस्करी रोकने का आदेश दिया था। तदनुसार, कंधमाल एसपी बीसी हरीश ने एक विशेष दल बनाया और विभिन्न स्थानों पर छापा मारा था। गोछापड़ा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत दारुगोंडा घाटी के पास के जंगल से 6520 किलोग्राम, फिंगिरिया पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कासिनपदर ग्राम पंचायत के माजीपड़ा जंगल से 1520 किलोग्राम, फुलबाली सदर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सुद्रुजू ग्राम पंचायत मिनियाकटी के जंगल से 2052 किलोग्राम, बालीगुड़ा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत जाकरीपदा जंगल से 650 किलोग्राम, टिकाबाली पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सुनापंगा गांव के पास 110 किलो जब्त किया गया है। कुल 10,852 किलोग्राम जब्त किया गया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त सभी मामलों की जांच जारी है और पुलिस तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। गौरतलब है कि गांजा के माफिया जंगल में जगह-जगह खाली जगह खोदकर इस गांजे की तस्करी कर रहे हैं। डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों को इस समय सीमा के भीतर गांजा की खेती के पूर्ण उन्मूलन के लिए काम करने का निर्देश दिया है।

FURNITURE PLANET
A Unit of Supreme Techno (India)
Manufacturing Unit of
Revolving Chairs, Office Sofa and Restaurant Furniture
LARGEST SHOWROOM IN JHARKHAND
Web: www.supremetechnoindia.com
Add.: Opp. Hanuman Dharamkanta, Kokar, Ranchi
9570040095, 9570007788

POPKORN cinemas
Now Showing
SUJATA PICTURE PALACE
CHHAAVA
SANAM TERI KASAM
Schedule For 21st Feb., 2025 onwards!
at Screen-1 (Sujata)
Chhaava : 11.00, 1.45, 4.45, 7.45
at Screen-2 (Miniplex)
Chhaava : 1.00, 4.00, 7.00
Sanam Teri Kasam : 10.30
at Popkorn Cinemas
Chhaava : 12.30, 2.00, 5.00, 6.00, 8.00
Sanam Teri Kasam : 10.00
Mere Husband Ki Biwi : 11.15, 3.30, 8.45
*Due to security reasons, only mobiles, wallets & ladies handbags allowed. Patrons are requested to reach the cinema 30 mins before the start of the show to avoid any inconvenience.
*All above information is subject to change without prior notice.

हाथियों की सुगम आवाजाही के लिए रेलवे और वन अधिकारियों की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। खुर्दा रोड स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में खुर्दा रोड रेलवे अधिकारियों और वन अधिकारियों के बीच एक समन्वय बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक का उद्देश्य हाथियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने, दुर्घटनाओं से बचने और अत्यधिक हाथी सतर्कता के कारण ट्रेन की देरी को कम करने के लिए रेलवे अधिकारियों और वन अधिकारियों के बीच घनिष्ठ समन्वय करना है।

बैठक की अध्यक्षता एचएस बाजवा मंडल रेल प्रबंधक खुर्दा रोड ने की। खुर्दा रोड डिवीजन से पीके बेहेरा, अतिरिक्त मंडल रेलवे प्रबंधक ऑपरेटिंग, वाणिज्यिक, इंजीनियरिंग, सिग्नल और दूरसंचार, इलेक्ट्रिकल और सुरक्षा विभागों के शाखा अधिकारियों के साथ उपस्थित थे। वन विभाग से सुदर्शन शेखर खोरा आइएफएस क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, फील्ड निदेशक/ सातकोसिया टाइगर रिजर्व अंगुल, कटक, आठगढ़, ढेंकानाल, खोरधा के प्रभागीय वन अधिकारी और अंगुल के वन अधिकारी उपस्थित थे।

खुर्दा रोड के मंडल रेल प्रबंधक एचएस बाजवा ने वन अधिकारियों के साथ समन्वय पर जोर दिया, ताकि वास्तविक समय के आधार पर हाथियों की आवाजाही पर नजर रखी जा सके। इस संबंध में एक स्वस्थ चर्चा की गयी और पटरियों पर हाथियों की मौत को रोकने के लिए विभिन्न कार्य बिंदु तैयार किये गये हैं। संभागीय वन अधिकारियों को महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर हाथियों की आवाजाही के बारे में समय पर संचार के लिए अपने कर्मचारियों को तैनात करने की सलाह दी गयी। पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा चयनित स्थानों यानी बैरी-कपिलास रोड, ढेंकानाल-हिंदोल-सदाशिवपुर आदि पर खुर्दा रोड डिवीजन में अंडरपास और ओवरपास बनाये जायेंगे। संवेदनशील स्थानों की पहचान की जायेगी और स्पष्ट दृश्यता के लिए रेलवे पटरियों के पास की झाड़ियां को साफ किया जायेगा। लोको पायलटों को पूर्व चेतावनी के रूप में साइनेज बोर्ड की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। स्टेशन मास्टर और वन विभाग के बीच सुचारू संचार के लिए वॉकी-टॉकी के माध्यम से एक विशेष चैनल बनाया जायेगा, ताकि स्टेशन मास्टर ट्रेन चालक दल को समय पर लुक आउट परामर्श दे सके। लोको पायलटों और गार्डों के लिए वन्य जीवन संरक्षण और सुरक्षा पर नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

महाकुंभ तीर्थयात्रियों के लिए इसीओआर की 60 विशेष ट्रेनें

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 में भाग लेनेवाले लाखों तीर्थयात्रियों की सुगम और कुशल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ईस्ट कोस्ट रेलवे (इसीओआर) ने ओड़िशा के 25 शहरों से 60 विशेष ट्रेनें निर्धारित की हैं। इनमें से 50 कुंभ विशेष ट्रेनें पहले ही सफलतापूर्वक अपनी यात्रा पूरी कर चुकी हैं। यह पहल पवित्र शहर प्रयागराज जाने वाले भक्तों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी और निर्बाध यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वे भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम के लिए सुरक्षित और आराम से पहुंचें। विशेष ट्रेनें ओड़िशा के प्रमुख स्थानों से संचालित की जायेंगी, जिनमें पुरी, भुवनेश्वर, कटक, खुर्दा रोड, ब्रह्मपुर और अन्य शहरों से सेवाएं शुरू होंगी। प्रयागराज से कनेक्टिविटी के लिए कई ट्रेनें निर्धारित की गयी हैं।

पुरी से ट्रेनें : दो जोड़ी ट्रेनें 08417 और 08475 प्रयागराज के रास्ते पुरी-टूंडला के बीच प्रदान की गयीं।

भुवनेश्वर से ट्रेनें : 08425 और 08467 भुवनेश्वर-टुंडला, 08417/08475 पुरी-टुंडला, 08462/08588 विशाखापत्तनम-गोरखपुर विशेष ट्रेनें।

खुर्दा रोड से ट्रेनें : 08417/08475 पुरी-टुंडला, 08462/08588 विशाखापत्तनम-गोरखपुर विशेष ट्रेनें।

कटक/नाराज कटक से ट्रेनें : 08425 और 08467 भुवनेश्वर-टुंडला,08417/08475 पुरी-टुंडला, 08462/08588 विशाखापत्तनम-गोरखपुर विशेष ट्रेनें।

ब्रह्मपुर और बालूगांव से ट्रेनें : 08562/08588 विशाखापत्तनम-गोरखपुर विशेष ट्रेनें।

जाजपुर क्योंझर रोड और जखापुरा से ट्रेनें : 08425 और 08467 भुवनेश्वर-टुंडला, 08417/08475 पुरी-टुंडला, 08462/08588 विशाखापत्तनम-गोरखपुर विशेष ट्रेनें।

भद्रक, बालेश्वर और जलेश्वर से ट्रेनें : 08417/08475 पुरी-टुंडला। केंदुझारगढ़ और नयागढ़ से ट्रेनें08425 और 08467 भुवनेश्वर-टुंडला। ढेंकनाल, अंगुल, बोइंदा, रायराखोल, संबलपुर सिटी से ट्रेनें 08562/08588 विशाखापत्तनम-गोरखपुर विशेष ट्रेनें।

रायगडा, केसिंगा, कांटाबांजी, मुनिगुडा से ट्रेनें : 08530 विशाखापत्तनम-डीडीयू।

टिटिलागढ़, बलांगीर, बरगढ़ रोड, संबलपुर से ट्रेनें : 08530 विशाखापत्तनम-डीडीयू और 08314 टिटिलागढ़-टुंडला स्पेशल। झारसुगुड़ा/झारसुगुड़ा रोड से ट्रेनें 08562/08588 विशाखापत्तनम-गोरखपुर विशेष ट्रेनें। कुल मिला कर, विशेष ट्रेन सेवाएं पूरे ओड़िशा के एक विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र को कवर करेंगी। महाकुंभ 2025 के दौरान यात्रियों के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत भीड़ प्रबंधन योजना बनायी गयी है। सभी प्रमुख स्टेशनों पर आरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया है। सीसीटीवी कैमरे भी लगाये गये हैं।

JOB VACANCY
सुनहरा अवसर महिलाओं के लिए
एक बड़ी Reputed Company में राँची के लिए Jobs Opportunity है जिसके लिए निम्न योगयताएँ अनिवार्य है :-
• Only Female.
• Age 30 to 45 Years.
• Minimum Qualification Graduation
• Married only.
• Experience को वरियता
Post Applied For
Life planning Officer (LPO)
Fixed Salary : Rs. 12000 to 17000 (Monthly)
+Incentive, PF, Gratuity, Medical & Bonus
Eligible Candidates are request to contact immediately with resume & Photograph on below Contact.
Vacancy सिमित है..
ONLY 10 LEFT HURRY UP
नोट : 29 साल से कम एवं 45 साल से उपर उम्र वाले व्यक्ति सम्पर्क न करें ।
Address : 2nd Floor, R.S. Tower, Lalpur, Ranchi
M.: 7004800036, 9905678089 (W)

मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत के कृषि-निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धि

- प्रथम बार हुए कई महत्वपूर्ण निर्यातों ने इतिहास रचा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के कृषि निर्यात में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, जिसमें कई उत्पादों ने पहली बार अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहुंच बनायी है। यह ऐतिहासिक विस्तार न सिर्फ व्यापार के संदर्भ में है, अपितु यह किसानों को सशक्त बनाने, ग्रामीण आय को बढ़ावा देने और भारत की समृद्ध कृषि विरासत को वैश्विक पटल पर लाने से भी जुड़ा है। विशिष्ट फलों से लेकर पारंपरिक भोज्य पदार्थों तक, निर्यात की यह पहली खेपें इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि मोदी सरकार का आत्मनिर्भर भारत का विजन भारतीय किसानों के लिए किस तरह से नए अवसरों का सृजन कर रहा है। मोदी सरकार के नेतृत्व में पहली बार किये गये कुछ उल्लेखनीय कृषि निर्यात इस प्रकार हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए भारतीय अनार की पहली समुद्री खेप : भारत के कृषि निर्यात में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत ने समुद्री मार्ग से क्रमशः प्रीमियम सांगोला और भगवा अनार की पहली खेप को सफलतापूर्वक ऑस्ट्रेलिया भेजा। यह सफलता न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में भारत के ताजे फलों की बाजार पहुंच को बढ़ाती है, बल्कि इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक भारतीय उत्पादों के प्रवेश का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

पोलैंड के लिए पहली बार अंजीर के जूस का निर्यात किया गया : भारत के अनोखे जीआइ-टैग युक्त पुरंदर अंजीर अब यूरोप में धूम मचा रहे हैं। वर्ष 2024 में, मोदी सरकार ने पुरंदर अंजीर से बने भारत के पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस को पोलैंड को निर्यात करने की सुविधा दी। इससे पहले इसे वर्ष 2022 में जर्मनी को भी निर्यात किया गया था। पुरंदर अंजीर अपने विशिष्ट स्वाद और रंग-रूप के लिए जाने जाते हैं। यह निर्यात वैश्विक मंच पर भारत के अनूठे कृषि-उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

लंदन, बहरीन को पहली बार ड्रैगन फ्रूट का निर्यात किया गया : भारत द्वारा अपने फलों के निर्यात में विविधता लाने के प्रयास के अंतर्गत, स्थानीय रूप से 'कमलम' के नाम से जाने जाने वाले फाइबर और खनिज युक्त ड्रैगन फ्रूट को वर्ष 2021 में लंदन और बहरीन निर्यात किया गया। लंदन को निर्यात की गई खेप गुजरात के कच्छ क्षेत्र के किसानों से प्राप्त की गयी थी, जबकि बहरीन को भेजी गयी खेप पश्चिमी मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) के किसानों से प्राप्त की गयी थी।

अमेरिका के लिए ताजे अनार की पहली ट्रायल खेप : वर्ष 2023 में भारत ने अमेरिका को हवाई मार्ग से ताजे अनार की अपनी पहली ट्रायल शिपमेंट निर्यात करके अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। महाराष्ट्र के भगवा अनार में निर्यात की पर्याप्त संभावनाएं हैं और देश से फलों के निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत राज्य के सोलापुर जिले से होता है।

असम का 'लेटेकु' फल दुबई निर्यात किया गया : पूर्वोत्तर के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में वर्ष 2021 में, असम के 'लेटेकु' के रूप में जाने जाने वाले बर्मी अंगूर की पहली खेप को दिल्ली के माध्यम से गुवाहाटी से दुबई भेजा गया। इस निर्यात ने असम के विदेशी उत्पादों को वैश्विक मानचित्र पर स्थान दिला दिया है जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की क्षमता भी सिद्ध हुई है।

प्रकाशित
झारखंड अधिविद्य परिषद, राँची द्वारा आयोजित वर्ग-XI की बोर्ड परीक्षा - 2025 के लिए JCERT, राँची द्वारा जारी नये संशोधित पाठ्यक्रम (बहुविकल्पीय प्रश्न) पर पूर्णतः आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नों का उत्तर सहित संकलन
वर्मा प्रेस प्रा० लि०, राँची द्वारा
Verma's Today CHAPTER WISE CLASS - XI 2025
ARTS, SCIENCE, COMMERCE एवं विज्ञान के लिए अलग-अलग पुस्तक
All Subjects Combined in ONE BOOK
मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!
VERMA PRESS PVT. LTD.
4, R. G. STREET, THARPAKHNA
RANCHI (JHARKHAND) - 834 001

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातु, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**